रविवार
31 मई
वर्ष-1
अंक-18

रफ्तार मीडिया

RANCHI, चैत्र कृष्ण पक्ष-12 ₹04 RNI No.-JHHIN/26/A3481 www.raftaarmedia.com

घुसपैठ रोकने के लिए नाकेबंदी जरूरी: शाह

कट्टरपंथी गतिविधियों और उनके केंद्रों पर भी कड़ी निगरानी रखने पर जोर दिया

भुज

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि सीमा पर बाड़बंदी, समुद्री सुरक्षा और राज्य सरकार की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति के कारण गुजरात की सुरक्षा स्थिति में बड़ा बदलाव आया है तथा राज्य में घुसपैठ और सीमा पार तस्करी पूरी तरह बंद हो चुकी है। अमित शाह ने यह बात गुजरात के भुज में भारत-पाकिस्तान सीमा से लगे गुजरात के सीमावर्ती और तटीय जिलों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा बैठक में कहीं। बैठक में गुजरात के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा कच्छ, वाव-थराद और पाटन के जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक उपस्थित रहे। बैठक में सीमा प्रबंधन को और अधिक मजबूत बनाने, चुनौतियों और उभरते खतरों पर विस्तार से चर्चा की गई। अमित शाह ने अंतरराष्ट्रीय सीमा से शून्य से 15 किलोमीटर के दायरे में सभी अवैध अतिक्रमणों को शून्य सहनशीलता नीति के तहत हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में कट्टरपंथी गतिविधियों और उनके केंद्रों पर भी कड़ी निगरानी रखने पर जोर दिया। गृह मंत्री ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। उन्होंने जिलाधिकारियों को ऐसे बदलावों की नियमित निगरानी और रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में हो रहा रिवर्स माइग्रेशन स्वागतयोग्य है। उन्होंने कहा कि पुलिस थाने स्तर से लेकर पटवारी तक सभी को समन्वित रूप से कार्य करते हुए पहले से बसे अवैध घुसपैठियों की पहचान और उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया को सुनिश्चित करना चाहिए। साथ ही प्रत्येक सीमावर्ती जिले की विशेष चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए स्थानीय प्रशासन को मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करनी

घुसपैठियों, ड्रोन और मादक पदार्थों से जुड़े खतरों की प्रभावी पहचान हो सके

घुसपैठियों, ड्रोन और मादक पदार्थों से जुड़े खतरों की प्रभावी पहचान और रोकथाम हो सके। अमित शाह ने प्रत्येक जिले में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), तटरक्षक बल, आयकर विभाग, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और लीड बैंक मैनेजर को शामिल करते हुए सुरक्षा समन्वय समूह गठित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आयकर, धनशोधन निरोधक और सीमा शुल्क कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन की जिम्मेदारी जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और सीमा रेंज के महानिरीक्षक की होगी। गृहमंत्री ने सीमावर्ती जिलों में हवाला लेनदेन, संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों, म्यूल खातों, शेल कंपनियों, संदिग्ध वाहनों और जीएसटी संग्रहण पर कड़ी निगरानी रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने आयकर विभाग और भारतीय रिजर्व बैंक के सहयोग से व्यापक सर्वेक्षण अभियान चलाने का भी निर्देश दिया।

तटीय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए: अमित शाह

शाह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा के निकट होने के कारण तटीय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए और इस दिशा में भारतीय तटरक्षक बल के साथ बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जाना चाहिए। शाह ने 'वाइब्रेंट विलेज' कार्यक्रम के साथ-साथ सीमावर्ती गांवों में केंद्र और राज्य सरकार की सभी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाने के निर्देश भी दिए। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को गुजरात के भुज में भारत-पाकिस्तान सीमा (आईपीबी) से लगे क्षेत्रों एवं तटीय जिलों से जुड़े सुरक्षा संबंधी विषयों पर समीक्षा बैठक की है। इनमें उन्होंने कई अहम बातें कही हैं।

सीमावर्ती इलाकों में डीएम और एसपी की सक्रिय भूमिका

सीमावर्ती इलाकों में डीएम और एसपी की सक्रिय एवं प्रभावी भूमिका पर बल दिया है। वे अपने क्षेत्र में घुसपैठिये-ड्रोन-नार्को की पहचान करना सुनिश्चित करेंगे। हर जिले में एक सुरक्षा समन्वय समूह बनाया जाए, जिसमें बीएसएफ, तटरक्षक, इनकम टैक्स, ईडी और लीड बैंक के मैनेजर को शामिल किया जाए। शाह ने कहा कि बॉर्डर फेंसिंग, समुद्री सीमा सुरक्षा और राज्य सरकार की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति से गुजरात के सुरक्षा परिदृश्य में बड़ा बदलाव आया है। राज्य में घुसपैठ तथा बॉर्डर पर तस्करी पूरी तरह बंद हो गई है। अंतरराष्ट्रीय सीमा के 0 से 15 किलोमीटर क्षेत्र में हर अनधिकृत अतिक्रमण के प्रति जीरो टॉलरेंस अप्रोच रखकर उसे समाप्त किया जाए। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में कट्टरपंथ के केंद्रों पर पैनी नजर रखने की आवश्यकता पर भी बल दिया। सीमावर्ती जिलों में डीएम को जनसांख्यिकी परिवर्तन की सख्त मॉनिटरिंग एवं नियमित रिपोर्टिंग करनी चाहिए। इन क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयों के आने के कारण हो रहा रिवर्स माइग्रेशन स्वागत योग्य है।

शाह ने डीएम को जनसांख्यिकी बदलाव की सख्त मॉनिटरिंग करने के दिए निर्देश

सीमावर्ती जिलों में डीएम को जनसांख्यिकी परिवर्तन की सख्त मॉनिटरिंग एवं नियमित रिपोर्टिंग करनी चाहिए। इन क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयों के आने के कारण हो रहा रिवर्स माइग्रेशन स्वागत योग्य है। शाह ने कहा कि पहले से बसे घुसपैठियों को वापस भेजने के कार्य में पुलिस स्टेशन से लेकर पटवारी तक, सब एकजुट होकर आगे आएं। उन्होंने कहा कि हर सीमावर्ती जिले की चुनौतियों और जरूरतों के आधार पर स्थानीय प्रशासन एसओपी तैयार करे, जिसमें पहले से बसे घुसपैठियों, ड्रोन और नार्को की पहचान करना सुनिश्चित हो। शाह ने कहा कि इनकम टैक्स, मनी लॉन्ड्रिंग और कस्टम कानूनों के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी डीएम, एसपी और आईजी बॉर्डर रेंज की होनी चाहिए। अमित शाह ने सीमावर्ती जिलों में हवाला ट्रांजैक्शन, लेनदेन, म्यूल अकाउंट, शेल कंपनियों, संदिग्ध वाहनों और जीएसटी कलेक्शन पर कड़ी निगरानी रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

दिल्ली, मुंबई समेत कई शहरों में हमले की साजिश नाकाम, आठ संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़े खुफिया अभियान में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई), मुंबई अंडरवर्ल्ड और पाकिस्तान में बैठे गैंगस्टर शाहजाद भट्टी से जुड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का पदार्फाश किया है। पुलिस ने इस मॉड्यूल से जुड़े आठ आरोपितों को महाराष्ट्र, झारखंड, दिल्ली और नेपाल कनेक्शन के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्टरी में बने चार हैंड ग्रेनेड, दो ग्लॉक पिस्टल, 24 जिंदा कारतूस, चोरी की बाइक और स्कूटी के अलावा पाकिस्तान स्थित हैंडलरों से हुई बातचीत वाले मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

दिल्ली पुलिस के अनुसार इस नेटवर्क का मकसद दिल्ली, मुंबई, पंजाब, चंडीगढ़ में महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठानों, सुरक्षा संस्थानों और पुलिसकर्मियों पर ग्रेनेड हमला और फायरिंग करने की साजिश रच रहा था। आरोपितों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। विशेष पुलिस आयुक्त अनिल शुक्ला ने बताया कि स्पेशल सेल को इनपुट मिला था कि पाकिस्तान और दुबई में बैठे शाहजाद भट्टी नेटवर्क तथा आईएसआई से जुड़े हैंडलर भारत में आतंकी और आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने की तैयारी कर रहे हैं। इसके बाद एसीपी विवेक कुमार त्यागी, इंस्पेक्टर सुनील रजैन और इंस्पेक्टर धीरज मेहलावत की टीम ने तकनीकी निगरानी और मुखबिरों की मदद से नेटवर्क पर नजर रखनी शुरू की। जांच के दौरान सबसे पहले 14 मई 2026 को उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर निवासी विजय उर्फ शूटर (23) को महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार किया गया।

बंगाल के सोनारपुर में सांसद अभिषेक बनर्जी का जबरदस्त विरोध, अंडे-जूते फेंके गए

कोलकाता

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा से प्रभावित तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के परिवारों से मिलने दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर पहुंचे पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी को शनिवार को विरोध प्रदर्शन का सामना करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने उनके खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अंडे और जूते फेंके तथा कथित तौर पर धक्का-मुक्की की भी खबरें सामने आई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सोनारपुर में प्रवेश के दौरान अभिषेक बनर्जी चारपहिया वाहन छोड़कर मोटरसाइकिल से आगे बढ़

रहे थे। इसी दौरान प्रदर्शनकारियों की भीड़ ने उनका रास्ता घेर लिया। स्थिति तनावपूर्ण होने पर उन्होंने सुरक्षा के मद्देनजर क्रिकेट हेलमेट पहन लिया और अपना कार्यक्रम जारी रखा। बताया जा रहा है कि विरोध के दौरान उन पर अंडे और जूते भी फेंके गए तथा उनकी शर्ट के बटन टूट गए। अभिषेक बनर्जी के सोनारपुर पहुंचने से पहले ही विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था। कई लोग काले झंडे लेकर गो बैक के नारे लगा रहे थे। पाटुली के ढालाई ब्रिज से लेकर सोनारपुर के कामराबाद क्षेत्र तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन किए जाने की सूचना है।

शासक ही हत्यारे बन गए: ममता बनर्जी

कोलकाता

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला है। शनिवार को अभिषेक बनर्जी पर हुए कथित हमले की निंदा करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस तरह की हिंसा स्वीकार्य नहीं है और भाजपा को इस घटना पर शर्म आनी चाहिए। ममता बनर्जी की यह प्रतिक्रिया उस घटना के बाद आई है, जब दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर में मृत तृणमूल कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जा रहे पार्टी के राष्ट्रीय

महासचिव व लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए कथित हमले के दौरान उनका विरोध किया गया। इस दौरान उन पर अंडे, जूते और अन्य वस्तुएं फेंके जाने के आरोप लगे हैं। घटना के बाद राज्य की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि राजनीतिक विरोध के नाम पर हिंसा और अराजकता को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में असहमति व्यक्त करने का अधिकार है, लेकिन हिंसक तरीके किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराए जा सकते। तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया है कि विरोध प्रदर्शन पूर्व नियोजित था और इसके पीछे भाजपा समर्थकों की भूमिका थी। पार्टी नेताओं का आरोप है कि अभिषेक बनर्जी को जानबूझकर निशाना बनाया गया।

देश के कई हिस्सों में आंधी-तूफान और भारी बारिश के आसार

नई दिल्ली

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूवार्नुमान के बाद शनिवार को जहां दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम वर्षा हुई, जिससे यहां के निवासियों को भीषण गर्मी और लू से राहत मिली है वहीं देश के बड़े हिस्से में आंधी-तूफान और भारी बारिश जारी रहने के आसार हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बदले मौसम के कारण मध्य भारत के अधिकांश हिस्सों में पिछले कुछ दिनों से जारी भीषण लू से राहत मिली है वहीं रविवार को देश के अन्य हिस्सों से भी लू का असर कमजोर पड़ने के आसार हैं। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून तेजी से आगे की ओर कदम बढ़ा रहा है। इस पूरे सप्ताह पूर्वोत्तर भारत और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के कुछ इलाकों में मूसलाधार बारिश होने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार राजधानी में रविवार को भी गरज और तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। हवाओं की गति 40-50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार रह सकती है, जो शाम के समय 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक पहुंच सकती है।

भारत को तेल, महंगाई और मानसून के जोखिमों का करना पड़ रहा सामना: वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण पैदा हुई बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूती दिखा रही है। लेकिन, सामान्य से कम मानसून और आर्थिक गतिविधियों में नरमी के अनुमान के साथ आने वाले महीनों में कुल उपभोग मांग पर असर पड़ सकता है। इस तरह कुल मिलाकर भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए निकट भविष्य का दृष्टिकोण सतर्क रुख के साथ मजबूत बना हुआ है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को जारी मासिक आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई हे। आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) की ओर से जारी मई की 'मासिक आर्थिक समीक्षा' के

अनुसार, पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण पैदा हुई बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूती दिखा रही है, लेकिन कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, महंगाई का दबाव और कमजोर मॉनसून का जोखिम आने वाले महीनों में आर्थिक विकास की गति को धीमा कर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सामान्य से कम मानसून और आर्थिक गतिविधियों में नरमी के अनुमान के साथ आने वाले महीनों में कुल उपभोग मांग पर भी असर पड़ सकता है। हालांकि, वित्त मंत्रालय ने कहा कि घरेलू बुनियाद मोटे तौर पर मजबूत बनी हुई हैं। विनिर्माण और सेवा के क्षेत्र के पीएमआई (क्रय प्रबंधक सूचकांक) में वृद्धि जारी है। श्रम बाजार स्थिर है एवं विदेशी मुद्रा भंडार बाहरी झटकों से निपटने के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊर्जा, परिवहन और लॉजिस्टिक की बढ़ती लागत ने प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति के दबाव को सामने ला दिया है और महंगाई को लेकर चिंताओं को फिर से बढ़ा दिया है। इन दबावों के साथ, प्रमुख केंद्रीय बैंक पूर्व अनुमानों की तुलना में अधिक समय तक प्रतिबंधात्मक मौद्रिक नीति का रूख अपनाए रख सकते हैं।

6 और 7 जून को झारखंड दौरे पर रहेंगे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन

सौरभ राय/ रफ्तार मीडिया
रांची: झारखंड की मुख्य विपक्षी दल भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन आगामी 6 एवं 7 जून को दो दिवसीय झारखंड दौरे पर रहेंगे। बता दें,राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद यह उनका पहला झारखंड दौरा होगा, जिसे लेकर प्रदेश भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। इसी क्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाऊरी ने शनिवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे का आधिकारिक कार्यक्रम जारी करते हुए इसकी जानकारी दी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का दौरा संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेगा- अमर कुमार बाउरी

भाजपा के प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाऊरी ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों, संवाद कार्यक्रमों तथा संगठनात्मक बैठकों में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का यह दौरा संगठन को नई ऊर्जा देने के साथ साथ आगामी राजनीतिक और सांगठनिक गतिविधियों के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष के शेड्यूल को लेकर जानकारी देते हुए बताया कि नितिन नवीन 6 जून को पूर्वाह्व 11:30 बजे विशेष विमान से रांची

पहुंचेंगे। रांची एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत और अभिनंदन किया जाएगा।

इसके बाद एयरपोर्ट परिसर के समीप आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में वे भाग लेंगे। पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद रहेंगे।

दौरे के पहले दिन कई कार्यक्रमों में लेंगे हिस्सा

दौरे के पहले दिन राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत रत्न जननायक कपूरी ठाकुर, धरती आबा बिरसा मुंडा तथा भाजपा के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय कैलाशपति मिश्र की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद उनका आगमन भाजपा प्रदेश कार्यालय में होगा, जहां संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक का कार्यक्रम निर्धारित है।

इसी दिन राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रबुद्धजन संवाद कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों, पेशेवरों और सामाजिक कार्यकताओं के साथ संवाद स्थापित किया जाएगा।

7 जून को युवा संवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे राष्ट्रीय अध्यक्ष

दौरे के दूसरे दिन 7 जून को राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यक्रम ओरमांझी के कूचू स्थित भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के आवास पर प्रस्तावित है, जहां वे अल्पाहार कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद वे युवा संवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे और युवाओं से सीधे संवाद स्थापित करेंगे। भाजपा इस कार्यक्रम को युवा शक्ति को संगठन से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देख रही है।

झारखंड का सबसे बड़ा स्टार्टअप सम्मेलन एंटरप्रेन्योरियल कनेक्ट 3.0 संपन्न, नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मिली नई दिशा

संवाददाता , संजय कुमार
रांची

आई-हब स्टार्टअप झारखंड फाउंडेशन द्वारा खककऊउड के सहयोग से आयोजित एंटरप्रेन्योरियल कनेक्ट 3.0 (EC 3.0) का सफल आयोजन शुक्रवार को रांची स्थित सीसीएल कन्वेंशन सेंटर में संपन्न हुआ। यह झारखंड में अब तक का सबसे बड़ा स्टार्टअप सम्मेलन रहा, जिसमें देशभर से 600 से अधिक स्टार्टअप संस्थापक, उद्यमी, निवेशक, उद्योग प्रतिनिधि, नीति-निमार्ता और इकोसिस्टम से जुड़े प्रमुख हितधारकों ने भाग लिया।

सम्मेलन ने राज्य के तेजी से विकसित हो रहे स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई ऊर्जा देने के साथ सहयोग, ज्ञान-विनिमय और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच उपलब्ध कराया।

उद्यमिता और सहयोग पर बल

कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। स्वागत संबोधन में शभम राज, चीफ एनेबलर, आई-हब स्टार्टअप झारखंड फाउंडेशन एवं सह-संस्थापक, सेरी एआई ने झारखंड में उद्यमिता, नवाचार और स्टार्टअप विकास के लिए मजबूत अवसरों और सहयोगी तंत्र के निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर श्री वरुण रंजन, आईएएस, प्रबंध निदेशक झ्र खकक-ऊउड, खकअऊअ एवं खएटउछ ने स्टार्टअप, एमएसएमई और नवाचार को बढ़ावा देने हेतु सरकार की प्रतिबद्धता रेखांकित की। उन्होंने उद्यमियों के लिए अनुकूल नीतिगत वातावरण और संस्थागत सहयोग को मजबूत करने की दिशा में राज्य सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला।

उद्योग विशेषज्ञों और फाउंडर्स पैनल

सम्मेलन में देश के प्रमुख उद्यमियों और उद्योग विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया। कमलदीप सिंह, सीईओ एवं बोर्ड सदस्य, डीलशेयर तथा पूर्व सीईओ, बिग बाजार ने उभरते बाजारों में व्यवसाय विस्तार और दीर्घकालिक विकास रणनीतियों पर अपने अनुभव साझा किए।

पूजा जायसवाल, सह-संस्थापक एवं सीओ, लास्ट माइल केयर द्वारा संचालित फाउंडर्स पैनल में किरण बाबू (रावा एआई), अभिनव शाह (ओसम डेयरी) और मौसमी अम्बस्था (शिफू फाउंडेशन) ने भाग लिया। पैनल में उद्यमिता की चुनौतियों, व्यावसायिक लचीलापन, नवाचार और बदलते तकनीकी परिदृश्य में सफल व्यवसाय निर्माण जैसे विषयों पर चर्चा हुई।

निवेश परिदृश्य और इकोसिस्टम साझेदारी

सम्मेलन में आयोजित इन्वेस्टर्स पैनल में प्रमुख निवेशकों, वेंचर कैपिटल प्रतिनिधियों और इकोसिस्टम लीडर्स ने भाग लिया। चर्चा में स्टार्टअप निवेश के बदलते परिदृश्य, मेट्रो शहरों से बाहर उभरते अवसरों, फंडरेजिंग रणनीतियों और शुरूआती चरण के स्टार्टअप्स में निवेश के प्रमुख मानकों पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए गए।

सम्मेलन के इकोसिस्टम-केंद्रित दृष्टिकोण को मजबूत करते हुए XCITE by XLRI, CIIE – IIT (ISM) धनबाद तथा टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेटर (TBI), KIIT ने इन्क्यूबेशन पार्टनर के रूप में सहभागिता की। इन संस्थानों की उपस्थिति ने अकादमिक संस्थानों, इन्क्यूबेटर्स, उद्योग और सरकार के बीच बढ़ते सहयोग को रेखांकित किया।

एमएसएमई और वैश्विक बाजार पर सत्र

कार्यक्रम में एमएसएमई विकास, ई-कॉमर्स, निर्यात और बाजार विस्तार पर केंद्रित विशेष सत्र भी आयोजित किए गए। वॉलमार्ट वृद्धी \और वन वेंडर प्लेटफॉर्म के विशेषज्ञों ने व्यवसाय विस्तार और वैश्विक बाजारों तक पहुंच बनाने की व्यावहारिक रणनीतियों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। आयोजकों ने कहा कि एंटरप्रेन्योरियल कनेक्ट 3.0 झारखंड के स्टार्टअप इकोसिस्टम की बढ़ती गति और राज्य के नवाचार, उद्यमिता तथा निवेश के एक उभरते केंद्र के रूप में विकसित होने का प्रमाण है। सम्मेलन का समापन नेटवर्किंग सत्रों, स्टार्टअप प्रदर्शनी और इकोसिस्टम सहभागिता गतिविधियों के साथ हुआ, जिसका उद्देश्य उद्यमियों के लिए नए सहयोग, साझेदारी और विकास के अवसरों को बढ़ावा देना था।

चर्च, धर्मांतरण और आदिवासी पहचान के मुद्दे पर मुखर हुए चम्पाई सोरेन

धर्मांतरण और डीलिस्टिंग पर रखे अपने विचार

सौरभ राय/ रफ्तार मीडिया
विशेष संवाददाता
रांची:झारखंड के आदिवासी इलाकों में चर्चों की बढ़ती संख्या को लेकर दिए गए अपने हालिया बयान पर उठे विवाद के बीच राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने विस्तृत प्रतिक्रिया जारी करते हुए धर्मांतरण, आदिवासी संस्कृति, आरक्षण और धार्मिक पहचान से जुड़े कई मुद्दों पर अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य किसी धर्म विशेष का विरोध नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की पारंपरिक संस्कृति और अस्तित्व को लेकर चिंता व्यक्त करना है।

आदिवासी धार्मिक स्थल के साथ मंदिर भी मौजूद जहां दोनों समुदायों में दिखता है सहभागिता- चम्पाई सोरेन

चम्पाई सोरेन ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए संदेश देते हुए कहा कि कहा कि झारखंड के अधिकांश गांवों में आदिवासी और मूलवासी समुदाय लंबे समय से साथ रहते आए हैं। उनके अनुसार गांवों में सरना स्थल, जाहेरस्थान, देशाउली और मांझी थान जैसे आदिवासी आस्था केंद्रों के साथ साथ मंदिर भी मौजूद हैं, जहां दोनों समुदाय एक दूसरे की आस्थाओं का सम्मान करते हुए पर्व त्योहारों में भागीदारी करते हैं

सनातन ने आदिवासी समाज के धार्मिक पहचान बदलने का प्रयास नहीं किया

वहीं,उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की अपनी विशिष्ट धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था है, जिसमें जन्म, विवाह और मृत्यु जैसे संस्कार पारंपरिक पदाधिकारियों जैसे मांझी, पाहन, मानकी, मुंडा और अन्य सामाजिक संरचनाओं के माध्यम से संपन्न होते हैं। उनका कहना था कि सदियों से चले आ रहे इस सामाजिक सह अस्तित्व में विभिन्न समुदायों ने एक दूसरे का सम्मान किया, लेकिन कभी किसी की धार्मिक पहचान बदलने का प्रयास नहीं किया।

धर्मांतरण से आदिवासी समाज की पहचान पर पहुंच रहा है ठेस

अपने वक्तव्य में चम्पाई सोरेन ने ईसाई मिशनरियों की गतिविधियों और धर्मांतरण के मुद्दे पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि धर्मांतरण की बढ़ती प्रक्रिया से आदिवासी समाज की पारंपरिक संस्कृति, भाषा, रीति रिवाज और धार्मिक परंपराएं प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने दावा किया कि झारखंड के कुछ इलाकों में धर्मांतरण के कारण पारंपरिक पूजा स्थलों की गतिविधियां कमजोर पड़ी हैं।

आदिवासी समाज को अपनी परंपराओं की रक्षा के लिए जागरूक रहने की आवश्यकता है- चम्पाई सोरेन

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने अपने संदेश में कहा कि आदिवासी समाज की पहचान उसकी पारंपरिक जीवनशैली, भाषा, संस्कृति और सामाजिक व्यवस्था से है। उन्होंने आशंका जताई कि यदि यह प्रक्रिया जारी रही तो भविष्य में आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान पर संकट गहरा सकता है।उन्होंने धर्मांतरण को राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक अस्तित्व का प्रश्न बताते हुए भगवान बिरसा मुंडा, सिदो कान्हू, टाना भगत, तेलंगा खड़िया और अन्य आदिवासी नायकों के विचारों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि समाज को अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए जागरूक रहने की आवश्यकता है।

आरक्षण और संवैधानिक मुद्दों पर रखी राय

आरक्षण और संवैधानिक अधिकारों के मुद्दे पर भी उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा कि इस विषय पर व्यापक बहस और कानूनी समीक्षा की आवश्यकता है। उन्होंने केंद्र सरकार से आदिवासी समाज के अधिकारों और पहचान के संरक्षण के लिए आवश्यक संवैधानिक उपाय करने की मांग की।

अपने बयान में उन्होंने झारखंड में चर्च निर्माण और भूमि हस्तांतरण के मामलों की जांच की मांग भी उठाई। साथ ही उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की विशिष्ट परंपराओं और जीवनशैली की रक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए।

केंद्र सरकार से किया गया डीलिस्टिंग लागू करने की मांग

झारखंड में कई आदिवासी संगठनों के द्वारा डीलिस्टिंग की मांग जाती है अब खुद चम्पाई सोरेन ने केंद्र सरकार से डीलिस्टिंग अथवा संविधान के अनुच्छेद 342 में आवश्यक संशोधन पर विचार करने की मांग करते हुए कहा कि आदिवासी समाज के अस्तित्व, संस्कृति और पारंपरिक पहचान के संरक्षण के लिए इस विषय पर गंभीर चर्चा आवश्यक है।

सीसीएल में सेवानिवृत्त कर्मियों के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित

रांची

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय, रांची में आज एक भव्य एवं गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मई, 2026 में मुख्यालय से सेवानिवृत्त होने वाले 08 कर्मियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इसके साथ ही, सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत सेवानिवृत्त कर्मियों को भी उनके-अपने क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से ससम्मान विदा किया गया। इस प्रकार, आज सीसीएल मुख्यालय एवं विभिन्न क्षेत्रों से सेवानिवृत्त हुए कुल 90 कर्मियों को गरिमापूर्ण विदाई दी गई।

समारोह के दौरान सीसीएल मुख्यालय में एक लघु फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया, जिसमें सेवानिवृत्त कर्मियों ने अपने सेवाकाल के अनुभव, भावनाएँ एवं स्मृतियाँ साझा कीं।

मुख्यालय से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों के नाम इस प्रकार हैं- डॉ. ओम प्रकाश, मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, गांधीनगर अस्पताल; श्री शंकर कुमार झा, महाप्रबंधक(मानव संसाधन), एल एंड आर विभाग; श्री जॉयेश नायक,

महाप्रबंधक(एमएम), गांधीनगर अस्पताल; श्री अनिल कुमार, महाप्रबंधक(एमएम), क्रय विभाग; श्री सुकांता कुमार गंतायत, उप-प्रबंधक(वित्त), वित्त (एक्सपी); श्रीमती रेनु सुनीता एक्का, वरिष्ठ डीई, वित्त (कैश); श्री संजय कुमार सिन्हा, वरिष्ठ रेडियोग्राफ, गांधीनगर अस्पताल एवं श्री जगदीश, चालक। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीएमडी, सीसीएल श्री निलेंदु कुमार सिंह एवं निदेशक(मानव संसाधन) श्री हर्ष नाथ मिश्र उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सीसीएल के सीएमडी श्री निलेंदु कुमार सिंह ने कहा कि आप सभी ने अपने समर्पण, अनुभव और उत्कृष्ट कार्यशैली से कंपनी की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आपके वर्षों के अनुभव, कर्मनिष्ठा एवं प्रतिबद्धता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं। हमें विश्वास है कि भविष्य में भी आप अपने मार्गदर्शन, सकारात्मक दृष्टिकोण एवं सामाजिक योगदान से लोगों को प्रेरित करते रहेंगे।

वहीं, निदेशक (मानव संसाधन) श्री हर्ष नाथ मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि सेवानिवृत्ति सेवा यात्रा का समापन नहीं, बल्कि जीवन के एक नए अध्याय की शुरूआत है। आप सभी ने वर्षों तक अपने समर्पण, निष्ठा एवं कर्तव्यपरायणता से संगठन को सशक्त बनाया है। सीसीएल परिवार आपके योगदान के लिए सदैव कृतज्ञ रहेगा तथा आपके स्वस्थ, सुखद एवं सम्मानपूर्ण जीवन की कामना करता है। समारोह में विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, अधिकारीगण, कर्मचारी तथा सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को शॉल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।

बोकारो में महिला की हत्या के विरोध में आज बोकारो बंद : आदित्य साहू

सौरभ राय/ रफ्तार मीडिया
रांची: बोकारो के बेरमो में चार माह की एक गर्भवती महिला की हत्या मामले को लेकर झारखंड बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने 31 मई को बोकारो बंद की घोषणा की है। इस संबंध में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि पूरे प्रदेश में लॉ एंड

ऑर्डर की स्थिति पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है राज्य में कहीं कोई सुरक्षित नहीं है। धनबाद बोकारो में तो कानून व्यवस्था की स्थिति और भी भयावह है। भारतीय जनता पार्टी राज्य सरकार की तरह मूकदर्शक बनी नहीं रह सकती है। राज्य में अपराधियों के बढ़ते मनोबल के मामले पर पार्टी चुप बैठने वाली नहीं है। इसी मामले को लेकर कल यानि 31 मई को बोकारो बंद करने का निर्णय पार्टी ने लिया है। फिर इसके बाद आगे की रणनीति बनाई जाएगी।

मुंबई में मजदूरी कर रहे बिरनी के युवक की संदिग्ध मौत, गांव में शोक की लहर

बिरनी/गिरिडीह

बिरनी प्रखंड के भरकट्टा ओपी क्षेत्र अंतर्गत केशोडीह पंचायत के बरॉय गांव निवासी विजय तुरी (28 वर्ष), पिता जानकी तुरी, की मुंबई में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही गांव में शोक की लहर फैल गई, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विजय तुरी रोजी-रोटी की तलाश में मुंबई गए थे, जहां वे एक निमार्णाधीन भवन में मजदूर के रूप में कार्य कर रहे थे। इसी दौरान उनकी मौत हो गई। हालांकि उनकी मृत्यु किन परिस्थितियों में हुई, इसका स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आ सका है। मृत्यु की सूचना मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। बताया जाता है कि विजय तुरी परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य थे और मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी असामयिक मौत से पत्नी सहित पूरे परिवार के सामने आर्थिक एवं सामाजिक संकट खड़ा हो गया है। घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है। ग्रामीणों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने शोक व्यक्त करते हुए मृतक के परिजनों को सांत्वना दी है। वहीं ग्रामीणों ने प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों से मृतक का शव शीघ्र गांव पहुंचाने तथा पीड़ित परिवार को सरकारी सहायता एवं मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की है। विजय तुरी अपने पीछे पत्नी समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनकी अचानक हुई मौत से पूरे क्षेत्र में शोक व्याप्त है।

कुलगु पिस्का वृद्धाश्रम पहुंचे उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री, बुजुर्गों का जाना हालचाल: अधिकारियों को दिया दिशा निर्देश

सौरभ राय/ रफ्तार मीडिया
रांची: रांची के मंजूनाथ भजंत्री द्वारा हार सोमवार को जनता दरबार का आयोजन किया जाता है इसके साथ साथ तमाम सरकारी कार्यों को अंजाम दिया जा रहा है

इस बीच उनका मानवीय पहल भी देखने को मिलती है जो हर सरकारी कर्मचारी के लिए मिशाल पेश कर रही है। दरअसल शनिवार को रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने नगड़ी प्रखंड स्थित कुलगु पिस्का के विहार समाज कल्याण संस्थान (ओल्ड एज होम) का निरीक्षण किया।

वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को मिल रही सुविधाओं का लिया जाएगा

वृद्धाश्रम के निरक्षण के दौरान बुजुर्गों से मुलाकात कर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने उनका हालचाल जाना और वृद्धाश्रम में उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बता दें, उपायुक्त ने ना केवल निरक्षण किया बल्कि बुजुर्गो के साथ एक अपनमापन को दशार्ते हुए अपने साथ फल एवं मिठाई लेकर पहुंचे और बुजुर्गों को अपने हाथों से मिठाई खिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया। रांची उपायुक्त के इस व्यवहार से वृद्धाश्रम में बुजुर्ग भावुक नजर आए।

अधिकारियों और कर्मियों के साथ जनगणना और एसआईआर को लेकर बैठक

निरीक्षण के बाद संस्थान के सभागार में उपायुक्त ने सेविकाओं, सहायिकाओं तथा ग्रामीण महिलाओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, जनगणना कार्य तथा विशेष सर्वेक्षण संबंधी कार्यों की समीक्षा की और कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए।उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि एसआईआर के कार्य में शत प्रतिशत मैपिंग सुनिश्चित की जाए ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने जनगणना कार्य को भी प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने पर जोर देते हुए कहा कि सटीक आंकड़े विकास योजनाओं के निर्माण और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

कर्मियों से किया आवाह्न योजनाओं को जनजन तक पहुंचाए

युक्त बैठक के दौरान उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना आवश्यक है। उन्होंने संबंधित कर्मियों से योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक करने और लाभुकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

कुलगु पिस्का वृद्धाश्रम एकीकृत इको सिस्टम के तौर पर कार्य करेगा- मंजूनाथ भजंत्री

मौके पर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने वृद्धाश्रम परिसर में विकसित किए जा रहे एकीकृत सेवा तंत्र की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संस्थान में पहले से अटल क्लिनिक संचालित हो रहा है तथा वन स्टॉप सेंटर का निर्माण भी पूरा हो चुका है। उनके अनुसार यह केंद्र बुजुर्गों, महिलाओं और किशोरियों के लिए एक एकीकृत इको सिस्टम के रूप में कार्य करेगा, जहां स्वास्थ्य, सुरक्षा, परामर्श, सशक्तिकरण और कल्याण से जुड़ी विभिन्न सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी।\

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने संस्थान द्वारा बुजुर्गों की देखभाल के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बुजुर्गों की सेवा भारतीय संस्कृति और सामाजिक मूल्यों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि समाज और प्रशासन की यह जिम्मेदारी है कि वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानजनक और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता अभियान का शुभारंभ, तंबाकू मुक्त समाज बनाने का आह्वान

उपायुक्त मंजुनाथ भजन्त्री के द्वारा जागरूकता रथ किया गया रवाना

रांची : विश्व तंबाकू निषेध दिवस की पूर्व संध्या पर रांची जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम सह उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री द्वारा तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों को तंबाकू निषेध की शपथ दिलाई गई। साथ ही ह्लतंबाकू छोड़ो, जीवन जोड़ोह्व विषयक जनजागरूकता पोस्टर का विमोचन किया गया तथा तंबाकू नियंत्रण के प्रति जनभागीदारी बढ़ाने के लिए हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया।

इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस की थीम "(तंबाकू एवं निकोटीन उत्पादों के आकर्षण का पदार्फाश: उद्योगों की रणनीतियों को उजागर करना) है। इस अवसर पर लोगों, विशेषकर युवाओं को तंबाकू एवं निकोटीन उत्पादों के प्रति जागरूक रहने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। उन्मुखीकरण कार्यशाला को संबोधित करते हुए सिविल सर्जन रांची डॉ प्रभात कुमार ने तंबाकू सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तंबाकू अनेक गंभीर एवं जानलेवा बीमारियों का प्रमुख कारण है। इससे न केवल व्यक्ति का स्वास्थ्य प्रभावित होता है, बल्कि परिवार

और समाज पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने सभी लोगों से तंबाकू मुक्त जीवनशैली अपनाने तथा अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।

सिविल सर्जन ने तंबाकू सेवन से उत्पन्न विभिन्न रोगों एवं स्वास्थ्य जोखिमों की जानकारी देते हुए लोगों को इससे दूर रहने की सलाह दी। वहीं जिला कार्यक्रम प्रबंधक ने राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) के उद्देश्यों, गतिविधियों एवं तंबाकू नियंत्रण से संबंधित कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। बता दें की तंबाकू का सेवन स्वास्थ्य के लिए बेहद घातक है यह फेफड़ों के कैंसर, दिल के दौरे, स्ट्रोक, सीओपीडी और मुंह व गले के कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का प्रमुख कारण है तंबाकू में निकोटिन जैसे अत्यधिक व्यसनकारी पदार्थ होते हैं, जो शारीरिक और मानसिक रूप से गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं

बैठक में तंबाकू से होने वाले दुष्प्रभाव को लेकर विशेष चर्चा की गई।

खास तौर पर युवाओं और बच्चों को इसके दुष्प्रभाव से बचाने के लिए जिला प्रशासन स्वास्थ्य विभाग एवं शिक्षा विभाग द्वारा टोबैको फ्री एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन का शक्ति से पालन करने की दिशा में ठोस कदम उठाने को लेकर लिया गया। विदित हो की किसी भी शिक्षण संस्थान के 100 गज के दायरे में तंबाकू एवं तंबाकू संबंधित पदार्थ की बिक्री या इस्तेमाल करना पूरी तरह से प्रतिबंधित है।

कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों एवं संबंधित हितधारकों के साथ साथ जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण कुमार सिंह, जिला लेखा प्रबंधक तरापद कोइरी, जिला कार्यक्रम सहायक (एनसीडी), एनटीसीपी सोशल वर्कर, एएनएमटीसी की छात्राएं तथा अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने भाग लिया तथा तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों और इसके नियंत्रण के उपायों पर चर्चा की गई।कार्यक्रम के माध्यम से तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण और जनस्वास्थ्य संरक्षण के लिए व्यापक जनजागरूकता फैलाने का संदेश दिया गया।

रांची में अत्याधुनिक "ऑर्किड हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी" का भव्य उद्घाटन

(वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर)

रांची : रांची मे गैस्ट्रो एवं लिवर रोगों के उपचार हेतु समर्पित "ऑर्किड हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी" का उद्घाटन झारखंड विधानसभा अध्यक्ष माननीय रबीन्द्र नाथ महतो द्वारा किया गया। इस अवसर पर चिकित्सकगण, संस्थान प्रबंधन एवं अन्य अतिथि उपस्थित रहे।

संस्थान में झारखंड के प्रसिद्ध गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट डॉ. जयंत कुमार घोष, जो गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के होड़ हैं, तथा डॉ. अखिलेश यादव, कंसल्टेंट गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट, अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। उनके नेतृत्व में मरीजों को गैस्ट्रो एवं लिवर रोगों के लिए विशेषज्ञ परामर्श, उन्नत जांच एवं आधुनिक उपचार सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यहां पेट, लिवर एवं पाचन तंत्र से जुड़ी बीमारियों की जांच एवं उपचार के लिए इस (एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड), इआरसीपी, फना/एफएनबी, कोलोनोस्कोपी, पीडियाट्रिक एंडोस्कोपी, फाइब्रोस्कन, मनोमेट्री एवं स्पाइग्लास चोलांगियोस्कोपी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

इन सेवाओं के माध्यम से पेट दर्द, गैस, अल्सर, पीलिया, लिवर एवं पैंक्रियास संबंधी बीमारियों की जांच और उपचार एक ही स्थान पर किया जा सकेगा। उद्घाटन के दौरान रबीन्द्र नाथ महतो ने कहा कि राज्य में इस प्रकार की चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता मरीजों के लिए लाभकारी होगी तथा लोगों को बेहतर इलाज के लिए बाहर जाने की आवश्यकता कम होगी। संस्थान प्रबंधन ने बताया कि संस्थान का उद्देश्य मरीजों को विशेषज्ञ परामर्श, समय पर जांच एवं बेहतर उपचार सुविधा उपलब्ध कराना है। इस मौके पर सिद्धांत जैन, राज कुमार अग्रवाल, अनंत जैन, आकाश अधूकिया मौजूद थे.

युवा राष्ट्रीय जनता दल की बैठक संपन्न, जिला कमिटी का हुआ विस्तार

रफ्तार मीडिया

गिरिडीहः युवा राष्ट्रीय जनता दल की जिला स्तरीय बैठक आज सर्किट हाउस गिरिडीह में संपन्न हुई। बैठक में युवाओं को प्राथमिकता के साथ पार्टी से जोड़ने तथा संगठन को मजबूत बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए युवा राजद जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र यादव ने कहा कि गिरिडीह जिले के सभी प्रखंडों में अधिक से अधिक नौजवानों को राष्ट्रीय जनता दल से जोड़ा जाएगा तथा आमजन के हक और अधिकार की लड़ाई को और मजबूती प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी विचारधारा से जुड़े बुद्धिजीवियों को भी पार्टी से जोड़कर उनके मार्गदर्शन में संगठन को नई दिशा दी जाएगी।

बैठक में विशेष रूप से "युवा संवाद चौपाल यात्रा" को सफल बनाने को लेकर चर्चा हुई। सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने इस अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने और अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

बैठक के दौरान जिला कमिटी का विस्तार करते हुए रविंद्र कुमार को जिला उपाध्यक्ष, राजेश कुमार यादव को जिला कोषाध्यक्ष तथा जागेश्वर यादव को जिला सचिव मनोनीत किया गया। इस अवसर पर राजद के जिला अध्यक्ष इरफान अंसारी एवं जिला महासचिव रामेश्वर यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने संगठन को मजबूत करने, युवाओं को नेतृत्व में आगे लाने तथा जनसरोकार के मुद्दों पर संघर्ष तेज करने का आह्वान किया। बैठक में उपस्थित नेताओं एवं कार्यकताओं ने संगठन विस्तार, युवाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने तथा जनहित के मुद्दों पर संघर्ष को और तेज करने का संकल्प लिया।

तंबाकू का सेवन नहीं करने के ली शपथ

समामा औसाल, धनबाद

राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत प्रत्येक वर्ष 31 मई को "विश्व तम्बाकु निषेध दिवस" मनाया जाता है। तम्बाकू के दुष्परिणामों से आम जनमानस को जागरुक करने तथा कोटपा 2003 के विभिन्न प्रावधानों एवं दी प्रोहिबिशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक सिगरेटस एक्ट 2019 के प्रभावकारी अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आज शपथ ग्रहण समारोह, सिगनेचर कैम्पेन एवं रैली का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा ने सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार में की। तत्पश्चात कार्यालय के पदाधिकारीयों, कर्मचारीयों एवं एएनएमटीसी की छात्राओं को तम्बाकू सेवन नहीं करने से संबंधित शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम में सिविल सर्जन ने तम्बाकू से होने वाले दुष्प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी तथा कार्यालय परिसर में सभी कर्मियों को तम्बाकू सेवन नहीं करने को कहा गया। तत्पश्चात सिविल सर्जन द्वारा हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ को रवाना किया गया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष "तंबाकू और निकोटीन की लत से लड़ने की अपील को सामने लाएं" थीम पर जागरुकता अभियान चलाया जाएगा।

कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, जिला यक्षमा पदाधिकारी डॉ रेखा कुमारी, डीआरसीएचओ डॉ रोहित गौतम, डीपीएम प्रतिमा कुमारी, जिला सलाहकार राहुल कुमार, जिला तम्बाकू नियंत्रण कोषांग के उमा शंकर मंडल, शुभांकर मैत्रा एवं सिविल सर्जन कार्यालय के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उदय सिंह हत्याकांड को लेकर उबाल: सड़क जाम, प्रशासन की पहल से हालात काबू

रफ्तार मीडिया संवाददाता छोटू कुमार छतरपुर (पलामू): थाना क्षेत्र के चिल्हो खुर्द निवासी ग्रामीण चिकित्सक उदय सिंह की निर्मम हत्या के विरोध में शनिवार को लोगों का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। आक्रोशित ग्रामीणों और स्थानीय लोगों ने छतरपुर थाना का घेराव करते हुए मुख्य मार्ग को जाम कर दिया, जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया 3 घंटे तक सड़क रहा जाम।

टीवी कैंपेन के तहत मंडल कारा में बंदियों के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच का आयोजन

रफ्तार मीडिया संवाददाता मिलन भगत/गोड्डा

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित 100 डेज टीबी कैंपेन के तहत आज जिला मुख्यालय स्थित मंडल कारा, गोड्डा में बंदियों के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बंदियों के बीच क्षय रोग की समय पर पहचान कर उन्हें जागरूक करना है। इस अवसर पर बंदियों की हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीन के माध्यम से टीबी स्क्रीनिंग की गई। साथ ही उन्हें टीबी के लक्षण, बचाव, जांच एवं उपचार संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई तथा नियमित स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रेरित किया गया।कार्यक्रम का संचालन डॉ. कृष्ण मोहन, मेडिकल ऑफिसर, सदर अस्पताल, गोड्डा के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान बंदियों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, नेत्र जांच

एचआईवी जांच, हेपेटाइटिस जांच तथा कुष्ठ रोग स्क्रीनिंग की गई।शिविर में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन से जुड़े स्वास्थ्यकर्मियों एवं हेल्थ सर्विस प्रोवाइडर्स ने सक्रिय भागीदारी निभाई। टीम द्वारा बंदियों को विभिन्न संक्रामक एवं गैर-संक्रामक रोगों के प्रति जागरूक करते हुए आवश्यक परामर्श एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कहा कि टीबी सहित अन्य गंभीर बीमारियों की शीघ्र पहचान एवं समय पर उपचार से रोग पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। इसी उद्देश्य से विशेष अभियान चलाकर समाज के विभिन्न वर्गों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा रही है।

पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण जनसुनवाई के विरोध में 1 जून को अंचल कार्यालय घेराव की चेतावनी

रफ्तार मीडिया बालूमाथ

बालूमाथ बालूमाथ। आजसू प्रखंड अध्यक्ष शंकर उरांव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि प्रस्तावित पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण जनसुनवाई का स्थानीय ग्रामीण लगातार विरोध करते आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि जनसुनवाई को रद्द करने की मांग को लेकर पूर्व में उपायुक्त लातेहार को आवेदन भी सौंपा गया था, लेकिन अब तक इस संबंध में कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई है।शंकर उरांव ने कहा कि जनसुनवाई रद्द नहीं किए जाने के विरोध में 25 मई 2026 को ग्रामीणों ने हराफू मोड़ के समीप एनएच-22 को पूरी तरह जाम कर अपना विरोध दर्ज कराया था। इसके बाद बालूमाथ अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी को उपायुक्त के नाम

ज्ञापन सौंपकर जनसुनवाई को अविलंब रद्द करने की मांग की गई थी। हालांकि अब तक प्रशासन की ओर से जनसुनवाई रद्द किए जाने को लेकर कोई सूचना ग्रामीणों को प्राप्त नहीं हुई है।उन्होंने कहा कि इसी के विरोध में 1 जून 2026 को बालूमाथ अंचल कार्यालय में गेरेंजा, भैंसादोन, पिंडरकॉम, मारंगलोईया एवं विशनपुर सहित आसपास के गांवों के हजारों ग्रामीण एकत्र होकर जनसुनवाई रद्द करने की मांग को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन करेंगे।शंकर उरांव ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जनसुनवाई के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति या नोकझोंक उत्पन्न होती है, तो इसकी जिम्मेदारी स्थानीय प्रशासन और पुलिस की होगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनी और प्रशासन विकास के नाम पर क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि विकास का अर्थ जल, जंगल, जमीन, नदी, पहाड़ और पर्यावरण को नष्ट करना नहीं है, बल्कि इन प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित रखते हुए क्षेत्र का विकास करना ही वास्तविक और टिकाऊ विकास मॉडल है। ग्रामीण अपने अधिकारों और पर्यावरण संरक्षण के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखेंगे।

माननीय वित्त मंत्री ने की राजस्व संग्रह की समीक्षा

समामा औसाल, धनबाद

राधाकृष्ण किशोर, मंत्री, वित्त, वाणिज्य-कर, योजना एवं विकास तथा संसदीय कार्य विभाग, झारखंड सरकार ने आज वाणिज्य कर भवन के सभा कक्ष में वाणिज्य कर विभाग के धनबाद प्रमंडल अंतर्गत कार्यालयों तथा जिला योजना पदाधिकारी धनबाद व बोकारो के कार्यों की समीक्षा की।

इस क्रम में उन्होंने विभागवार लक्ष्य के विरुद्ध प्राप्त राजस्व, लंबित व निष्पादित मामले सहित अन्य बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की।

समीक्षा पूरी करने के बाद माननीय मंत्री ने कहा कि सभी विभाग लक्ष्य के अनुरूप शत प्रतिशत राजस्व संग्रह करें। उन्होंने कहा कि विभाग को वाहन, कंप्यूटर सहित जो भी संसाधन की आवश्यकता होगी उसे अविलंब उपलब्ध कराया जाएगा।

पदाधिकारियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि हर अधिकारी विभाग का एक महत्वपूर्ण अंग है। वे अपनी मेहनत से और अधिक राजस्व संग्रह कर सकते हैं। मंत्री ने कहा कि सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जिले के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए।

समीक्षा बैठक से पूर्व मंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया गया।

समीक्षा बैठक मे मंत्री राधाकृष्ण किशोर, अपर आयुक्त, मुख्यालय रांची दिलीप कुमार मंडल, अपर आयुक्त धनबाद प्रमंडल जीव नारायण मंडल, अपर आयुक्त (अपील) धनबाद प्रमंडल कंचन वरवा, राज्य कर सहायक आयुक्त (नागरीय अंचल) धनबाद ध्रुव नारायण राय, प्रभारी जिला योजना पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

बिरनी में दर्दनाक सड़क हादसा: अज्ञात बोलेरो की टक्कर से महिला की मौत, चालक फरार

बिरनी/गिरिडीहः

बिरनी प्रखंड के चिंतनखारी गांव के समीप शुक्रवार देर शाम हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में 28 वर्षीय महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान जमुनियाटांड़ निवासी जीबलाल साव की पत्नी रानी देवी के रूप में हुई है।

परिजनों के अनुसार रानी देवी अपने पति के साथ बिराजपुर से चिकित्सक को दिखाकर मोटरसाइकिल से घर लौट रही थीं। इसी दौरान चिंतनखारी जंगल के पास उनकी बाइक का पेट्रोल समाप्त हो गया। इसके बाद दंपती पैदल चलने लगे, जबकि उनके साथ मौजूद एक युवक बाइक को धक्का देकर आगे बढ़ा रहा था।

बताया जाता है कि कुछ दूरी तय करने के बाद विपरीत दिशा से

तेज रफ्तार में आ रही एक अज्ञात बोलेरो ने रानी देवी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के समय उनके पति जीबलाल साव खुद को बचाने के प्रयास में सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरे, जबकि रानी देवी सड़क पर गिर गईं। परिजनों का आरोप है कि टक्कर मारने के बाद बोलेरो चालक वाहन लेकर फरार हो गया। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों और परिजनों ने वाहन की तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। सूचना मिलने पर भरकट्टा ओपी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की।

शनिवार को शव को पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया गया। मृतका अपने पीछे तीन छोटे बच्चों को छोड़ गई हैं। हादसे के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

इस संबंध में भरकट्टा ओपी प्रभारी ओमप्रकाश पांडेय ने बताया कि पीड़ित परिवार की ओर से अभी तक कोई लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अज्ञात बोलेरो वाहन की पहचान के लिए आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं तथा पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

प्रेस क्लब भवन की मांग हुई तेज, पत्रकारों ने सांसद व विधायकों को सौंपा ज्ञापन

रफ्तार मीडिया लातेहार

लातेहार लातेहार। जिले में पत्रकारों के लिए स्थायी प्रेस क्लब भवन की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। इसी क्रम में शनिवार को लातेहार प्रेस क्लब के प्रतिनिधिमंडल ने सांसद कालीचरण सिंह तथा विधायक प्रकाश राम और रामचंद्र सिंह से मुलाकात कर प्रेस क्लब के लिए भवन उपलब्ध कराने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।प्रतिनिधिमंडल ने जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया कि जिले के पत्रकारों के लिए लंबे समय से एक सुसज्जित एवं स्थायी प्रेस क्लब भवन की आवश्यकता महसूस की जा रही है। वर्तमान में पत्रकारों को विभिन्न बैठकों, संवाद कार्यक्रमों, प्रशिक्षण शिविरों एवं सामाजिक गतिविधियों के आयोजन में कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।पत्रकारों ने कहा कि प्रेस क्लब भवन का निर्माण होने से पत्रकारों को अपनी गतिविधियों के संचालन के लिए एक स्थायी मंच मिलेगा। साथ ही इससे पत्रकारों के बीच समन्वय, संवाद और संगठनात्मक कार्यों को भी मजबूती मिलेगी। प्रतिनिधिमंडल ने जनप्रतिनिधियों से इस दिशा में शीघ्र पहल करने की मांग की।मांग पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए सांसद और दोनों विधायकों ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि पत्रकारों के हितों को ध्यान में रखते हुए प्रेस क्लब भवन उपलब्ध कराने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं और उनकी सुविधाओं के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

इस अवसर पर प्रेस क्लब अध्यक्ष विकास तिवारी, महासचिव राजीव मिश्रा, संजीव गिरी, मनीष सिन्हा, आशीष वैद्य, रूपेश कुमार, राहुल पांडेय, राम कुमार मिस्त्री, निहित कुमार, संतोष कुमार गुप्ता, वीरेंद्र प्रसाद सहित अन्य पत्रकार उपस्थित थे।

पीएम पोषण योजना अंतर्गत जिला स्तरीय स्टीयरिंग-सह-मॉनिटरिंग समिति की बैठक संपन्न

रफ्तार मीडिया संवाददाता मिलन भगत/गोड्डा

शनिवार को समाहरणालय स्थित सभागार में जिला दंडाधिकारी सह-उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (पीएम पोषण) योजना अंतर्गत जिला स्तरीय स्टीयरिंग-सह-मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने तथा विद्यालयों में शत-प्रतिशत आच्छादन सुनिश्चित करने से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक के दौरान वित्तीय वर्ष 2026-27 में तिथि भोजन (विशेष भोजन) के आयोजन के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। बैठक में योजना के सतत अनुश्रवण

हेतु शत-प्रतिशत प्रखंड स्तरीय स्टीयरिंग-सह-मॉनिटरिंग समिति की नियमित बैठक आयोजित करने पर बल दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नियमित समीक्षा एवं मॉनिटरिंग अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए सभी प्रखंडों में समयबद्ध रूप से बैठकें आयोजित की जाएं तथा उनकी कार्यवाही की रिपोर्ट जिला स्तर पर उपलब्ध कराई जाए। बैठक में विभाग द्वारा संचालित शिक्षा सारथी कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालयों में विद्यार्थियों के आच्छादन में वृद्धि एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने हेतु आगामी कार्ययोजना की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने विद्यालयों में नियमित उपस्थिति बढ़ाने एवं ड्रॉपआउट विद्यार्थियों को पुनः विद्यालय से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास करने का निर्देश दिया। पीएम पोषण (मध्याह्न भोजन) योजना अंतर्गत कार्यरत रसोइया-सह-सहायिकाओं को आयुष्मान भारत-मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से आच्छादित किए जाने के संबंध में भी विचार-विमर्श किया गया। उपायुक्त ने पात्र सभी रसोइया-सह-सहायिकाओं को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।बैठक में विद्यालयों में नामांकित शत-प्रतिशत विद्यार्थियों के विरुद्ध वास्तविक आच्छादन में वृद्धि सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि किसी भी पात्र विद्यार्थी को योजना के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए विद्यालय स्तर पर नियमित निगरानी एवं सत्यापन सुनिश्चित किया जाए।

दहेज मुक्त झारखंड का संगठन विस्तार, अशफाक आलम बने गुमला जिला अध्यक्ष

रफ्तार मीडिया लातेहार

लातेहार लातेहार। सामाजिक कुरीति दहेज प्रथा के खिलाफ जनजागरण अभियान चला रहे दहेज मुक्त झारखंड संगठन ने अपने संगठनात्मक विस्तार के तहत कई महत्वपूर्ण नियुक्तियों की घोषणा की है। संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सिंधु मिश्रा ने गुमला जिले के समाजसेवी मोहम्मद अशफाक आलम को गुमला जिला अध्यक्ष, महुआडांड़ की रफत जहां को प्रखंड अध्यक्ष तथा गारू के रामदयाल यादव को प्रखंड अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी है।नियुक्ति की घोषणा के बाद संगठन के कार्यकताओं एवं सामाजिक लोगों में उत्साह का माहौल है। नवमनोनीत पदाधिकारियों ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए दहेज प्रथा के खिलाफ गांव-गांव तक जागरूकता अभियान चलाने का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष सिंधु मिश्रा ने कहा कि दहेज प्रथा समाज के लिए अभिशाप बन चुकी है। इसे समाप्त करने के लिए संगठन लगातार जनजागरण अभियान चला रहा है। उन्होंने कहा कि अशफाक आलम, रफत जहां और रामदयाल यादव जैसे सक्रिय एवं समाजसेवी लोगों को जिम्मेदारी दिए जाने से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी तथा दहेज मुक्त समाज के निर्माण की दिशा में अभियान और प्रभावी होगा।नवनियुक्त गुमला जिला अध्यक्ष मोहम्मद अशफाक आलम ने कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि जिले के सभी प्रखंडों में संगठन को मजबूत बनाते हुए युवाओं, अभिभावकों और समाज के प्रबुद्ध लोगों

को दहेज प्रथा के खिलाफ जागरूक किया जाएगा।महुआडांड़ प्रखंड अध्यक्ष रफत जहां ने कहा कि दहेज जैसी कुरीति महिलाओं के सम्मान और अधिकारों पर सीधा प्रहार करती है। वह महिलाओं और युवतियों को जागरूक करने के साथ समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए लगातार कार्य करेंगी।वहीं गारू प्रखंड अध्यक्ष रामदयाल यादव ने कहा कि दहेज प्रथा के कारण कई परिवार आर्थिक एवं सामाजिक परेशानियों का सामना करते हैं। संगठन के माध्यम से लोगों को दहेज मुक्त विवाह के लिए प्रेरित किया जाएगा तथा व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।प्रदेश अल्पसंख्यक उपाध्यक्ष बबलू खान ने सभी नवमनोनीत पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि संगठन समाज से दहेज जैसी बुराई को समाप्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने विश्वास जताया कि नई टीम संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।लातेहार जिला अध्यक्ष अधिवक्ता अस्मिता एक्का ने भी नवमनोनीत पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन लगातार सामाजिक सुधार की दिशा में कार्य कर रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में दहेज उन्मूलन अभियान को नई गति देंगे और समाज को सकारात्मक संदेश देंगे।संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि आने वाले दिनों में दहेज मुक्त झारखंड द्वारा विभिन्न जिलों एवं प्रखंडों में जागरूकता कार्यक्रम, संगोष्ठियां तथा दहेज मुक्त विवाह को बढ़ावा देने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएंगे

फेडरेशन झारखंड चैंबर की कार्यकारिणी बैठक में संथाल परगना का प्रतिनिधित्व, जिला अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने रखे सुझाव

प्रोफेशनल टैक्स को लेकर चैंबर की बैठक में उठी व्यापारियों की आवाज

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा : फेडरेशन झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के रांची स्थित चैंबर भवन में शनिवार को 9वीं कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य के विभिन्न जिलों के चैंबर प्रतिनिधियों ने भाग लिया और व्यापार एवं उद्योग से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में संथाल परगना प्रमंडल का प्रतिनिधित्व करते हुए व्यापारियों से जुड़े विभिन्न विषयों को प्रमुखता से उठाया गया। विशेष रूप से झारखंड प्रोफेशनल टैक्स से संबंधित समस्याओं, व्यावहारिक कठिनाइयों और सुधार संबंधी सुझावों पर विस्तार से चर्चा हुई।यह बैठक राज्य के सभी जिला चैंबरों एवं वाणिज्य कर विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई थी। इस अवसर पर जामताड़ा चैंबर ऑफ कॉमर्स के जिला अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि प्रोफेशनल टैक्स से जुड़े कई ऐसे प्रावधान हैं, जिनके कारण छोटे एवं मध्यम व्यापारियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि

व्यापारियों की समस्याओं को सरकार और संबंधित विभागों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना चैंबर की प्राथमिकता है। संजय अग्रवाल ने बताया कि बैठक में संथाल परगना प्रमंडल की ओर से व्यापारियों के हित में कई महत्वपूर्ण सुझाव रखे गए हैं।

उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार एवं वाणिज्य कर विभाग इन सुझावों पर सकारात्मक विचार करेगा, जिससे व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और कर प्रणाली अधिक सरल एवं पारदर्शी बन सकेगी। उन्होंने कहा कि फेडरेशन झारखंड चैंबर लगातार व्यापारियों की समस्याओं के समाधान और राज्य में बेहतर व्यापारिक वातावरण बनाने के लिए प्रयासरत है। बैठक में राज्य के विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं और सुझावों को साझा किया। चैंबर प्रतिनिधियों ने विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह की बैठकों से व्यापारियों और सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा तथा व्यापार एवं उद्योग क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

बाराबनी में अन्नपूर्णा योजना का आगाज: 3000 रुपये के लिए फॉर्म भरना शुरू, विधायक बोले- वादा निभाया, अब सीधे खाते में आएगा पैसा

रफ्तार मीडिया संवाददाता सालानपुर

बाराबनी विधानसभा क्षेत्र के बाराबनी ब्लॉक में अन्नपूर्णा योजना का फॉर्म भरने का काम तेज कर दिया गया है। सोमवार को जामग्राम पंचायत की आदिवासी बस्ती जामजुरी गांव में विशेष शिविर लगाकर योजना के फॉर्म बांटे गए। शिविर में बाराबनी विधायक अरिजीत रॉय, बाराबनी बीडीओ शिलादित्य भट्टाचार्य, थाना प्रभारी दिव्येंदु मुखर्जी समेत कई ब्लॉक अधिकारी मौजूद रहे। यहीं से सीधे लाभार्थियों को अन्नपूर्णा भंडार का फॉर्म दिया गया। इसके अलावा ब्लॉक कार्यालय और पंचायत कार्यालय से भी फॉर्म वितरण का काम जारी है। आने वाले दिनों में हर गांव में ऐसे शिविर लगाए जाएंगे। विधायक अरिजीत रॉय ने कहा कि मुख्यमंत्री और संबंधित विभाग के मंत्री की घोषणा के बाद पूरे जिले में अन्नपूर्णा योजना का फॉर्म भरने का काम शुरू हो गया है। इस प्रोजेक्ट का मुख्य मकसद है कि इलाके का कोई भी गरीब व्यक्ति सरकारी फायदे से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री ने इसके लिए 90 दिन की समय सीमा तय की है, ताकि हर व्यक्ति को फॉर्म लेने और जमा करने का पूरा मौका मिले। विधायक ने याद दिलाया कि पहले लक्ष्मी भंडार से 1500 रुपये मिलते थे। चुनाव से पहले हमने वादा किया था कि जीतने पर अन्नपूर्णा योजना से 3000 रुपये देंगे। यह वादा एक महीने के अंदर पूरा कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मैं कोशिश कर रहा हूं कि पैसा सीधे आपके खाते में जाए, किसी घोस्ट अकाउंट में नहीं। इसीलिए नया फॉर्म भरवाया जा रहा है। विधायक ने लोगों से अपील की कि सभी सही जानकारी के साथ फॉर्म भरें और सरकारी फायदों का लाभ उठाएं। ब्लॉक कार्यालय में भी आम लोगों को योजना का फायदा मिलेगा।

गांधी मैदान में राज्य स्तरीय जूनियर बालिका खो-खो प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, 300 प्रतिभागी ले रहीं भाग

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा : 20वीं राज्य स्तरीय जूनियर बालिका खो-खो प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन जामताड़ा के गांधी मैदान में 29 से 31 मई तक किया जा रहा है। प्रतियोगिता के दूसरे दिन शनिवार को मुख्य अतिथि जिला खेल पदाधिकारी तूफान पोद्दार पहुंचे। इस अवसर पर जामताड़ा जिला खो-खो संघ के अध्यक्ष डॉ. डी. डी. भंडारी ने उन्हें शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। अपने संबोधन में तूफान पोद्दार ने कहा कि जामताड़ा जैसे जिले में राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन होना गौरव की बात है। इससे स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतर अवसर मिलता है तथा खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलता है। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता में झारखंड के 16 जिलों की बालिका टीमें हिस्सा ले रही हैं। खिलाड़ियों, अधिकारियों और पदाधिकारियों सहित लगभग 300 लोग इस राज्य स्तरीय आयोजन में शामिल हुए हैं। प्रतियोगिता का आयोजन भारतीय खो-खो संघ के निदेशानुसार तथा पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार और जिला प्रशासन जामताड़ा के सहयोग से किया जा रहा है। प्रतियोगिता के दूसरे दिन कई रोमांचक मुकाबले खेले गए। गिरिडीह ने जामताड़ा को 7 अंकों से पराजित किया। रामगढ़ ने चतरा को 19 अंकों से हराकर जीत दर्ज की। ऑल स्पोर्ट्स एकेडमी ने पलामू को 9 अंकों से पराजित किया। वहीं डे बोर्डिंग रांची ने धनबाद को 15 अंकों से शिकस्त दी। चतरा ने हजारीबाग को 12 अंकों से हराया, जबकि पाकुड़ और सिमडेगा के बीच मुकाबला भी आकर्षण का केंद्र रहा।प्रतियोगिता को सफल बनाने में जिला खो-खो संघ के मुख्य संरक्षक अजय चंद्र सिंह, संरक्षक श्यामल मंडल, वरीय उपाध्यक्ष डॉ. चंचल भंडारी, उपाध्यक्ष कमलेश मंडल, भूपेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष गौरव जोशी, सह कोषाध्यक्ष आकाश साव, संजय पशुरामका, दीपक रजक सहित संघ के कई पदाधिकारी और सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

खेल और पर्यटन के विकास को मिलेगी नई रफ्तार:

तोपचांची-गोविंदपुर स्टेडियम निर्माण में तेजी लाने का निर्देश, मैथन के लिए बनेगी टूरिज्म अथॉरिटी

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद: जिले की खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच देने और प्रमुख पर्यटन स्थलों को नई पहचान दिलाने के लिए जिला प्रशासन ने कवायद तेज कर दी है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में गोविंदपुर प्रखंड कार्यालय में जिला खेल एवं पर्यटन विभाग की एक संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिले के भीतर खेल व पर्यटन अवसंरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर) के विकास, नए प्रशिक्षण केंद्रों के संचालन तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई।

इन प्रखंडों में स्टेडियम निर्माण और जीर्णोद्धार में तेजी लाने का निर्देश

बैठक के दौरान उपायुक्त ने निरसा, बाघमारा और मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के कायाकल्प के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार करने का सख्त निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने टुंडी, पूर्वी टुंडी, बलियापुर, कलियासोल एवं एगारकुंड में प्रस्तावित नए स्टेडियमों से संबंधित आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई को जल्द पूरा करने तथा तोपचांची और

गोविंदपुर स्टेडियम के निर्माण कार्य में तेजी लाने को कहा।उपायुक्त ने कला भवन (धनबाद) स्थित बैडमिंटन हॉल एवं सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फुटबॉल के जीर्णोद्धार कार्य को जल्द से जल्द पूरा कर वहां निम्नलिखित केंद्र शुरू करने का आदेश दिया:तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र खेलो इंडिया सेंटर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र

स्टेडियमों की ऑनलाइन बुकिंग के लिए बनेगी वेबसाइट, रिक्त पद भरे जाएंगेजिले में खेल सुविधाओं को आधुनिक बनाने और नए प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना को लेकर कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए:

नए सेंटर: मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एथलेटिक्स, बॉक्सिंग एवं गतका प्रशिक्षण केंद्र, तोपचांची में फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र, गोविंदपुर में डे-बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्र तथा पार्क मार्केट मैदान में वॉलीबॉल डे-ट्रेनिंग सेंटर शुरू करने की योजना बनाई गई है।

पे-एंड-प्ले योजना: आम खेल प्रेमियों के लिए मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में पे-एंड-प्ले योजना लागू की जाएगी।

डिजिटल बुकिंग: स्टेडियमों की ऑनलाइन बुकिंग और सदस्यता प्रबंधन के लिए एक विशेष वेबसाइट विकसित की जाएगी।नियुक्ति:खेल विभाग में खाली पड़े पदों पर जल्द ही बहाली प्रक्रिया शुरू की जाएगी।मैथन डैम के विकास के लिए बनेगी विशेष टूरिज्म अथॉरिटी पर्यटन विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने जिले के सभी अधिसूचित पर्यटन स्थलों का सूक्ष्म मूल्यांकन करने का निर्देश दिया ताकि उपलब्ध निधियों के माध्यम से वहां मूलभूत सुविधाएं विकसित की जा सकें। उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण निर्देश देते हुए कहा कि मैथन डैम के समग्र और अंतरराष्ट्रीय स्तर के विकास के लिए मैथन टूरिज्म डेवलपमेंट अथॉरिटी' के गठन का एक औपचारिक प्रस्ताव राज्य सरकार के संबंधित विभाग को भेजा जाए।

इसके अतिरिक्त, झारखंड टूरिस्ट ट्रेड पंजीकरण पोर्टल पर पर्यटन इकाइयों के निबंधन की प्रगति जांची गई। उपायुक्त ने अखाड़ा निर्माण से संबंधित प्रस्तावों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा जिले में सांस्कृतिक भवनों के निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि चिह्नित करने की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से लक्ष्यों को पूरा करने की हिदायत दी।

बैठक में उपस्थित अधिकारी:इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन उप विकास आयुक्त सन्नी राज,निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहरा, प्रखंड विकास पदाधिकारी जाहिर आलम और अंचल अधिकारी धर्मेंद्र दुबे* सहित खेल व पर्यटन विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

गोविंदपुर प्रखंड व अंचल कार्यालय में डीसी का औचक निरीक्षण: दो पंचायत सचिव सस्पेंड, अंचल के सभी सहायकों व राजस्व कर्मियों का वेतन रोका

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन धनबाद:

उपायुक्त आदित्य रंजन के नेतृत्व में जिला प्रशासन की उच्च स्तरीय टीम विकास एवं राजस्व संबंधी कार्यों की जमीनी हकीकत जांचने शनिवार को गोविंदपुर प्रखंड मुख्यालय पहुंची। औचक निरीक्षण और समीक्षा बैठक के दौरान कार्यों में घोर लापरवाही, उदासीनता और अनुशासनहीनता पाए जाने पर उपायुक्त ने कड़ा रुख अपनाते हुए दो पंचायत सचिवों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। इसके साथ ही अंचल कार्यालय के सभी सहायकों और राजस्व उप निरीक्षकों (कर्मचारियों) का वेतन अगले आदेश तक स्थगित कर दिया है।गंदगी, अनुपस्थिति और झूठ बोलने पर निलंबन

विजय कुमार (पंचायत सचिव, जमडीहा): जमडीहा पंचायत भवन में अत्यधिक गंदगी पाए जाने और डीसी की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक से बिना किसी सूचना के अनुपस्थित रहने के कारण इन्हें निलंबित किया गया।

रिक्की तिवारी (पंचायत सचिव, उदयपुर): समीक्षा बैठक से गायब रहने पर जब इनसे फोन पर जवाब मांगा गया, तो इन्होंने झूठ कहा कि वह टीम के साथ क्षेत्र में हैं। जबकि जांच टीम पहले ही प्रखंड मुख्यालय पहुंचकर बैठक कर रही थी। इस झूठ और लापरवाही के कारण इन्हें सस्पेंड किया गया।

दाखिल-खारिज और जाति-आवासीय आवेदन रिजेक्ट करने पर कड़ी आपत्ति अंचल कार्यालय की जांच के दौरान उपायुक्त ने म्यूटेशन (दाखिल-खारिज) के लंबित मामलों की गहन पड़ताल की। वहां आगत-निर्गत पंजी सहित कई अन्य महत्वपूर्ण रजिस्टर अधूरे पाए गए। डीसी ने जाति, आवासीय और आय प्रमाण पत्र के अधिकांश मामलों को रिजेक्ट करने तथा दाखिल-खारिज के आवेदनों को अनावश्यक रूप से ऑब्जेक्ट (आपत्ति) व रिजेक्ट करने पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने दोटूक कहा:

जितने भी आवेदन अब तक रिजेक्ट किए गए हैं, उनमें से एक-एक आवेदन की जिला स्तर से दोबारा जांच की जाएगी और संबंधित कर्मियों को इसका लिखित जवाब देना होगा। अंचल अधिकारी सरकारी जमीनों की रक्षा करें और जन आवेदनों का शीघ्र निष्पादन करें।

कागजों पर चल रहे थे आंगनबाड़ी केंद्र, रुकेगी मजदूरी पर भड़के

इससे पूर्व जिला प्रशासन की छह अलग-अलग टीमों ने प्रखंड की छह पंचायतों में जाकर अबुआ आवास, प्रधानमंत्री आवास, मनरेगा, 15वें वित्त की योजनाओं और पीडीएस (राशन) दुकानों का जायजा लिया। जांच में पाया गया कि दो आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की उपस्थिति धरातल पर कम और केवल कागजों पर अधिक थी, जिनपर कार्रवाई की तैयारी है। वहीं आवास योजनाओं और मनरेगा में मजदूरी भुगतान लंबित रहने पर डीसी ने नाराजगी जताते हुए बीडीओ को निर्देश दिया कि वे सभी पंचायत सचिवों से स्पष्टीकरण मांगें।दो महीने में पूरे जिले के प्रखंड-अंचल नपेंगे, शुरूआत गोविंदपुर से

उपायुक्त आदित्य रंजन ने स्पष्ट किया कि धरातल पर क्या काम हो रहा है, इसे देखने की शुरूआत गोविंदपुर से की गई है। आगामी 8 जून को धनबाद प्रखंड और अंचल का निरीक्षण होगा। अगले दो महीनों के भीतर जिले के सभी प्रखंड और अंचल कार्यालयों की ऐसी ही औचक जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का असली चेहरा गांवों में दिखता है, इसलिए महत्वाकांक्षी योजनाओं को पूरी ईमानदारी से जमीन पर उतारें। दफ्तरों में आने वाले फरियादियों को पूरा सम्मान मिलना चाहिए।

पीके राय कॉलेज की दूसरी इकाई और तालाबों के संरक्षण पर फैसला**

उपायुक्त ने बताया कि पीके राय मेमोरियल कॉलेज की दूसरी इकाई गोविंदपुर में आ रही है, जिसके लिए जमीन की व्यवस्था का जायजा लिया गया। इसके अलावा उन्होंने सख्त निर्देश दिया कि गोविंदपुर के बीरू मियां तालाब और बलियापुर रोड स्थित तालाब समेत किसी भी सरकारी या रैयती तालाब को भरने नहीं दिया जाएगा। हाई कोर्ट के आदेशानुसार तालाब भरने पर रोक लगा दी गई है और जिले में 500 तालाबों का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। शौचालय निर्माण में रही कमियों को भी पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के माध्यम से जल्द पूरा कराया जाएगा।

जांच टीम में ये अधिकारी रहे शामिल:इस उच्च स्तरीय जांच अभियान में उपायुक्त के साथ उप विकास आयुक्त सन्नी राज, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, डीआरडीए निदेशक राजीव रंजन, प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) जहीर आलम और अंचलाधिकारी (सीओ) धर्मेंद्र कुमार दुबे मुख्य रूप से शामिल थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में खेल प्रशिक्षण सुविधाओं के विस्तार और पर्यटन विकास की योजनाओं की हुई समीक्षा

खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच और पर्यटन स्थलों को नई पहचान देने की तैयारी

समामा औसाल, धनबाद

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में आज प्रखंड कार्यालय गोविंदपुर में जिला खेल एवं पर्यटन विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में खेल एवं पर्यटन अवसंरचना के विकास, प्रशिक्षण केंद्रों के संचालन तथा विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक के दौरान उपायुक्त ने निरसा, बाघमारा एवं मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही टुंडी, पूर्वी टुंडी, बलियापुर, कलियासोल एवं एगारकुंड में प्रस्तावित स्टेडियमों से संबंधित आवश्यक कार्रवाई शीघ्र पूर्ण करने तथा तोपचांची एवं गोविंदपुर स्टेडियम निर्माण कार्य में तेजी लाने को कहा।

उन्होंने कला भवन, धनबाद स्थित बैडमिंटन हॉल एवं सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फुटबॉल के जीर्णोद्धार कार्य को शीघ्र पूरा कर तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र, खेलो इंडिया सेंटर तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र का संचालन प्रारंभ करने का निर्देश दिया।बैठक में जिले में नए खेल प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। इसके तहत मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एथलेटिक्स, बॉक्सिंग एवं गतका प्रशिक्षण केंद्र, तोपचांची में

फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र, गोविंदपुर में डे-बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्र तथा पार्क मार्केट मैदान में वॉलीबॉल डे-ट्रेनिंग सेंटर शुरू करने की योजना प्रस्तुत की गई। उपायुक्त ने इन प्रस्तावों पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए प्रशिक्षण गतिविधियों को शीघ्र प्रारंभ करने का निर्देश दिया। इसके अलावा खेल विभाग में रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति, मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में पे-एंड-प्ले योजना लागू करने तथा स्टेडियमों की ऑनलाइन बुकिंग एवं सदस्यता प्रबंधन के लिए वेबसाइट विकसित करने के निर्देश भी दिए गए।पर्यटन विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने जिले के सभी अधिसूचित पर्यटन स्थलों का सूक्ष्म मूल्यांकन कर उपलब्ध संसाधनों एवं निधियों के माध्यम से मूलभूत तथा विकासात्मक सुविधाओं का विस्तार करने का निर्देश दिया। उन्होंने मैथन डैम के समग्र विकास के लिए मैथन टूरिज्म डेवलपमेंट अथॉरिटी के गठन का प्रस्ताव विभाग को भेजने तथा प्राथमिकता के आधार पर पर्यटन स्थलों पर आवश्यक आधारभूत सुविधाएं विकसित करने को कहा।

बैठक में झारखंड टूरिस्ट ट्रेड पंजीकरण पोर्टल पर पर्यटन इकाइयों के पंजीकरण की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही अखाड़ा निर्माण से संबंधित प्रस्तावों की नियमित विभागीय अनुश्रवण तथा जिले में सांस्कृतिक भवन निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि चिह्नित करने की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया गया।बैठक के अंत में उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों एवं पदाधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित करने तथा योजनाओं की नियमित समीक्षा एवं अनुश्रवण करने का निर्देश दिया, ताकि जिले में खेल एवं पर्यटन क्षेत्र के विकास को नई गति मिल सके।मौके पर उपायुक्त आदित्य रंजन, उप विकास आयुक्त सन्नी राज, निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहरा, प्रखंड विकास पदाधिकारी जाहिर आलम, अंचल अधिकारी , धर्मेंद्र दुबे समेत अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।

एचपीसीएल पाइपलाइन कनेक्शन को लेकर मिहिजाम में बवाल, पुलिस की मध्यस्थता से सुलझा विवाद

रफ्तार मीडिया संवाददाता मिहिजाम

मिहिजाम नगर परिषद क्षेत्र के कुर्मी पाड़ा स्थित पाइपलाइन हनुमान मंदिर इलाके में शनिवार को एचपीसीएल की घरेलू गैस पाइपलाइन परियोजना के दौरान स्थानीय लोगों और ठेकेदार के बीच विवाद हो गया। पाइप बिछाने का काम कर रहे कर्मचारियों को ग्रामीणों ने रोक दिया और अधूरे काम के साथ-साथ उपभोक्ताओं से लिए गए शुल्क पर सवाल उठाए। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र के करीब 180 परिवारों से कनेक्शन के नाम पर निर्धारित शुल्क जमा कराया गया था, लेकिन अब तक सिर्फ 120 परिवारों को ही गैस कनेक्शन मिला है। बाकी 60 परिवारों को कनेक्शन न मिलने से लोगों में नाराजगी फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोपहर में ठेकेदार उपकरण और सामग्री हटाने लगा तो स्थानीय लोग इकट्ठा हो गए और स्पष्टीकरण मांगने लगे। मामला तनावपूर्ण होते देख पुलिस को सूचना दी गई। मिहिजाम थाना के एएसआई सोनेलाल किस्कु बल के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों को समझाकर शांत कराया। बाद में ठेकेदार के प्रतिनिधियों और शिकायतकताओं को थाने ले जाकर बातचीत की गई। थाने में सहमति बनी कि जिन उपभोक्ताओं को रसीद देने के बाद भी कनेक्शन नहीं मिला है, उन्हें जमा राशि वापस की जाएगी। पुलिस की पहल से विवाद सुलझने के बाद क्षेत्र में शांति बहाल हो गई।

स्टैंडिंग कमेटी के नवनिर्वाचित सदस्यों का भव्य स्वागत, विकास योजनाओं की घोषणा

गयाजी/ रफ्तार मीडिया प्रभात सिन्हा/वरीय संवाददाता

गयाजी नगर निगम की सशक्त स्थायी समिति (स्टैंडिंग कमेटी) के नवनिर्वाचित सात सदस्यों के सम्मान में शनिवार को निगम कार्यालय परिसर में भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। चुनाव में जीत के बाद पहली बार निगम कार्यालय पहुंचे नवनिर्वाचित सदस्यों का ढोल-नगाड़ों, पुष्पवर्षा, फूल-मालाओं और अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया। इस दौरान पूरे निगम परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

समारोह में पूर्व डिप्टी मेयर एवं नवनिर्वाचित स्टैंडिंग कमेटी सदस्य मोहन श्रीवास्तव, मनोज कुमार, विनोद यादव, चुन्नू खान, तब्सुम परवीन, सारिका वर्मा और उपेंद्र कुमार का सम्मान किया गया। मेयर गणेश पासवान एवं डिप्टी मेयर चिंता देवी ने सभी सदस्यों को अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ और मालाएं भेंट कर शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्षद, निगम कर्मी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे। नवनिर्वाचित सदस्यों के स्वागत में समर्थकों ने नारेबाजी की और ढोल-नगाड़ों की थाप पर खुशी का इजहार किया। उपस्थित लोगों ने उम्मीद जताई कि नई स्टैंडिंग कमेटी शहर के विकास कार्यों को नई गति देगी।

अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए मोहन श्रीवास्तव ने पार्षदों और जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उन्हें जिस विश्वास के साथ यह जिम्मेदारी सौंपी गई है, उस पर वे पूरी निष्ठा के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

उन्होंने कहा कि नगर निगम की नई टीम शहर के विकास, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मोहन श्रीवास्तव ने कहा कि अगले छह महीनों में गयाजी शहर में विकास की नई तस्वीर दिखाई देगी। उन्होंने बताया कि बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए गांधी मैदान में आधुनिक स्मोक टावर लगाए जाएंगे। इसके साथ ही शहर में आधुनिक स्वीपिंग मशीनों के जरिए सफाई व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा, जिससे धूल और गंदगी की समस्या में कमी आएगी।

शिक्षा के क्षेत्र में नई पहल की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि नगर निगम प्रत्येक वार्ड में पुस्तकालय भवन का निर्माण कराएगा। इन पुस्तकालयों में कक्षा छह से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए आवश्यक पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्रों को विशेष लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि नगर निगम केवल सड़क, नाली और सफाई तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शिक्षा, सामाजिक विकास और युवाओं के भविष्य को मजबूत बनाने की दिशा में भी कार्य करेगा।

इसके अलावा पूरे शहर में स्ट्रीट लाइट, हाईमास्ट लाइट और तिरंगा लाइटों का विस्तार किया जाएगा, जिससे सुरक्षा और सौंदर्य दोनों में वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा कि निगम की प्राथमिकता आम लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है।नई स्टैंडिंग कमेटी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करेगी।

समारोह के अंत में नवनिर्वाचित सदस्यों ने शहर के विकास, स्वच्छता और जनकल्याण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पार्षद डिम्पल कुमार, अंजली कुमारी, दीपक चंद्रवंशी, अनुपमा कुमारी, सोनू शर्मा, शशि किशोर उर्फ शिशु, खतीब अहमद, साकेत सिंह उर्फ भगत सिंह, समाजसेवी राखी अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

अक्षय कुमार सिंह बने जामताड़ा एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष , कार्यकताओं में उत्साह

रफ्तार मीडिया / संवाददाता जामताड़ा। नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष विनय उरांव ने शनिवार को संगठन विस्तार के तहत राज्य के 14 जिलों के जिला अध्यक्षों की घोषणा की। जारी सूची में जामताड़ा जिले की जिम्मेदारी युवा छात्र नेता अक्षय कुमार सिंह को सौंपी गई है। अध्यक्ष पद पर मनोनयन की घोषणा होते ही जिले के एनएसयूआई कार्यकताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल देखा गया। संगठन के सदस्यों ने अक्षय कुमार सिंह को फोन, फेसबुक, व्हाट्सएप तथा अन्य सोशल मीडिया माध्यमों के जरिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अक्षय कुमार सिंह ने प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि छात्रों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा तथा संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने के लिए कार्य किया जाएगा।उन्होंने कहा कि जिले के कॉलेजों एवं शिक्षण संस्थानों में छात्रों के अधिकार, शिक्षा की गुणवत्ता, छात्रवृत्ति, रोजगार और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर एनएसयूआई सक्रिय भूमिका निभाएगी। साथ ही अधिक से अधिक युवाओं और छात्रों को संगठन से जोड़ने का अभियान भी चलाया जाएगा।प्रदेश अध्यक्ष विनय उरांव द्वारा की गई इस नियुक्ति को संगठन के विस्तार और मजबूती की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।कार्यकताओं ने उम्मीद जताई है कि नए नेतृत्व में जामताड़ा जिले में एनएसयूआई और अधिक सक्रिय होकर छात्रों की आवाज को बुलंद करेगी।

खटट की बैठक में बूथ कमेटियों के गठन और संगठन विस्तार पर चर्चा

गिरिडीह /रेम्बा रप्तार संवादाता पवन कुमार राम

झारखंड मुक्ति मोर्चा (खटट) की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक शनिवार (30 मई) को जमुआ विधानसभा क्षेत्र के जमुआ प्रखंड कार्यालय में आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता झामुमो प्रखंड अध्यक्ष रंजीत राम ने की। बैठक में मुख्य रूप से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और आगामी रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक के मुख्य बिंदुःसंगठन का विस्तार,बूथ स्तर पर मजबूतीः सभी मतदान केंद्रों पर बूथ कमेटियों के गठन की प्रक्रिया तेज करने और बूथ स्तर के एजेंटों (इछअ) की जिम्मेदारी तय करने पर विशेष चर्चा हुई।बैठक में पार्टी के कई मुख्य पदाधिकारी और विंग्स के अध्यक्ष शामिल हुए, जिनमें मुख्य रूप से वरिष्ठ नेता ओम प्रकाश महतो,प्रखंड अध्यक्ष रणजीत राम ,प्रखंड सचिव रोजन अंसारी,महिला मोर्चा प्रखंड सचिव देवंती भारती एससी (रउ) मोर्चा के अध्यक्ष भोला पासवान किसान मोर्चा अध्यक्ष मनोज पांडे अल्पसंख्यक अध्यक्ष कलाम अंसारी , पूरन किशोर तुरी के अलावा ओम प्रकाश महतो, ताहिर हुसैन, लियाकत अंसारी, मंसूर अंसारी, अजय द्विवेदी, महेंद्र यादव, नरेश राम, मोहम्मद मकसूद अंसारी और रघुनाथ सिंह सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पिनाराई विजयन के आवास पर ईडी कार्रवाई के विरोध में सीपीआई(एम) का नुक्कड़ सभा, ईडी का पुतला फूंका

रफ्तार मीडिया / संवाददाता जामताड़ा : सीपीआईएम जिला कमेटी जामताड़ा के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत शनिवार शाम 6 बजे स्थानीय सुभाष चौक में केरल के पूर्व मुख्यमंत्री, पार्टी के सदस्य एवं वर्तमान विपक्ष के नेता पिनाराई विजयन के आवास पर हुई ईडी की कार्रवाई के विरोध में नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कमेटी सदस्य एवं राज्य कमेटी सदस्य लखनलाल मंडल ने की। सभा में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। उपस्थित कार्यकताओं ने ईडी तथा केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कार्रवाई की कड़ी आलोचना की। सभा को संबोधित करते हुए सीपीआई(एम) के सचिव मंडल सदस्य सुरजीत सिन्हा ने कहा कि केरल में स्वास्थ्य, शिक्षा और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले नेता पिनाराई विजयन के विरुद्ध ईडी की कार्रवाई निंदनीय है।उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई राजनीतिक उद्देश्य से की गई है। उन्होंने कहा कि छापेमारी के बाद स्वयं ईडी ने स्वीकार किया कि उसे कोई आपत्तिजनक सामग्री या मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित सबूत नहीं मिला। वक्ताओं ने दावा किया कि ईडी की कार्रवाई के विरोध में केरल में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे और विरोध प्रदर्शन किया। सभा को संबोधित करते हुए चंडी दास पुरी ने कहा कि ईडी या सीबीआई जैसी एजेंसियों की कार्रवाई से सीपीआई(एम) के कार्यकर्ता, नेता और समर्थक डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यदि ईमानदारी से राजनीति करने वाले लोगों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई होती रही तो पार्टी जनता के साथ मिलकर उसका विरोध करेगी। सभा के बाद कार्यकताओं ने ईडी का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया।कार्यक्रम में अशोक भंडारी, संजय मेहता, अनुप सरखेल, दुबराज भंडारी, लोकनाथ राणा, दीप्ति मंडल, इब्राहिम अंसारी, महेंद्र राउत, निमाई राय सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जनता का आक्रोशः चौराहे पर चल रहे पोल्ट्री फार्म के खिलाफ उग्र हुए ग्रामीण, तालाबंदी की चेतावनी

मोहलीडीह पंचायत के बड़बाद बागानडीह आदिवासी टोला का मामला, सालों से दुर्गंध से परेशान हैं लोग।

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबादः धनबाद जिले के पूर्वी टुंडी प्रखंड अंतर्गत मोहलीडीह पंचायत के बड़बाद बागानडीह आदिवासी टोला में पोल्ट्री फार्म की दुर्गंध से त्रस्त ग्रामीणों के सब्र का बांध आखिरकार टूट गया। पिछले कई वर्षों से इस समस्या को झेल रहे ग्रामीणों ने शनिवार को पोल्ट्री फार्म के समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया। ग्रामीण इस कदर आक्रोशित थे कि वे फार्म को तुरंत बंद कराने पर अड़ गए। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के मुख्य चौराहे पर पोल्ट्री फार्म संचालित होने के कारण चौबीसों घंटे भयंकर बदबू आती है, जिससे पूरा माहौल प्रदूषित हो गया है।

बीमारियों का केंद्र बना गांव, फैला डायरिया

आंदोलन कर रहे ग्रामीण रोहित कुमार सोरेन और प्रिया मुर्मू ने बताया कि पोल्ट्री फार्म की गंदगी और दुर्गंध के कारण गांव में बीमारियां पैर पसार रही हैं। स्थिति इतनी बदतर हो चुकी है कि आए दिन बच्चे और बुजुर्ग डायरिया की चपेट में आ रहे हैं। घरों में रहना और खाना खाना तक दूभर हो गया है। पद्मावती सोरेन ने कहा कि इस संबंध में पहले भी कई बार

संचालक राजेन मंडल से शिकायत की गई और मुखिया स्तर पर भी फार्म हटाने को कहा गया, लेकिन संचालक ने हर बार जनहित की इस मांग को अनसुना कर दिया।

"सालों से ग्रामीण इस नरकीय स्थिति को झेल रहे हैं। पोल्ट्री फार्म के कारण मासूम बच्चे बीमार पड़ रहे हैं। अगर एक महीने के भीतर इसे आबादी से दूर **नहीं शिफ्ट किया गया, तो उग्र आंदोलन और तालाबंदी की जाएगी।"**

संतोष कुंभकार, मुखिया पुत्र

बैठक में पहुंचे मुखिया पुत्र, मिला समर्थन

बढ़ते विवाद को देखते हुए गांव में एक आपातकालीन बैठक बुलाई गई। इस बैठक में मोहलीडीह मुखिया पुत्र संतोष कुंभकार उर्फ संतलाल बाबा भी मुख्य रूप से शामिल हुए। उन्होंने ग्रामीणों की मांग को जायज ठहराते हुए पोल्ट्री फार्म संचालक की मनमानी की कड़े शब्दों में निंदा की। संतोष कुंभकार ने कहा कि जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन को भी इस दिशा में कड़े कदम उठाने चाहिए।

बैकफुट पर संचालक, एक महीने की मांगी मोहलत ग्रामीणों के उग्र तेवर और मुखिया पुत्र के दखल के बाद पोल्ट्री फार्म संचालक राजेन मंडल पूरी तरह बैकफुट पर आ गया। ग्रामीणों के भारी दबाव के आगे झुकते हुए संचालक ने सार्वजनिक रूप से आश्वासन दिया कि वह एक महीने के अंदर इस पोल्ट्री फार्म को यहाँ से पूरी तरह बंद कर देगा और इसे आबादी से दूर ले जाएगा। इस आश्वासन के बाद ग्रामीण शांत हुए, हालांकि उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि तय समय पर फार्म बंद नहीं हुआ, तो सीधे पोल्ट्री फार्म में तालाबंदी कर दी जाएगी।

दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेले में उमड़ी युवाओं की भीड़, 20 से अधिक कंपनियों ने बांटे ऑफर लेटर

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद। श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग की ओर से शनिवार को धनबाद में एक दिवसीय दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेले का भव्य आयोजन किया गया। इस मेले में रोजगार की तलाश में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे हजारों युवाओं की भारी भीड़ उमड़ी। मेले में पहुंचीं 20 से अधिक प्रतिष्ठित निजी कंपनियों ने अपने स्टॉल लगाए और योग्य उम्मीदवारों को रोजगार के अवसर प्रदान किए। कई अभ्यर्थियों का उनकी शैक्षणिक योग्यता और कौशल के आधार पर मौके पर ही चयन कर उन्हें ऑफर लेटर सौंपे गए।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी पंकज कुमार उपस्थित थे। उन्होंने विशिष्ट अधिकारियों के साथ मेले का निरीक्षण किया और नौकरी के

लिए आए अभ्यर्थियों व कंपनी प्रतिनिधियों से सीधा संवाद किया। युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए पंकज कुमार ने कहा कि बदलते समय के साथ रोजगार की मांग और इसके स्वरूप में तेजी से बदलाव आ रहा है। आज के दौर में युवाओं को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ अपने कौशल (स्किल्स) को लगातार विकसित करना होगा, तभी वे आधुनिक बाजार में बेहतर अवसर प्राप्त कर सकेंगे।तकनीकी से लेकर सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने लिया भागरोजगार मेले में तकनीकी, मार्केटिंग, सुरक्षा, बैंकिंग, प्रबंधन और सेवा क्षेत्र से जुड़ी 20 से अधिक नामी कंपनियों ने भाग लिया। अभ्यर्थियों ने कंपनियों की आवश्यकता के अनुरूप अपने बायोडाटा जमा किए, जिसके बाद कंपनी प्रतिनिधियों ने ऑन-द-स्पॉट साक्षात्कार (इंटरव्यू) की प्रक्रिया पूरी कर योग्य उम्मीदवारों का चयन किया।चयनित युवाओं को मिलेगा आवश्यक प्रशिक्षण मेले के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सहायक नियोजन पदाधिकारी पदमा कुमारी ने बताया कि इस प्रकार के रोजगार मेलों का मुख्य उद्देश्य स्थानीय बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के सीधे अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिन अभ्यर्थियों का चयन किया गया है, उन्हें रोजगार के साथ-साथ आवश्यक कार्यस्थल प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, ताकि वे अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें।विभागीय अधिकारियों के अनुसार, इस मेले के माध्यम से जहाँ एक ओर युवाओं को सीधे कंपनियों से जुड़ने का मौका मिला, वहीं कंपनियों को भी एक ही छत के नीचे योग्य और प्रशिक्षित मानव संसाधन प्राप्त हुए। विभाग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी युवाओं के हित में इस तरह के रोजगार मेलों का आयोजन निरंतर जारी रहेगा।

सुरक्षा-बकाए हक को लेकर देंदुआ बालाजी सिरामिक्स में हंगामा, मजदूरों ने दी बड़े आंदोलन की चेतावनी

रफ्तार मीडिया संवाददाता सालानपुर सुरक्षा के अभाव, अनियमित काम और पीएफ-ईएसआई न मिलने से नाराज मजदूरों ने शनिवार सुबह देंदुआ स्थित बालाजी सिरामिक्स कारखाने में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रबंधन की बेरुखी से आक्रोशित सैकड़ों श्रमिकों ने काम ठप कर दिया। सूचना पर सालानपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मजदूरों का आरोप है कि वर्षों से काम करने के बावजूद कारखाने में सुरक्षा इंतजाम नदारद हैं। महिला श्रमिकों के लिए साफ-सुथरा शौचालय तक नहीं है और शिकायत करने पर प्रताड़ना झेलनी पड़ती है। साथ ही महीने में कई दिन काम बंद कर दिया जाता है, जिससे परिवारों पर आर्थिक संकट गहरा गया है। मजदूरों ने एक परिसर, दो नियम का आरोप लगाते हुए कहा कि इसी परिसर की 'बालाजी ग्लास फैक्ट्री' में पीएफ-ईएसआई की सभी सुविधाएं मिल रही हैं, लेकिन सिरामिक्स के मजदूरों को इन कानूनी अधिकारों से वंचित रखा गया है। शनिवार को प्रबंधन ने गैस की कमी बताकर रविवार से काम बंद करने और बिना वेतन रखने का ऐलान कर दिया, जिससे गुस्सा भड़क गया। श्रमिक नेता अमरनाथ महतो के नेतृत्व में मजदूरों ने प्रबंधन से वार्ता की। प्रबंधन ने 2 तारीख तक मालिक से चर्चा कर निर्णय देने का आश्वासन दिया है। अमरनाथ महतो ने चेतावनी दी कि मांगें न मानी गईं तो इससे बड़ा आंदोलन होगा। अब मजदूरों की निगाहें 2 तारीख के फैसले पर टिकी हैं।

धनबाद पहुंचे वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोरः बोले-संख्या बल न होने पर भी प्रत्याशी उतारना भाजपा की खरीद-फरोख्त की राजनीति

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबादः झारखंड में राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा चढ़ गया है। शनिवार को धनबाद के सर्किट हाउस पहुंचे राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर का कांग्रेस कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में वित्त मंत्री ने राज्यसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला और बड़ा बयान दिया।वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि भाजपा के पास राज्यसभा चुनाव जीतने के लिए आवश्यक संख्या बल नहीं है। इसके बावजूद चुनाव में उम्मीदवार उतारने की तैयारी करना यह साफ दशार्ता है कि भाजपा विधायकों की खरीद-फरोख्त (हॉर्स ट्रेडिंग) की राजनीति करना चाहती है। उन्होंने भाजपा की इस रणनीति

को लोकतंत्र के खिलाफ बताया।महागठबंधन के पास 56 विधायकों का समर्थनसंख्या बल का गणित समझाते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि महागठबंधन पूरी तरह एकजुट और मजबूत है। हमारे पास कुल 56 विधायकों का समर्थन हासिल है। इसमें झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के 34, कांग्रेस के 16, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के 4 और वाम दलों के 2 विधायक शामिल हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में एक राज्यसभा सीट जीतने के लिए सिर्फ 28 वोटों की आवश्यकता होती है। इस समीकरण के लिहाज से महागठबंधन बेहद मजबूत स्थिति में है और उसकी जीत तय है।

कांग्रेस आलाकमान तय करेगा उम्मीदवारभाजपा के दावों पर सवाल उठाते हुए किशोर ने कहा कि भाजपा पूरे देश पर अपना दावा करना चाहती है, लेकिन झारखंड की राजनीतिक वास्तविकता अलग है। उन्होंने घोषणा की कि राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी अपना उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतारेगी। हालांकि, उम्मीदवार के नाम पर अंतिम फैसला पार्टी आलाकमान द्वारा लिया जाएगा।प्रदेश अध्यक्ष से विवाद पर दी सफाईकांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के साथ चल रही कथित खींचतान और मतभेदों के सवाल पर वित्त मंत्री ने स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के साथ उनका कोई व्यक्तिगत विवाद या दुश्मनी नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मतभेद केवल पार्टी की नीति और सिद्धांतों को लेकर हैं, किसी व्यक्ति विशेष से नहीं। उन्होंने पार्टी के भीतर अपनी बात हमेशा नीतिगत आधार पर रखी है। इस बयान के बाद राज्य में राज्यसभा चुनाव को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर और तेज होने के आसार हैं।

इंदिरा चौक में खड़ी टेंपो से बैटरी चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

रफ्तार मीडिया / संवाददाता जामताड़ा : जामताड़ा थाना क्षेत्र के इंदिरा चौक स्थित अशोक घर के सामने खड़ी एक टेंपो से बैटरी चोरी का मामला सामने आया है। घटना का पूरा दृश्य आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है, जिसके बाद स्थानीय लोगों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, टेंपो सड़क किनारे खड़ी थी।इसी दौरान एक व्यक्ति मौके पर पहुंचा और वाहन से बैटरी निकालकर फरार हो गया।सीसीटीवी फुटेज में कथित चोर को चोरी करते हुए स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। चोरी की घटना हो जाने से स्थानीय लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। लोगों का कहना है कि सार्वजनिक स्थानों पर लगातार गश्त और निगरानी के बावजूद इस तरह की घटनाएं चिंता का विषय हैं। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन और पुलिस विभाग से मामले की गंभीरता से जांच कराने तथा फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि समय रहते कार्रवाई नहीं होने पर असामाजिक तत्वों के हौसले और बढ़ सकते हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में पूर्व छात्र मिलन समारोह-2026 का भव्य आयोजन

रफ़्तार संवाददाता अभिषेक गुप्ता मांडरः कंदरी स्थित भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में एलुमनी एसोसिएशन के तत्वावधान में 'पूर्व छात्र मिलन समारोह-2026' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्या डॉ. दीपाली पराशर, डीएसडब्ल्यू उपेंद्र उपाध्याय, विभागाध्यक्ष राकेश कुमार राय, आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर मनोज कुमार गुप्ता, एलुमनी एसोसिएशन अध्यक्ष विवेक राज जायसवाल तथा पूर्व छात्रों ने दीप प्रज्वलित कर किया।

समारोह में विभिन्न सत्रों के पूर्व छात्रों ने भाग लेकर पुराने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर वर्तमान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। संस्थान ने पूर्व छात्र एवं शिक्षक सुधीर पांडे, प्रिंस कुमार, कृष्णा कुमारी यादव तथा नीतीश कुमार यादव को उनकी

उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया।प्राचार्या डॉ. दीपाली पराशर ने कहा कि पूर्व छात्र संस्थान के वास्तविक ब्रांड एंबेसडर हैं और उनकी सफलता ही किसी शिक्षण संस्थान की सबसे बड़ी पहचान होती है। उन्होंने शिक्षा को समाज परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम बताते हुए विद्यार्थियों को भारतीय मूल्यों और आदर्श शिक्षक की भूमिका निभाने का संदेश दिया।वक्ताओं ने पूर्व छात्रों की सफलता को वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए संस्थान के विकास में उनकी सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया। अंत में एलुमनी एसोसिएशन के उपाध्यक्ष आशुतोष नंद तिवारी ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन ज्योति कुमारी और सुनीता कुजूर ने किया।

मोहनाद में पथराव और हवाई फायरिंग के बाद शांति समिति की बैठकः आपसी भाईचारे पर बनी सहमति, सुरक्षित लौटेगा पीड़ित परिवार

प्रशासन और ग्रामीणों की बैठक में बड़ा फैसलाः प्रतिबंधित कृत्य पर रहेगी पूर्ण रोक, सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों पर होगी कार्रवाई

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबादः टुंडी थाना अंतर्गत बरवाटांड पंचायत के मोहनाद गांव में बीते शुक्रवार को प्रतिबंधित मांस को लेकर उत्पन्न हुआ भारी तनाव प्रशासनिक मुस्तैदी और स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों की सूझबूझ से शांत हो गया है। क्षेत्र में शांति और कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए शनिवार को मोहनाद स्कूल परिसर में एक महत्वपूर्ण शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों, विभिन्न पंचायतों के जनप्रतिनिधियों और दोनों पक्षों के ग्रामीणों ने हिस्सा लिया, जिसमें आपसी भाईचारा बनाए रखने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को न दोहराने पर सर्वसम्मति बनी।

क्या था पूरा मामला?

शुक्रवार को मोहनाद गांव में प्रतिबंधित मांस मिलने की सूचना पर दो पक्षों में तीखा विवाद शुरू हो गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम लोकेश बारंगे और ग्रामीण एसपी एस मोहम्मद याकूब भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे थे। प्रशासन ने स्थिति को संभालते हुए प्रतिबंधित सामान को जब्त किया और संलिप्त आरोपियों को हिरासत में ले लिया। विवाद तब बढ़ा जब पुलिस दोषियों को अपने साथ ले जाने लगी और उत्तेजित ग्रामीण आरोपियों का चेहरा दिखाने की मांग को लेकर अड़ गए। इसी बीच उपद्रवियों ने

पुलिस बल पर पथराव शुरू कर दिया। भीड़ को नियंत्रित करने और स्थिति सामान्य करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज और हवाई फायरिंग का सहारा लेना पड़ा था। सुरक्षा के मद्देनजर आरोपी परिवार को किसी अन्य स्थान पर शिफ्ट कर पूरे क्षेत्र को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया था।बैठक में हुए कई महत्वपूर्ण फैसलेःशनिवार को इस सुलगते विवाद को पूरी तरह समाप्त करने के लिए प्रशासन और ग्रामीणों के बीच मैराथन बैठक हुई। बैठक में उपस्थित सभी ग्रामीणों

और जनप्रतिनिधियों ने एक स्वर में गांव के भीतर प्रतिबंधित पशु की बलि या इससे जुड़े किसी भी प्रकार के कृत्य पर पूरी तरह रोक लगाने पर सहमति जताई। इसके साथ ही सबसे बड़ा फैसला यह हुआ कि सुरक्षा कारणों से गांव से बाहर भेजे गए परिवार को दोबारा पूरे सम्मान और सुरक्षा के साथ गांव वापस लाया जाएगा और उन्हें मुख्यधारा में शामिल किया जाएगा।इन प्रमुख लोगों की रही उपस्थिति

शांति समिति की इस अहम बैठक में मुख्य रूप से बाघमारा एसडीपीओ अजीत कुमार विमल, अंचल अधिकारी सुरेश प्रसाद वर्णवाल, प्रखंड विकास पदाधिकारी विशाल कुमार पाण्डेय और टुंडी थाना प्रभारी उमा शंकर मौजूद रहे।

इसके अलावा राजनीतिक व सामाजिक स्तर पर भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष मोहन कुंभकार, कदैयां पंचायत के मुखिया अजीमुद्दीन अंसारी, सतीश चंद्र महतो, बलदेव महतो सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल हुए। ग्रामीणों की ओर से मुख्य रूप से तेयाब अंसारी, फारूक अंसारी सहित सैकड़ों की संख्या में हिंदू-मुस्लिम समुदाय के लोग उपस्थित थे। ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से पुलिस-प्रशासन को आश्वस्त किया कि वे किसी भी बहकावे में नहीं आएंगे और आपसी भाईचारे के साथ रहेंगे।

अब स्थिति पूरी तरह नियंत्रण मेंःप्रशासनिक अधिकारियों के हस्तक्षेप और शांति समिति के इस सकारात्मक निर्णय के बाद अब मोहनाद गांव सहित पूरे बरवाटांड पंचायत में स्थिति पूरी तरह सामान्य और शांतिपूर्ण है। एहतियात के तौर पर पुलिस बल क्षेत्र में गश्त कर पैनी नजर बनाए हुए है। अधिकारियों ने साफ कहा है कि कानून अपने हाथ में लेने वाले या सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाले उपद्रवियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

संपादकीय

दो शताब्दियों की स्वर्णिम यात्रा : हिंदी पत्रकारिता का अद्भुत उत्कर्ष

समाचार केवल घटनाओं का विवरण नहीं होते, वे समय का इतिहास भी लिखते हैं। समाज की धड़कनों को शब्द देने वाली पत्रकारिता किसी भी राष्ट्र की चेतना का दर्पण होती है। वर्ष 2026 हिंदी पत्रकारिता के लिए एक ऐतिहासिक अवसर लेकर आया है, क्योंकि हिंदी पत्रकारिता अपने गौरवपूर्ण 200 वर्ष पूरे कर रही है। यह अवसर केवल उत्सव का नहीं, बल्कि आत्ममंथन, उपलब्धियों के मूल्यांकन और भविष्य की दिशा तय करने का भी है।

30 मई 1826 को उदन्त मार्तण्ड के प्रकाशन के साथ हिंदी पत्रकारिता की नींव रखी गई थी। उस समय न तो संसाधनों की प्रचुरता थी और न ही पाठकों का व्यापक आधार। फिर भी हिंदी पत्रकारिता ने अपने पहले कदम से ही जनजागरण और समाज सुधार का लक्ष्य निर्धारित कर लिया था। यही कारण है कि धीरे-धीरे यह भारतीय जनमानस की आवाज बनती चली गई।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। समाचार पत्रों ने विदेशी शासन की दमनकारी नीतियों को उजागर किया और स्वतंत्रता सेनानियों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाया। अनेक पत्रकारों और संपादकों ने जेल की यातनाएं सहीं, आर्थिक संकट झेले और प्रतिबंधों का सामना किया, लेकिन कलम की शक्ति को कभी कमजोर नहीं पड़ने दिया। हिंदी पत्रकारिता ने राष्ट्रवाद की भावना को मजबूत करने में जो योगदान दिया, वह भारतीय इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है।

स्वतंत्रता के बाद हिंदी पत्रकारिता ने लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। यह सत्ता और जनता के बीच संवाद का माध्यम बनी। भ्रष्टाचार, सामाजिक विषमताओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास जैसे विषयों को प्रमुखता देकर पत्रकारिता ने समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

समय के साथ हिंदी पत्रकारिता का विस्तार अभूतपूर्व रूप से हुआ। आज हिंदी विश्व की सबसे अधिक बोली और पढ़ी जाने वाली भाषाओं में शामिल है। समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, समाचार चैनलों और डिजिटल प्लेटफॉर्मों ने हिंदी पत्रकारिता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। इंटरनेट और सोशल मीडिया के युग में हिंदी पत्रकारिता का प्रभाव गांवों से लेकर वैश्विक मंच तक दिखाई देता है।

हालांकि आधुनिक दौर नई चुनौतियां भी लेकर आया है। सूचना की तीव्र गति के बीच सत्य और असत्य का अंतर करना कठिन होता जा रहा है। फेक न्यूज, अफवाहें, सनसनीखेज प्रस्तुतिकरण और व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा पत्रकारिता की विश्वसनीयता के सामने गंभीर प्रश्न खड़े कर रहे हैं। ऐसे समय में पत्रकारिता के मूल मूल्य–सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता, उत्तरदायित्व और जनहित–को सर्वोच्च प्राथमिकता देना आवश्यक है।हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष इस बात का प्रमाण हैं कि भाषा और विचार की शक्ति किसी भी समाज को बदल सकती है। यह यात्रा संघर्ष, समर्पण, साहस और जनसेवा की भावना से परिपूर्ण रही है। पत्रकारिता ने केवल समाचार नहीं दिए, बल्कि समाज को सोचने, समझने और जागरूक बनने की प्रेरणा भी दी है।आज जब हम हिंदी पत्रकारिता की दो शताब्दियों का उत्सव मना रहे हैं, तब हमें उन सभी पत्रकारों, लेखकों, संपादकों और मीडिया कर्मियों को श्रद्धापूर्वक स्मरण करना चाहिए जिन्होंने अपने श्रम और प्रतिबद्धता से इस परंपरा को समृद्ध बनाया।

शिक्षा का व्यापार: गरीब और मध्यम वर्ग के माता-पिता को कहां जाएं

शिक्षा को हमेशा समाज की सबसे बड़ी ताकत माना गया है। स्कूल और कॉलेज ज्ञान के मंदिर कहे जाते थे, जहां बच्चों के सपनों को आकार मिलता था और उनके भविष्य की नींव रखी जाती थी। लेकिन आज शिक्षा धीरे-धीरे सेवा से अधिक व्यापार बनती जा रही है। महंगे निजी स्कूल, बढ़ती फीस, कोचिंग संस्थानों का विस्तार और शिक्षा के नाम पर दिखावा–इन सबने शिक्षा को एक बड़े उद्योग में बदल दिया है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि गरीब और मध्यम वर्ग के माता-पिता आखिर अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए कहां जाएं?

आज एक सामान्य परिवार के लिए बच्चों की शिक्षा सबसे बड़ा आर्थिक बोझ बन चुकी है। स्कूलों की फीस हर साल बढ़ती जा रही है। प्रवेश शुल्क, वार्षिक शुल्क, परिवहन शुल्क, स्मार्ट क्लास शुल्क, किताबें, यूनिफॉर्म और अन्य गतिविधियों का खर्च मिलाकर शिक्षा आम आदमी की पहुंच से दूर होती जा रही है। कई माता-पिता अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए अपनी जरूरतों में कटौती करते हैं। कुछ लोग कर्ज लेते हैं, तो कुछ अपनी बचत खत्म कर देते हैं। फिर भी उनके मन में यह डर बना रहता है कि यदि बच्चे को महंगे स्कूल में नहीं पढ़ाया गया, तो उसका भविष्य कमजोर हो जाएगा।

निजी स्कूलों और कॉलेजों के बीच प्रतिस्पर्धा अब शिक्षा से अधिक व्यवसायिक हो गई है। बड़े-बड़े भवन, वातानुकूलित कक्षाएं, चमकदार विज्ञापन और विदेशी पाठ्यक्रमों का आकर्षण माता-पिता को प्रभावित करता है। स्कूल अपने परिणामों और सुविधाओं को ऐसे प्रस्तुत करते हैं जैसे वे कोई कॉर्पोरेट कंपनी हों। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या केवल महंगी इमारतें और अंग्रेजी बोलना ही अच्छी शिक्षा का प्रमाण है? वास्तविक शिक्षा वह है जो बच्चों में सोचने की क्षमता, नैतिक मूल्य, संवेदनशीलता और आत्मविश्वास विकसित करे।

सरकारी स्कूलों की स्थिति भी चिंता का विषय बनी हुई है। कई जगहों पर शिक्षकों की कमी, कमजोर आधारभूत सुविधाएं और संसाधनों की अनुपलब्धता के कारण लोग सरकारी स्कूलों पर भरोसा खोते जा रहे हैं। हालांकि अनेक सरकारी स्कूल उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं, फिर भी समाज में यह धारणा बन गई है कि अच्छी शिक्षा केवल निजी स्कूलों में ही मिल सकती है। यही सोच शिक्षा के व्यापारीकरण को और बढ़ावा देती है।

कोचिंग और ट्यूशन संस्कृति ने भी शिक्षा को महंगा बना दिया है। बच्चे स्कूल के बाद घंटों कोचिंग संस्थानों में बिताते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी अब एक अलग उद्योग बन चुकी है। गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार इस अतिरिक्त खर्च को वहन करने में कठिनाई महसूस करते हैं। दूसरी ओर, बच्चों पर अंक और रैंक लाने का मानसिक दबाव भी लगातार बढ़ता जा रहा है।

इस व्यवस्था में सबसे अधिक संघर्ष मध्यम वर्ग करता है। अमीर वर्ग आसानी से महंगी शिक्षा खरीद सकता है और गरीब वर्ग को कुछ सरकारी योजनाओं का लाभ मिल जाता है, लेकिन मध्यम वर्ग अक्सर दोनों के बीच फंस जाता है। उनकी आय इतनी नहीं होती कि वे बिना चिंता के भारी फीस भर सकें, और न ही उन्हें पर्याप्त सहायता मिलती है। वे अपने बच्चों के भविष्य के लिए चुपचाप संघर्ष करते रहते हैं।

यदि शिक्षा केवल पैसे वालों तक सीमित हो जाए, तो समाज में असमानता और बढ़ेगी। शिक्षा का उद्देश्य समाज में समान अवसर प्रदान करना और लोगों को सशक्त बनाना है। इसलिए सरकारों को चाहिए कि सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता सुधारी जाए, फीस नियंत्रण के लिए प्रभावी नीतियां बनाई जाएं और हर बच्चे के लिए सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जाए। शिक्षा को व्यापार नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देखा जाना चाहिए। यह केवल नौकरी पाने का माध्यम नहीं, बल्कि बेहतर समाज और मजबूत राष्ट्र निर्माण का आधार है। यदि शिक्षा पूरी तरह बाजार की वस्तु बन गई, तो गरीब और मध्यम वर्ग के लाखों बच्चों के सपने अधूरे रह जाएंगे।

किसी देश की असली प्रगति उसके महंगे स्कूलों से नहीं, बल्कि इस बात से तय होती है कि वहां हर बच्चे को समान और सम्मानजनक शिक्षा मिल रही है या नहीं। इसलिए समय की मांग है कि शिक्षा को फिर से मानवीय मूल्यों और सामाजिक न्याय से जोड़ा जाए, ताकि हर बच्चा बिना आर्थिक बोझ के अपने सपनों को पूरा कर सके।

पूर्वांचल में सपा के पीडीए के खिलाफ बीजेपी का पीडीवी दांव

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की गरमा गरमी के बीच भारतीय जनता पार्टी ने पूर्वांचल में संगठन मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने आलाकमान से विचार-विमर्श के बाद पूर्वांचल के पांच जिलों अंबेडकरनगर, वाराणसी, चंदौली, गोरखपुर महानगर और देवरिया के नए जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी है। इस घोषणा में जातीय और क्षेत्रीय समीकरण को पूरी तरह ध्यान में रखा गया है। दो जिलों में ओबीसी, एक में दलित, एक में वैश्य और एक में क्षत्रिय चेहरे को जिम्मेदारी सौंपकर भाजपा ने सामाजिक संतुलन साधने का स्पष्ट संदेश दिया है। नये जिलाध्यक्षों का बारीकी से आकलन किया जाये तो बीजेपी की 2027 के विधान सभा चुनाव के लिये रणनीति साफ नजर आती है। समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) की काट के लिये बीजेपी पीडीवी(पिछड़ा-दलित-वैश्य) वाला वोट बैंक तैयार कर रही है। अंबेडकरनगर में भाजपा ने दिलीप देव पटेल को नया जिलाध्यक्ष बनाया है। पहले यहां त्रयंबक त्रिपाठी जिलाध्यक्ष थे। दिलीप देव पटेल के संगठन में लंबे अनुभव और ओबीसी समाज में मजबूत पकड़ के चलते जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी इसे सामाजिक संतुलन और संगठन विस्तार के लिहाज से अहम मान रही है। गोरखपुर महानगर में रमेश कुमार गुप्ता को जिलाध्यक्ष की कमान सौंपी गई है। देवेश श्रीवास्तव के निधन के बाद यह पद खाली चल रहा था। पूर्व महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता महानगर संयोजक के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे थे। रमेश कुमार गुप्ता को जिम्मेदारी देकर भाजपा ने वैश्य समाज को साधने का स्पष्ट संदेश दिया है। गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का राजनीतिक गढ़ माना जाता है, इसलिए यहां संगठन की कमान मजबूत और अनुभवी चेहरे को सौंपना पार्टी की रणनीति का हिस्सा है।

देवरिया में भाजपा ने काली प्रसाद को नया जिलाध्यक्ष बनाया है। इससे पहले यह जिम्मेदारी भूपेन्द्र सिंह के पास थी। पार्टी ने दलित समाज से आने वाले चेहरे पर भरोसा जताकर सामाजिक समीकरण मजबूत करने की कोशिश की है। संगठन में लंबे समय से सक्रिय रहने के कारण काली प्रसाद को जमीनी कार्यकर्ता के रूप में पहचान मिली हुई है। वाराणसी में राम सकल पटेल को जिलाध्यक्ष बनाया गया है, जिन्होंने हंसराज विश्वकर्मा की जगह ली है। हंसराज विश्वकर्मा के योगी सरकार में मंत्री बनने के बाद यह पद खाली हो गया था। राम सकल पटेल लंबे समय से वाराणसी में संगठन के कार्यों से जुड़े रहे हैं और उनकी जमीनी पकड़ मजबूत मानी जाती है। चंदौली में काशीनाथ सिंह को दोबारा जिलाध्यक्ष बनाए रखा गया है। वे संगठन के पुराने और सक्रिय नेताओं में गिने जाते हैं और पार्टी नेतृत्व ने उनके अनुभव और संगठन क्षमता को देखते हुए निरंतरता बनाए रखने का फैसला किया है। नये जिलाध्यक्षों का जातीय आधार पर विश्लेषण किया जाये तो साफ लगता है कि भाजपा के नेतृत्व द्वारा नई टीम समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) गठबंधन की सीधी काट के रूप में तैयार की जा रही है। भाजपा ने जानबूझकर ओबीसी, दलित और वैश्य समाज के चेहरों को मजबूत पदों पर लाने का प्रयास किया है। सपा का पीडीए वोट-बैंक कमजोर कर दिया है। अब वे समुदाय भाजपा को अपनी ओर खींचने वाले अपने चेहरे देख रहे हैं, जिससे सपा की पकड़ ढीली होगी। समाजवादी पार्टी को इस फैसले से तीन स्तर पर गहरा नुकसान हो सकता है। पहला, अंबेडकरनगर जैसे जातीय रूप से संवेदनशील जिले में ओबीसी कुर्मी चेहरा दिलीप देव पटेल आने से सपा का पिछड़ा वोट-बैंक दरक सकता है। यहां पहले ब्राह्मण नेता त्रयंबक त्रिपाठी जिलाध्यक्ष थे, लेकिन अब ओबीसी चेहरा आने से पिछड़े वर्ग का समर्थन भाजपा की ओर मुड़ सकता है। दूसरा, गोरखपुर महानगर जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का राजनीतिक गढ़ है,में वैश्य समाज के रमेश कुमार गुप्ता को जिम्मेदारी मिलने से सपा का व्यापारी-वैश्य वर्ग भाजपा की ओर झुक सकता है। देवेश श्रीवास्तव के निधन के बाद खाली पद पर वैश्य चेहरा लाना भाजपा की रणनीति का हिस्सा है। तीसरा, देवरिया में दलित चेहरे काली प्रसाद को लाने से सपा और बसपा का दलित वोट-बैंक कमजोर होगा, क्योंकि भाजपा ने जमीनी कार्यकर्ता के रूप में पहचान वाले दलित नेता को चुनकर सामाजिक समीकरण मजबूत किया है।

भाजपा की यह रणनीति सपा के पीडीए गठबंधन को सीधे तौर पर चुनौती देती है। अब भाजपा ने पिछड़े, दलित और वैश्य समुदायों को अलग-अलग जिलों में नेतृत्व देकर समाजवादी पार्टी को सीमित वोट बैंक वाली पार्टी बना दिया है, जबकि भाजपा अब सामाजिक संतुलन वाला चेहरा दिखा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गढ़ गोरखपुर में अनुभवी और संगठन से जुड़े चेहरों पर भरोसा जताना भी भाजपा की मजबूत रणनीति है। वर्तमान में भाजपा ने उत्तर प्रदेश के 98 संगठनात्मक जिलों और महानगरों में से 83 जिलों के जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी है। मार्च 2025 में 68 जिलों, फरवरी 2026 में 11 जिलों और मई 2026 में अब 5 जिलों के नाम ऐलान हो चुके हैं। इसका मतलब है कि अब केवल 15 जिलों के जिलाध्यक्ष बनना बाकी हैं। इन 15 बाकी जिलों में अयोध्या, सहारनपुर, अमरोहा, शामली, बागपत, मथुरा जिला, मथुरा महानगर, और पूर्वांचल व ब्रज क्षेत्र के कुछ जिले शामिल हैं।

भाजपा की यह तैयारी 2027 विधानसभा चुनाव के लिए है। पार्टी जानती है कि उत्तर प्रदेश में सत्ता बनाए रखने के लिए सामाजिक गठबंधन मजबूत करना जरूरी है। ओबीसी, दलित और वैश्य समाज को अलग-अलग जिलों में नेतृत्व देकर भाजपा ने यह संदेश दे दिया है कि वे सभी समुदायों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह रणनीति सपा के पीडीए गठबंधन को तोड़ने के लिए विशेष रूप से तैयार की गई है।समाजवादी पार्टी अब इस चुनौती का सामना कैसे करती है, यह देखना महत्वपूर्ण होगा। सपा को अपने पीडीए गठबंधन को और मजबूत करना होगा और यह साबित करना होगा कि वे पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समाज की असली आवाज हैं। लेकिन भाजपा ने जमीनी स्तर पर जिला अध्यक्षों की नियुक्ति करके यह स्पष्ट कर दिया है कि वे संगठन विस्तार और सामाजिक संतुलन पर जोर दे रहे हैं।

गौरतलब हो, उत्तर प्रदेश की राजनीति में अब भाजपा की पिछड़ा-दलित वाली रणनीति का प्रभाव दिखेगा। चुनावी माहौल गरम होने से पहले ही भाजपा ने संगठन मजबूत करके सपा को चुनौती दे दी है। 15 बाकी जिलों में जिलाध्यक्षों की घोषणा होने पर यह और साफ होगा कि भाजपा कहां कितनी मजबूत हो रही है।

सभी 98 जिलों और महानगरों में जिलाध्यक्षों की नियुक्ति पूरी होने के बाद भाजपा का संगठन 2027 चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार हो जाएगा। भाजपा की यह रणनीति सपा के लिए गंभीर चिंता का विषय है क्योंकि भाजपा ने जानबूझकर ऐसे जिलों में चेहरे चुने हैं जहां सपा का पारंपरिक वोट बैंक है। अब सपा को यह साबित करना होगा कि वे पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समाज की असली आवाज हैं और भाजपा की यह नियुक्ति केवल चालाकी है। लेकिन जमीनी स्तर पर ओबीसी, दलित और वैश्य नेताओं को जिम्मेदारी मिलने से सामान्य कार्यकर्ता और वोटर्स पर भाजपा का असर पड़ेगा। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 तक समय है, लेकिन भाजपा ने पहले ही अपने संगठन को मजबूत करना शुरू कर दिया है। यह रणनीति सपा के पीडीए गठबंधन को तोड़ने और अपने सामाजिक आधार को विस्तार देने के लिए विशेष रूप से तैयार की गई है।

अपना चेहरा ना बदला गया, आईने से खफा हो गए!!

राजीव थेपड़ा
रांची, झारखंड

हम चाहते हैं कि एक दूसरे से संबंध अच्छे बनाए रखने के लिए केवल उन्हीं विषयों पर बात करें, जिन पर एक दूसरे की आपस की सहमति हो!! पति-पत्नी का संबंध हो! अन्य रिश्ते हों! पारिवारिक संबंध हों! बंधु बांधव हों! संगठन हो, मोहल्ला हो, देश हो, राज्य हो! कुछ भी हो, जहां पर भी ऐसे विषय हैं जो हम दोनों को एक-दूसरे के विपरीत बताते हैं, वहां पर बात ही मत करो!! बात करनी ही नहीं है!! बिल्कुल भी बात नहीं करनी है!! क्योंकि बात करने से लड़ाई होगी! लड़ाई होने से संबंध खराब हो जाएंगे!!

यह सब कपोल-कल्पित बातें क्यों सोची जाती है यह मेरी समझ से बिल्कुल बाहर है! क्योंकि संबंध कोई भी हो, हर जगह संबंध अच्छे स्वस्थ और पवित्र हैं, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है और ना कभी ऐसा था भी!! जिन विषयों पर हम बात नहीं करना चाहते और चुप रहना चाहते हैं, उन पर भी हमारे संबंध अच्छे नहीं होते हैं! क्योंकि जिन बातों के आलोचक होने के कारण या जिन विषयों को हम निंदनीय मानते हैं, उन विषयों पर यदि हम बात नहीं करते, तो सच तो यह है कि वास्तव में हम अंदर ही अंदर उबल रहे होते हैं! चाहे पति-पत्नी का संबंध हो! चाहे परिवार का संबंध हो! चाहे धर्म का संबंध हो! चाहे सामाजिक पृष्ठभूमि की ही कोई बात हो!

यदि कोई भी व्यक्ति, संगठन, समाज, देश, राज्य अथवा कोई भी धर्म अपने भीतर फैली व्यापक बुराइयों की पहचान नहीं करता, अपनी कट्टरताओं की पहचान नहीं करता, अपने भीतर पनप रही विषमताओं की पहचान नहीं करता, तो यह केवल उस समाज के लिए नहीं, अपितु हर किसी के लिए पीड़ादायक-यंत्रणादायक बन जाता है!! अपने परिवार की बात हो, चाहे समाज की बात हो, चाहे धर्म की बात हो। यदि अपने भीतर के हम उन अराजक और अनुचित तत्वों को डिफेंड करते हैं, तो यह डिफेंडिंग अंत में खुद हमारे लिए ही यंत्रणादायक हो जाती है! जो यंत्रणादायक हो चुकने के पश्चात भी वह परिवार, वह धर्म, वह समाज, जो कि हमारा अपना है, इसलिए हम उसके खिलाफ नहीं जा सकते और वह कुछ भी करें, वह हमारा अपना है!! हमारा अपना आदमी है!! हमारा अपना संगठन है!! हमारा अपना समाज है!! हमारा अपना धर्म है!!

तो ऐसे करते-करते, करते-करते हम अपने ही समाज को के कुछ लोगों को भस्मासुर बना लेते हैं!! लेकिन इस बात के लिए कभी राजी नहीं होते कि हमारे बीच एक भयंकर बुराई या अनेकानेक भयंकर बुराइयां पनप रही हैं! और न केवल पनप रही हैं, वे लगातार पल्लवित हो रही हैं, पुष्पित हो रही हैं! लेकिन हम उन्हें अनदेखा किया जा रहे हैं, क्योंकि वह हमारे समाज, धर्म, संगठन या परिवार के अंदर की है! क्या मजाक है यह इस तरह के मजाक से कोई भी सभ्य समाज नहीं जी सकता! कोई भी एक दूसरे के साथ नहीं जी सकता! लेकिन हम में से बहुत सारे शरीफ लोग, शरीफ समाज, शरीफ संगठन या सबके लिए अच्छा बने रहने के लिए आतुर हम वैसे सभी लोग, जो ऐसा करते हैं! वह किसी का भी भला नहीं करते हैं!!

शांति के लिए ओढ़ी गई चुप्पी असल में अंदर ही अंदर उबल रही होती है! जो खुद को कुंठित और क्रोधित कर रही होती है! जिसका उपचार समय रहते हो जाना चाहिए! उसे हम बड़े चाव और यहां तक उसकी प्रशंसा से उसे बड़े से बड़े घाव के रूप में परिणत कर देते हैं और फिर उस घाव का कोई उपचार नहीं हो सकता!! ना कोई युद्ध!! ना कोई संवाद!! इतनी सारी शिक्षा के बावजूद, इतनी सारी आधुनिकता के बावजूद हम यह बात कभी भी समझ नहीं पाए हैं, यह भी एक घोर आश्चर्य का विषय है और ये व्यापक बुराइयां सबसे अधिक धार्मिक विषयों को लेकर है। हम ना तो अपने धर्म-ग्रंथों की विवेचना करना जानते हैं! ना उन्हें अपने आप से कभी पढ़ना ही सीखा है! ना कभी हमने उसका सही अनुवाद जाना है!! हम केवल वही सुनते और उसके अनुसार करते हैं, जो हमारे पोंगा-पंडित, मौलवी, पादरी इत्यादि हमें बतलाते हैं, करवाते हैं!! और यह सब कुछ मानवता के मुख पर बहुत बड़ा कलंक है!! यह मानवता के सब चेहरे पर बहुत बड़ा दाग है!! इसे मिटाने के लिए केवल व्यक्तिगत ही नहीं, अपितु सम्मिलित सद्प्रयास करना मानवता के हित में है ना कि मानवता के विरुद्ध ! किंतु हम कब यह बातें पता नहीं कब समझेंगे!

यहां पर भी वही बात आती है, यदि कोई युग-पुरुष अपने समय में दूसरे की समाज की तो क्या, अपने समाज की व्यापक बुराइयों का उपचार करने की चेष्टा करता है, तो उसके विरुद्ध उसके अपने ही समाज के लोग गोल-बंद हो जाते हैं, क्योंकि वे सभी अपनी उन समस्त बुराइयों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं! तो दूसरे समाजों की तो बात ही क्या कीजिए!

अपनी ही पत्नी या पति की सही आलोचना करने पर संबंध बिगड़ जाते हैं! दूसरों की तो क्या बात कीजिए अपने ही परिवार के किसी सदस्य के सच्ची विवेचना करने पर संबंध खराब हो जाते हैं! तो दूसरे की क्या बात कीजिए, इसी तरह का मामला अपने संगठनों, अपने धर्म अपने समुदायों-समाजों, अपने कबीलों, अपने गुटों इन सभी के मामले में है, दूसरों की तो बात ही क्या कीजिए!

तो प्रश्न यह उठता है कि क्या कभी इसका सही हल या सही निष्कर्ष मिल सकता है आज के परिप्रेक्ष्य में! तो उत्तर यही जान पड़ता है कि नहीं, कदापि नहीं!! क्योंकि यहां पर हाल यह है कि

"अपना चेहरा
ना बदला गया
आईने से
खफा हो गए !!"

और यह बात हर जगह लागू है, अपने स्वयं के संदर्भ में भी, अपने व्यक्तिगत संबंधों के संदर्भ में भी, अपने पारिवारिक और अपने अन्य सभी तरह के संबंधों में भी!!

इसी के निदान के लिए अध्यात्म की आवश्यकता आन पड़ती है! अध्यात्म धर्म नहीं है। अध्यात्म अपने भीतर उतरने की एक प्रक्रिया है। जब हम इसमें उतरते हैं, तो हम शांत-निर्मल और गहरे हो जाते हैं। हमारी यह गहराई हमारे आचरण को भी गहरे तक प्रभावित करती है और तब हम इन उपरोक्त सभी विवादास्पद विषयों का उपचार प्राप्त कर लेते हैं। यद्यपि हमारा यह प्राप्य औरों का भी प्राप्य हो सके, ऐसा नहीं हो सकता!! क्योंकि इसके लिए हर किसी को इस प्रक्रिया में गहरे तक उतरना होगा। अध्यात्म न केवल इस युग के लिए, अपितु हर युग के लिए या हर मनुष्य के लिए एक महत्ती आवश्यकता है और जब हम इसे प्राप्त कर लेते हैं, तब हमें जीवन को या धरती को सुंदर बनाने की या इसे स्वर्ग के समान बनाने की बात करने की आवश्यकता ही नहीं पड़ती! क्योंकि हम में से हर किसी का व्यक्तिगत आचरण ही समाज को सुंदर और स्वर्ग के समान बना डालता है। काश कि हम अपने-अपने धर्म की अपने-अपने समाजों की और सबसे बढ़कर अपनी खुद की उन समस्त कुरीतियों को देख सकें और उन्हें समझ सकें और उन्हें दूर करने में अपने आप को दान दे सकें!! हमारे स्वयं की ही नहीं, अपितु इस संपूर्ण समाज और समूची धरती के स्वास्थ्य की एकमात्र कुंजी केवल और केवल यही है।

मुश्किल में है आधी आबादी की आवाजाही

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत में किसी बस स्टॉप पर खड़ी स्त्री का दृश्य सामान्य प्रतीत हो सकता है, लेकिन यदि हम उसे थोड़ा गहराई से देखें तो वह केवल एक यात्री नहीं दिखाई देती। वह अपने साथ समाज की अनेक परतें, संघर्ष, उम्मीदें और सवाल लेकर खड़ी होती है। वह बस का इंतजार कर रही होती है, लेकिन साथ ही वह अपने अधिकारों, अवसरों और सम्मानजनक अस्तित्व की भी प्रतीक्षा कर रही होती है। विडंबना यह है कि जिस दृश्य को हम प्रतिदिन देखते हैं, उसके सामाजिक और मनोवैज्ञानिक अर्थों को समझने की कोशिश बहुत कम करते हैं।

भारतीय समाज में पुरुष और महिला की सार्वजनिक उपस्थिति को लेकर आज भी एक बड़ा अंतर मौजूद है। यदि रात के समय कोई पुरुष सड़क पर चलता हुआ दिखाई दे, बस का इंतजार करता मिले या किसी चाय की दुकान पर बैठा हो, तो यह एक सामान्य बात मानी जाती है। लेकिन यदि वही दृश्य किसी महिला के साथ हो तो अनेक प्रश्न स्वतः खड़े हो जाते हैं। वह कहां जा रही है अकेली क्यों है इतनी देर तक बाहर रहने की क्या आवश्यकता है कौन उसका इंतजार कर रहा होगा ये प्रश्न केवल जिज्ञासा नहीं हैं, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता के प्रतीक हैं जो महिलाओं की स्वतंत्र आवाजाही को अब भी पूरी तरह सहजता से स्वीकार नहीं कर पाई है।

यह स्थिति केवल छोटे शहरों या ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। महानगरों में भी महिलाएँ सार्वजनिक स्थानों पर स्वयं को पुरुषों की तुलना में अधिक असुरक्षित महसूस करती हैं।

गिरिडीह में सरकार के आदेश को धत्ता बता रहे हैं अधिकारी

डीएम के तबादले के बावजूद नहीं किया जा रहा है विरमित

रफ्तार मीडिया संवाददाता

गिरिडीहः गिरिडीह में कई ऐसे अधिकारी हैं जो सरकार के आदेश को धत्ता बताने में लगे हुए हैं। ऐसे अधिकारी तबादला आदेश निकल जाने के बावजूद अपने चहेते डीपीएम को विरमित करने से परहेज कर रहे हैं। गौरतलब है कि गिरिडीह में लंबे समय से पदस्थापित डीपीएम श्रीकांत कुमार का तबादला रामगढ़ कर दिया गया है। पंचायती राज विभाग के अवर सचिव फुलेंद्र कुमार शर्मा ने 22 मई 2026 को गिरिडीह में पदस्थापित डीपीएम श्रीकांत कुमार का तबादला प्रशासनिक दृष्टिकोण से गिरिडीह से रामगढ़ कर दिया है। जिसका ज्ञापांक संख्या 1532 है। तबादला आदेश निकलने के एक सप्ताह बाद भी डीपीएम श्रीकांत कुमार को विरमित नहीं करना कई सवाल खड़ा कर रहा है। इधर सूत्रों का कहना है कि उक्त डीपीएम को विरमित करने के बजाए उसे रोकने के लिए संबंधित अधिकारियों द्वारा विभागीय पत्राचार शुरू कर दिया गया है। सबसे बड़ी बात यह है कि लगभग डेढ़ साल से यहां एक अन्य डीपीएम पदस्थापित है। बावजूद इसके स्थानान्तरित डीपीएम को विरमित नहीं किया जाना समझ से परे है। इस बाबत जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष महमूद अली खान ने कहा कि जब सरकार ने

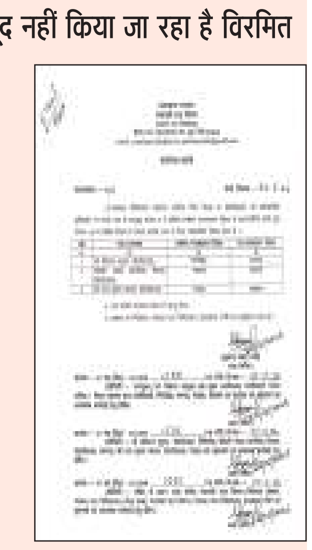

प्रशासनिक दृष्टिकोण से डीपीएम श्रीकांत कुमार का तबादला कर दिया है, तो उसे विरमित नहीं किया जाना कई सवाल खड़े कर रहा है। इससे सरकार के साफ छवि को भी धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। जिला प्रशासन को इस गंभीर मुद्दे पर संज्ञान लेते हुए स्थानान्तरित डीपीएम श्रीकांत कुमार को विरमित करने का आदेश देना चाहिए। जिससे प्रशासन व सरकार की निष्पक्षता पर आम जन का विश्वास बना रहे। बहरहाल सरकार के आदेश का पदाधिकारी कितना पालन करते हैं यह देखना दिलचस्प होगा। बहरहाल गिरिडीह में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के एक्टिंग करने पर बोलीं कुशा कपिला

पिछले कुछ साल में कई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने बॉलीवुड में एंट्री की और एक्टिंग में अपनी किस्मत आजमाई है। इसको लेकर इंडस्ट्री में एक बहस भी छिड़ी है, जहां कई एक्टर्स ने भी इंडस्ट्री की बदलती परिस्थितियों पर खुलकर निराशा व्यक्त की है। वहीं कुछ का कहना है कि सिर्फ फॉलोअर्स देखकर इन्फ्लुएंसर्स को फिल्मों में लेना उचित नहीं है। कुशा कपिला भी इसी लिस्ट में शामिल हैं, जिन्होंने कंटेंट क्रिएटर के रूप में लोकप्रियता हासिल करने के बाद बॉलीवुड में एंट्री मारी है। अब कुशा ने भी इस बहस पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस बात को स्वीकार करते हुए कहा कि एक्टर्स को इसको लेकर चिंताएं जाहिर करना बनता है। बातचीत में कुशा कपिला ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के अभिनय की दुनिया में कदम रखने को लेकर चल रही बहस पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि अभिनेताओं का यह सोचना बिल्कुल सही है कि अगर उन्हें सिर्फ फॉलोअर्स की वजह से काम मिल रहा है, तो उन्हें प्रोजेक्ट्स में मुख्य भूमिका निभानी चाहिए। क्योंकि उन्होंने इसके लिए पढ़ाई की है, इसलिए उन्हें ही प्रोजेक्ट्स में लीड रोल निभाना चाहिए। हालांकि, उनका मानना है कि अगर कोई कंटेंट क्रिएटर एक्टिंग के लिए समय निकालता है, मेहनत करता है, दोबारा पढ़ाई करता है, सीखता है, वर्कशॉप में हिस्सा लेता है, तो चीजें बदल जाती हैं। वहां ये तर्क काम नहीं कर सकता। उदाहरण के लिए भुवन बाम जैसे किसी को ही देख लीजिए, वे अपना कंटेंट खुद प्रोड्यूस कर रहे हैं और उनके कॉन्सेप्ट का सबूत भी मौजूद है। ऐसा नहीं है कि आपको सिर्फ पांच साल में खुद को साबित करना है। एक एक्टर कहीं से भी आ सकता है।

मैं खुद को हर मौके के लिए तैयार रखना चाहती हूं

कंटेंट क्रिएशन के बाद एक्टिंग में आने के बाद कुशा कपिला अब कई फिल्मों व सीरीज का हिस्सा रह चुकी हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या अब उन्हें सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से ज्यादा एक अभिनेत्री के रूप में पहचाना जा रहा है? इस पर कुशा ने जवाब दिया, हां बहुत से लोग मुझे मेरे प्रोजेक्ट्स के जरिए ही पहचानते हैं।' अपने करियर को लेकर उन्होंने कहा कि मैंने अपने करियर की शुरुआत नेटफ्लिक्स के साथ 'घोस्ट स्टोरीज' से की थी। मैं एक बहुत ही साधारण गति से आगे बढ़ रही हूं। मुझे लगता है कि जब भी कोई बड़ा मौका सामने आता है, मैं उसके लिए तैयार रहना चाहती हूं। मैं खुद को कमतर नहीं दिखाना चाहती। मुझे लगता है कि 'मामला लीगल है' सीजन 2 के बाद मैं अब हूं। किसी बड़े अवसर के लिए समय निकालना जरूरी है, बजाय इसके कि वह ऐसे समय मिले जब आप उसके साथ न्याय न कर सकें। मुझे अपने करियर में बहुत मजा आ रहा है।

रवि किशन के शो में नजर आई हैं कुशा

'घोस्ट स्टोरीज' से एक्टिंग में अपनी शुरुआत करने वाली कुशा कपिला 'प्लान ए प्लान बी', 'सेल्फी', 'सुखी', 'थैंक यू फॉर कमिंग', 'मसाबा मसाबा' और 'केस तो बनता है' जैसे कई प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में वो रवि किशन के पॉपुलर शो 'मामला लीगल है' के दूसरे सीजन में एक वकील के किरदार में नजर आई हैं।

पुलिसिया अंदाज में करिश्मा कपूर ने की वापसी

अभिनेत्री करिश्मा कपूर आखिरी बार 2024 में 'मर्डर मुबारक' में नजर आई थीं। एक समय अपने रोमांटिक किरदारों के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस अब 'ब्राउन' में नजर आने वाली हैं। इस वेब सीरीज का टीजर भी रिलीज हो चुका है, जिसे देखकर अभिनेत्री के फैंस बेहद खुश हैं। वेब सीरीज 'ब्राउन' में करिश्मा कपूर पुलिस अधिकारी के रूप में नजर आएंगी। टीजर के मुताबिक वह रीटा ब्राउन का किरदार निभाएंगी, जो एक ईमानदार पुलिस अधिकारी है। इसके साथ ही वह एक बहुत ही गंभीर केस की जांच कर रही है। अपने व्यक्तिगत जीवन में वह कई समस्याओं से जूझ रही है। मगर वह अपने फर्ज को शिद्दत से निभाती है।

'सिटी ऑफ डेथ' उपन्यास पर आधारित वेब सीरीज 'ब्राउन' की कहानी मुख्य रूप से उपन्यास 'सिटी ऑफ डेथ' पर आधारित है, जिसे 2016 में अभेक बरुआ ने लिखा था। सीरीज का मुख्य किरदार रीता ब्राउन एक तेजतर्रार पुलिस अधिकारी है, जो अपने आस -पास की दुनिया से ऊब चुकी है। इसके साथ ही वह शराब की लत से जूझ रही है। यह सीरीज टीजर देखने पर किसी साइकोलॉजिकल क्राइम ड्रामा जैसी लग रही है।

मां ने दी थी करण के साथ लिव-इन में रहने की सलाह

करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश की लव स्टोरी एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है। हाल ही में करण कुंद्रा ने तेजस्वी प्रकाश को प्रपोज किया है। करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश ने अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की। करण कुंद्रा ने बताया कि तेजस्वी की मां शुरुआत में अपनी बेटी को लेकर काफी प्रोटेक्टिव थीं। उन्होंने कहा, 'उनकी मां ने मुझसे कहा था कि उन्हें अपनी बेटी पर बिल्कुल भरोसा नहीं है और मुझे उसके बारे में सोचने के लिए समय लेना चाहिए, क्योंकि वो थोड़ी अलग है। हालांकि, उनके पिता हमारे रिश्ते को लेकर ठीक थे।' वहीं तेजस्वी प्रकाश ने बताया कि उनकी मां चाहती थीं कि शादी से पहले दोनों एक-दूसरे को अच्छे से समझ लें। उन्होंने कहा, 'मेरी मां चाहती थीं कि करण पूरी तरह कम्फर्टेबल हो। शादी का फैसला लेने से पहले उन्होंने ही हमें लिव-इन रिलेशनशिप में रहने की सलाह दी थी।

अनुराग कश्यप की फिल्म 'बंदर' में बॉबी देओल लीड के अपोजिट नजर आएंगी सपना पब्बी

अनुराग कश्यप की अपकमिंग फिल्म 'बंदर' जल्द ही रिलीज होने वाली है। फिल्म में बॉबी देओल लीड रोल में हैं, वहीं सपना पब्बी उनके अपोजिट नजर आएंगी। ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। सपना पब्बी एक ब्रिटिश अभिनेत्री और मॉडल हैं, जो भारतीय टीवी, फिल्मों और वेब सीरीज में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। इन दिनों वह अपनी आने वाली फिल्म 'बंदर' के ट्रेलर लॉन्च के बाद फिर से चर्चा में हैं। 5 जून को रिलीज होने जा रही 'बंदर' एक साइकोलॉजिकल ड्रामा और मिस्ट्री फिल्म है, जो आम कमर्शियल फिल्मों से काफी अलग नजर आ रही है। ट्रेलर में बॉबी देओल एक बिल्कुल नए और गंभीर अंदाज में दिखाई दे रहे हैं। वह ऐसे शख्स का किरदार निभा रहे हैं, जिस पर कई युवतियों के साथ यौन शोषण और हमला करने के आरोप लगे हैं। ट्रेलर आगे बढ़ने के साथ कहानी में सपना पब्बी का किरदार बेहद अहम हो जाता है। पहले वह बॉबी देओल के करीब नजर आती हैं, लेकिन बाद में उनके खिलाफ खड़ी दिखाई देती हैं। इसी ट्विस्ट ने फिल्म को लेकर लोगों की उत्सुकता और बढ़ा दी है।

सपना पब्बी ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2013 में टीवी शो 24 से की थी, जिसमें उन्होंने अनिल कपूर के साथ काम किया था। इसके बाद वह 'खामोशियां', अरदास करण, 'मर गए ओए लोको' और 'ऑलमोस्ट प्यार विद डीजे मोहब्बत' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। फिल्मों और वेब सीरीज के अलावा सपना पब्बी का नाम कुछ साल पहले सुशांत सिंह राजपूत केस से जुड़ी जांच के दौरान भी चर्चा में आया था। उन्होंने सुशांत के साथ 'ड्राइव' फिल्म में काम किया था। बाद में ड्रग्स जांच से जुड़े कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में उनका नाम सामने आया।

उस समय रिपोर्ट में दावा किया गया था कि जांच एजेंसियों के सामने पेश होने से पहले सपना पब्बी लंदन चली गई थीं। हालांकि अभिनेत्री ने इन खबरों को गलत बताया था। उन्होंने साफ कहा था कि वह सिर्फ अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए लंदन गई थीं।

ज्योतिका ने निर्देशक अश्विनी अय्यर तिवारी की तारीफ की

अभिनेत्री ज्योतिका इन दिनों अपनी फिल्म 'सिस्टम' को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। मुंबई में हुए प्रमोशनल इवेंट के दौरान ज्योतिका ने आईएएनएस से फिल्म, अपने किरदार और निर्देशक के साथ काम करने के अनुभव को लेकर बात की। इस दौरान उनके साथ अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा भी मौजूद थीं। बातचीत के दौरान ज्योतिका ने फिल्म की निर्देशक अश्विनी अय्यर तिवारी की तारीफ की और बताया कि महिला निर्देशक के साथ काम करने का अनुभव उनके लिए काफी अलग और बेहद आरामदायक रहा।

ज्योतिका ने कहा, ''सेट पर मुझे एक अलग तरह की सहजता महसूस हुई। मैं यह बात बहुत गर्व के साथ कह सकती हूं कि महिला निर्देशक के साथ काम करना ज्यादा कंफर्टेबल लगा। कई बार कलाकारों के मन में कुछ विचार होते हैं, जिन्हें वे चाहते हैं कि स्क्रीन पर सही तरीके से दिखाया जाए। अश्विनी अय्यर तिवारी ने हमें उसी नजरिए से समझा और स्क्रीन पर पेश किया।''

अभिनेत्री ने आगे कहा, ''फिल्म में कुछ ऐसे सीन्स भी थे, जिन्हें चाहें तो ज्यादा ग्लैमरस बनाया जा सकता था ताकि दर्शकों का ध्यान जल्दी खींचा जा सके। लेकिन, निर्देशक ने ऐसा करने के बजाय किरदारों की गरिमा को प्राथमिकता दी। मुझे सबसे ज्यादा यही बात पसंद आई कि फिल्म में मुझे और सोनाक्षी सिन्हा को बहुत सम्मानजनक तरीके से दिखाया गया।''

ज्योतिका ने फिल्म में अपने किरदार को लेकर भी विस्तार से बात की। उन्होंने कहा, ''मैं फिल्म में एक स्टेनोग्राफर की भूमिका निभा रही हूं। इस किरदार के लिए मुझे टाइपिंग और स्क्रीन के सामने लगातार काम करते हुए दिखना था। कई बार कैमरे में लैपटॉप का कीबोर्ड ही नजर नहीं आता था, इसलिए मेरा पूरा ध्यान टाइपिंग से ज्यादा अभिनय और भावनाओं को सही तरीके से दिखाने पर होता था।''

उन्होंने कहा, ''आज के समय में लगभग हर व्यक्ति मोबाइल, लैपटॉप और दूसरे गैजेट्स का इस्तेमाल करता है, इसलिए कंप्यूटर पर काम करना मेरे लिए नया अनुभव नहीं था। किरदार को वास्तविक दिखाने के लिए मुझे टाइपिंग स्पीड पर थोड़ा ध्यान देना पड़ा और उसी दौरान चेहरे के एक्सप्रेशन भी बनाए रखने होते थे।'' अभिनेत्री ने कहा, ''इस रोल के लिए मुझे ज्यादा तैयारी की जरूरत नहीं पड़ी, लेकिन कुछ छोटी-छोटी चीजों पर मेहनत करनी पड़ी। इस किरदार में सबसे अहम चीज भावनाओं को सही तरीके से दिखाना था।''

बेटे, पति और पिता की जिम्मेदारियों पर बोले सैफ अली खान

सैफ अली खान से पूछा गया कि क्या एक बेटे, पति, पिता, ऐक्टर जैसी विविध भूमिकाएं निभाते हुए क्या उन्हें लगता है कि कोई कर्तव्य वे ठीक से नहीं निभा पाए? इस सवाल पर उन्होंने कहा, 'हमेशा ही। कहीं न कहीं कमी तो होती रहती है और बुरा भी लगता है।

'हम तुम' और 'दिल चाहता है' के शहरी और दिलफेंक आशिक से लेकर 'ओंकारा' के कुटिल लंगड़ा त्यागी और 'तान्हा जी' के क्रूर विलन तक। 'कल हो न हो' के चार्मिंग रोहित से लेकर 'सेक्रेड गेम्स' के गंभीर सरताज सिंह तक, सैफ अली खान ने अपने 33 साल लंबे करियर में खुद को वर्सेटाइल ऐक्टर साबित किया है। इन दिनों वह नेटफ्लिक्स पर आई अपनी नई फिल्म 'कर्तव्य' में एक समर्पित ठेठ हरियाणवी पुलिसवाले के किरदार को लेकर चर्चा में हैं। लेकिन मजे की बात यह है कि एक समय था जब एक डायरेक्टर ने सैफ को पुलिसवाले का गंभीर किरदार कभी न करने की हिदायत दी थी। यह खुलासा खुद सैफ ने हमसे खास बातचीत के दौरान किया।

गलती से भी कॉप जैसा रोल ना करना

वाकया सैफ की शुरुआती दौर की हिट फिल्म 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' (1994) का है, जिसमें वह अक्षय के किरदार से पुलिसवाले के रोल के लिए ट्रेनिंग लेते हैं। बकौल सैफ, 'जब मैंने मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी की थी तो मेरे डायरेक्टर, जो मेरे दोस्त भी हैं, उन्होंने कहा था कि गलती से भी कभी एक कॉप का रोल न करना। यह कॉमिडी फिल्म है तो निकल जाएगी लेकिन एक सीरियस कॉप का रोल अभी तुम नहीं कर पाओगे तो ये बड़ी अच्छी बात है और मुझे खुद पर गर्व है कि 20 या 25 साल के बाद मैं एक पुलिसवाले का रोल कर पाया (हंसते हैं)। इस फिल्म में पवन जिस तरह के दबाव में अपनी ड्यूटी निभाता है, जैसे अपनी दिक्कतों का समाधान ढूंढता है, वो आसान नहीं है। उसकी फिलॉसफी भी रोचक है। असल में वह हीरो है।'

ओंकारा बहुत स्पेशल फिल्म थी

'कर्तव्य' का ठेठ हरियाणवी कॉप हो या 'ओंकारा' का देसी लंगड़ा त्यागी, सैफ की अदाकारी ऐसे किरदारों में ज्यादा निखरकर सामने आती है, जबकि निजी तौर पर इस दुनिया से उनका बिल्कुल राब्ता नहीं रहा। ऐसे किरदारों के प्रति अपने अप्रोच के बारे में वह बताते हैं, 'यह थोड़ा मुश्किल होता है मेरे लिए। खासकर सोशल और कल्चरल बैकग्राउंड को लेकर जो छोटी-छोटी बारीकियां होती हैं। जैसे लंगड़ा त्यागी का जो भी बॉडी लैंग्वेज है, जैसे वो जोर-जोर से अपना सिर खुजाता है, वह मेरी अपनी बॉडी लैंग्वेज से बिल्कुल अलग है। मैं वैसे कभी सिर नहीं खुजाऊंगा। उसका अंदाज काफी वाइल्ड है, मगर उसी में मजा है कि ऐसा इंसान भी हो सकता है। बतौर ऐक्टर ये चीजें इंट्रेस्टिंग होती हैं।' वहीं, 'ओंकारा' के अनुभव को याद करते हुए वह कहते हैं, 'ओंकारा बहुत ही स्पेशल फिल्म थी। उसमें सबका उत्साह अलग था। विशाल भारद्वाज (डायरेक्टर) ने नैशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) और मेनस्ट्रीम कमर्शल फिल्म ऐक्टर्स को एक छत के नीचे लाकर साथ में काम करवाया जो बहुत ही कमाल का अनुभव था। हम सबने एक दूसरे से काफी कुछ सीखा। एक तरह से वो बहुत ही बढ़िया वर्कशॉप था।

बच्चों को कड़ी मेहनत के लिए बढ़ावा देता हूं

सैफ के बच्चे सारा और इब्राहिम अली खान भी अब ऐक्टिंग की दुनिया में कदम रख चुके हैं। इस भावी पीढ़ी को ऐक्टिंग की उनकी विरासत को आगे बढ़ाते देखने के अनुभव पर उन्होंने कहा, 'एक पिता के रूप में मैं बहुत खुश हूं कि वे काम करना चाहते हैं। मैं उन्हें पूरी तरह सपोर्ट करता हूं। मैं उन्हें कड़ी मेहनत करने के लिए बढ़ावा देता। खुद पर काम करने की सीख देता हूं क्योंकि सबसे जरूरी चीज है लगातार आगे बढ़ते रहना, कोशिश करते रहना और खुद को बेहतर बनाते रहना, जैसा कि हम सभी करते हैं। क्या उनके भविष्य को लेकर वह फिक्रमंद भी होते हैं? यह पूछने पर वह कहते हैं, 'बिल्कुल। हर माता-पिता को अपने बच्चों के भविष्य और उनकी खुशियों की फिक्र रहती है।' वहीं, एक बेटे, पति, पिता, ऐक्टर जैसी विविध भूमिकाएं निभाते हुए क्या उन्हें लगता है कि कोई कर्तव्य वे ठीक से नहीं निभा पाएं? इस सवाल पर उन्होंने कहा, 'हमेशा ही। कहीं न कहीं कमी तो होती रहती है और बुरा भी लगता है कि काश यहां ये कर लेता तो मैं बेहतर हो सकता था। उसके लिए वो कर देता तो बेहतर हो सकता था। एक कोशिश हमेशा होती है कि अच्छी तरह अपनी जिम्मेदारियां निभाऊं।

आईपीएल 2026 : आरसीबी और टाइटंस के बीच आज होगा खिताबी मुकाबला

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। अहमदाबाद (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई है, जिसके चलते करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों की निगाहें इस महामुकाबले पर टिकी हुई हैं। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार का फाइनल हाल के वर्षों के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक साबित हो सकता है।

आरसीबी लगातार दूसरे वर्ष फाइनल में पहुंची है और उसके पास लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने का अच्छा अवसर है। कप्तान रजत पाटीदार के नेतृत्व में टीम ने पूरे सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। आरसीबी ने पहले क्वालिफायर में गुजरात टाइटंस को 92 रन के बड़े अंतर से हराकर सीधे फाइनल का टिकट हासिल किया था। उस मुकाबले में रजत पाटीदार की आक्रामक बल्लेबाजी और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से टीम का मनोबल काफी बढ़ा है। आरसीबी के पास विराट कोहली, फिल सॉल्ट, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा और टिम डेविड जैसे बल्लेबाज हैं किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त करने की क्षमता रखते हैं। वहीं ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या और रोमारियो शेफर्ड टीम को संतुलन प्रदान करते हैं। गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड का अनुभव आरसीबी की सबसे बड़ी ताकत माना जा रहा है, जबकि युवा स्पिनर सुयश शर्मा मध्य ओवरों में विकेट निकालने की क्षमता रखते हैं। जिससे टीम खिताब जीतने की प्रबल दावेदार मानी जा रही है।

वहीं दूसरी ओर गुजरात टाइटंस भी किसी मायने में कम नहीं है। कप्तान शुभमन गिल शानदार फॉर्म में हैं और दूसरे क्वालिफायर में उनके शतक ने टीम आसानी से फाइनल में पहुंच गीया। उनके साथ साई सुदर्शन ने भी बेहतरीन बल्लेबाजी की है। उसे पास जोस बटलर, ग्लेन फिलिप्स जैसे बल्लेबाज शाहरुख मध्यक्रम को मजबूती देते हैं, जबकि राहुल तेवतिया मैच फिनिशर के तौर पर सफल रहे हैं। स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर और राशिद खान टीम को अतिरिक्त मजबूती प्रदान करते हैं।

गुजरात की सबसे बड़ी ताकत उसकी गेंदबाजी मानी जा रही है। मोहम्मद सिराज,

कगिसो रबाडा और प्रसिद्ध कृष्णा की तेज गेंदबाजी तिकड़ी किसी भी बल्लेबाजी क्रम के लिए परेशान खड़ी कर सकती है। वहीं राशिद खान अपनी फिरकी से मैच का रुख पलटने में सक्षम हैं। अहमदाबाद का मैदान गुजरात का घरेलू मैदान है और यहां टीम का रिकॉर्ड भी शानदार रहा है, जिससे भी उसे हालातों का लाभ मिलेगा।

हालांकि आरसीबी की बल्लेबाजी अधिक अनुभवी और आक्रामक नजर आती है। विराट कोहली का अनुभव, फिल सॉल्ट की तेज शुरुआत और रजत पाटीदार की शानदार फॉर्म टीम के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। दूसरी ओर गुजरात की उम्मीदें शुभमन गिल, जोस बटलर, राशिद खान और मोहम्मद सिराज पर टिकी होंगी।

विशेषज्ञों के अनुसार मुकाबले का परिणाम पावरप्ले और डेथ ओवरों के प्रदर्शन पर काफी हद तक निर्भर करेगा। यदि आरसीबी के शीर्ष क्रम ने मजबूत शुरुआत दी तो टीम बड़ा स्कोर खड़ा कर सकती है, जबकि गुजरात के गेंदबाज शुरुआती झटके देकर मैच पर पकड़ बनाने की कोशिश करेंगे। वहीं अगर शुभमन गिल और साई सुदर्शन की जोड़ी लंबी साझेदारी करने में सफल रही तो गुजरात टाइटंस का पलड़ा भारी हो सकता है। कुल मिलाकर दोनों ही टीमें काफी संतुलित दिखाई दे रहा है ऐसे में प्रशंसकों को एक यादगार फाइनल देखने को मिलेगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनों ही टीमों के बीच 8 मुकाबले हुए हैं। जिसमें दोनों ने ही 4-4 मैच खेले हैं।

टीम इस प्रकार है

आरसीबी: रजत पाटीदार (कप्तान), फिल सॉल्ट (विकेटकीपर), विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, सुयश शर्मा

इम्पैक्ट प्लेयर विकल्प - स्वप्निल सिंह, वेंकटेश अय्यर, रसिख सलाम डार, रिचर्ड ग्लीसन

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, वाशिंगटन सुंदर, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा

इम्पैक्ट प्लेयर विकल्प - साई किशोर, जेसन होल्डर, निशांत सिंधु, अरशद खान।

विनेश फोगाट का एशियन गेम्स 2026 में खेलने का सपना टूटा

-ट्रायल्स के सेमीफाइनल में थमा सफर, मीनाक्षी से हारीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट का एशियाई खेल 2026 में जगह बनाने का सपना चयन ट्रायल्स के सेमीफाइनल में टूट गया। शनिवार को आयोजित ट्रायल्स में 53 किलोग्राम भार वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में उन्हें युवा पहलवान मीनाक्षी गोयत ने 6-4 से हराकर बाहर का रास्ता दिखा दिया। इस हार के साथ 31 वर्षीय विनेश एशियाई खेलों की भारतीय टीम में जगह बनाने से चूक गईं। हालांकि, मुकाबले के बाद उन्होंने हार मानने से इनकार करते हुए वापसी का संकल्प जताया।

ट्रायल्स के दौरान विनेश ने शुरुआती मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले ज्योति को 7-1 से हराया। इसके बाद क्वार्टरफाइनल में निशु के खिलाफ मुकाबला काफी रोमांचक और विवादों से भरा रहा। मुकाबले की शुरुआत में निशु ने 5-0 की बढ़त बना ली थी और एक समय विनेश लगभग फॉल होने की स्थिति में पहुंच गई थीं। हालांकि, अनुभवी विनेश ने शानदार वापसी की। तकनीकी फैसलों, वीडियो रेफरल की तकनीकी दिक्कतों और कोचों की आपत्तियों के बीच मुकाबला बेहद तनावपूर्ण हो गया। स्कोर 6-6 की बराबरी पर पहुंचा तो निशु के एक टेकडाउन प्रयास को अंक नहीं दिए गए। इसके बाद निशु के कोच ने फैसले को चुनौती दी, लेकिन चुनौती असफल रही और विनेश मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल में पहुंच गईं। हार के बाद भावुक निशु ने रेफरी और विनेश से हाथ मिलाने से भी इनकार कर दिया था।

आईपीएल 2026 : वैभव ऑरेंज कैप , रबाडा पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे

मोहाली । आईपीएल के 19 वें सत्र का खिताबी मुकाबला रविवार को होने वाला है। इसमें गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला गुजरात टाइटंस (जीटी) से होगा। अब तक इस सत्र में सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की रेस में राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी सबसे आगे हैं। वैभव की टीम रॉयल्स भले ही टर्नामेंट से बाहर हो गयी है पर दूसरे क्वालीफायर में बनाये 96 रनों के साथ ही उनका अब तक इस सत्र में सबसे अधिक 776 रन हो गये हैं। वैभव के पीछे ऑरेंज कैप की दौड़ में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी। आरआर के खिलाफ 53 गेंदों में 104 रनों की लाजवाब शतकीय पारी खेलकर उन्होंने अपनी टीम को जीत दिलाई और अब 15 मुकाबलों में 722 रनों के साथ दूसरे पायदान पर हैं। गिल के सलामी जोड़ीदार साई सुदर्शन भी कम नहीं रहे, जिन्होंने 16 मुकाबलों में 710 रन बनाकर तीसरे स्थान पर अपना कब्जा जमाया है। सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 15 मुकाबलों में 624 रनों के साथ चौथे और मुंबई इंडियंस के ईशान किशन 602 रनों के साथ पांचवें नंबर पर मौजूद हैं, जो इस सीजन की बल्लेबाजी की गहराई को दर्शाता है। दूसरी ओर सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा नंबर एक पर पहुंच गये हैं। रबाडा ने दूसरे क्वालीफायर मुकाबले में दो महत्वपूर्ण विकेट लेकर आरसीबी के भुवनेश्वर कुमार को दूसरे नंबर पर धकेल दिया। रबाडा अब कुल 28 विकेटों के साथ शीर्ष पर काबिज हैं। भुवनेश्वर कुमार 15 मुकाबलों में 26 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं, जबकि राजस्थान रॉयल्स के घातक तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर 25 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज 14 मुकाबलों में 21 विकेट के साथ चौथे और सनराइजर्स हैदराबाद के युवा गेंदबाज ईशान मलिंगा 20 विकेट लेकर पांचवें पायदान पर हैं।

हार्दिक पांड्या सहित कई बड़े खिलाड़ियों को बाहर कर सकती है मुम्बई इंडियंस : रिपोर्ट

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में मुम्बई इंडियंस की कप्तानी कर रहे हार्दिक पांड्या की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। टीम की हार के बाद उनका अपना प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा है। ऐसे में एक रिपोर्ट के अनुसार आने वाले सत्र में मुम्बई टीम उन्हें शायद ही रिटेन करे। इस सत्र में मुम्बई केवल चार मैच जीतकर 8 अंक हासिल करने में सफल रही है। इससे टीम अंक तालिका में नौवें स्थान पर रही। पिछले सत्र में भी उनकी कप्तानी में टीम असफल रही थी। ऐसे में मुंबई इंडियंस अब अगले सत्र के लिए बड़े बदलाव कर सकती है। इसके तहत कप्तान सहित कई स्टार खिलाड़ियों को बाहर किया जा सकता है। रिपोर्टों के अनुसार, मुंबई इंडियंस के करीबी सूत्रों का भी मानना है कि हार्दिक से कप्तानी छीनी जा सकती है। टीम में उनकी केवल एक खिलाड़ी के रूप में भूमिका पर भी चर्चा हो सकती है। टीम प्रबंधन और कोचिंग स्टाफ इस असफलता के बाद गहन विचार विमर्श के दौर से गुजर रहा है। मुम्बई इंडियंस के आखिरी लीग मैच के बाद हुई कोचिंग स्टाफ की बैठक में भी सीनियर खिलाड़ियों से साफ कह दिया गया कि उन्हें मैदान पर दिए गए कोचिंग निर्देशों और डेटा-आधारित रणनीतियों का पालन करना चाहिए। कई बार खिलाड़ियों ने कोचिंग स्टाफ के सुझावों को नजरअंदाज किया, जिससे टीम को नुकसान हुआ है। टीम की परेशानी केवल कप्तानी तक सीमित नहीं है। टीम इस आईपीएल में पावरप्ले का भी ठीक सही इस्तेमाल नहीं कर पाई, जैसा कि प्लेऑफ में पहुंची कई सफल टीमों ने किया।

शुभमन आईपीएल प्लेऑफ में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

मोहाली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ दूसरे क्वालिफायर मुकाबले में शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाने के दौरान एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया है। शुभमन ने अपनी पारी में 47 गेंदों पर ही 100 रन बना दिये। इससे वह आईपीएल प्लेऑफ में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं।

इस मैच में 215 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए गिल ने यह मैच विजेता पारी खेली, जिससे गुजरात फाइनल में पहुंची।

इस मुकाबले में शुभमन ने 53 गेंदों में 104 रन बनाये। इसमें 15 शानदार चौके और तीन छक्के शामिल थे। यह आईपीएल में शुभमन का कुल पांचवां शतक है, जबकि कप्तान के तौर पर इस लीग में यह उनका दूसरा शतक है। इस दौरान उनकी और साई सुदर्शन के बीच हुई पहले विकेट के लिए 160 रन की साझेदारी हुई।

इस शतक के साथ ही शुभमन आईपीएल प्लेऑफ के इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये। इस प्रकार उन्होंने अपना ही पिछला रिकॉर्ड तोड़ा, जो उन्होंने

2023 सीजन में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 129 रन की पारी के दौरान 49 गेंदों में बनाया था। शुभमन से पहले, रिद्धिमान साहा ने साल 2014 और रजत पाटीदार ने साल 2022 में प्लेऑफ में 49 गेंदों में शतक लगाये थे पर शुभमन ने इस शतक से सबको पीछे छोड़ दिया।

शुभमन अब प्लेऑफ मुकाबलों में दो शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए हैं। उनका पहला प्लेऑफ शतक भी 2023 के दूसरे क्वालिफायर में ही आया था। यह गुजरात टाइटंस के लिए भी सबसे तेज आईपीएल शतक है, जिसमें उन्होंने अपने ही 2023 के रिकॉर्ड (49 गेंदों में शतक) को बेहतर किया।

एक कप्तान के तौर पर आईपीएल प्लेऑफ में शतक लगाने वाले शुभमन गिल पहले खिलाड़ी हैं। उनकी और साई सुदर्शन की पहले विकेट के लिए 160 रन की रिकॉर्ड-तोड़ साझेदारी ने गुजरात की जीत की राह बनी। इस जोड़ी ने 2011 के फाइनल में माइकल हसी और मुरली विजय द्वारा बनाए गए 159 रन की साझेदारी के रिकॉर्ड को ध्वस्त किया। इसके अलावा, यह टी20 क्रिकेट में दोनों के बीच 11वीं शतकीय साझेदारी थी, जो क्रिस गेल और विराट कोहली के 10 शतकीय साझेदारियों के रिकॉर्ड से आगे निकल गई।

वैभव सूर्यवंशी के कायल हुए लेंगर

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी शानदार बल्लेबाजी से छाये हुए वैभव सूर्यवंशी के मुरीद ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और लखनऊ सुपर जॉइंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लेंगर भी हैं। लेंगर ने कहा है कि वह वैभव से प्रभावित हैं। साथ ही कहा कि उनके साथ एक सेल्फी चाहते हैं। जिसे उन्होंने अपनी जिंदगी का सिर्फ दूसरा ऐसा अवसर बताया है। लेंगर ने एक पोस्ट के जरिए इसका खुलासा किया है। लेंगर ने बताया कि राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जॉइंट्स के बीच हुए एक मैच के बाद उन्होंने वैभव से सेल्फी खिंचाने को भी कहा था। लेंगर का मानना है कि आने वाले समय में वैभव क्रिकेट जगत पर छाया रहेगा। इस पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने

कहा कि उन्होंने इससे पहले केवल एक बार किसी खिलाड़ी से सेल्फी खिंचवाने को कहा था। दो साल पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल लीग के दिग्गज स्टीफन माइकल से सेल्फी खिंचाने को कहा था। लेंगर ने लिखा, पिछले हफ्ते मैंने कुछ ऐसा किया, जो अपनी जिंदगी में सिर्फ दूसरी बार ही किया है। मैंने किसी अन्य खिलाड़ी से सेल्फी देने को कहा। वहीं दूसरी बार यही बात 15 साल के वैभव से कही। वैभव सूर्यवंशी ने मेरी टीम लखनऊ सुपर जॉइंट्स के खिलाफ कई चौके और छक्के लगाये। उसने इस आईपीएल सीजन में 65 छक्के लगाये हैं – ये किसी भी टी20 टूर्नामेंट में किसी बल्लेबाज के दूसरे सबसे ज्यादा छक्के हैं। वह पुरुष टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाला खिलाड़ी है। वैभव सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में 12 छक्के जड़कर क्रिस गेल का आईपीएल 2012 में बनाया 59 छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा है। वैभव ने 29 गेंदों में तूफानी 97 रन बनाए थे और क्रिस गेल के आईपीएल इतिहास के सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड को तोड़ने से वह एक गेंद से रह गये। वैभव की इस असाधारण प्रतिभा पर लेंगर ने आगे लिखा, इस खेल में 35 साल तक रहने के बाद, मैं ये विश्वास ही नहीं कर सकता कि ये लड़का ऐसे खेलता है। मैंने उसके जैसा इससे पहले कुछ भी नहीं देखा है।

वैभव को रोकने खतरनाक बाउंसर गेंदों का इस्तेमाल गलत: इरफान पठान

-सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आये

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान इस बात से बेहद चिंतित हैं कि आईपीएल के 19 वें सत्र में असाधारण बल्लेबाजी कर सभी को प्रभावित करने वाले 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के खिलाफ खतरनाक बाउंसर गेंदों का इस्तेमाल हुआ है। इस सत्र में राजस्थान रॉयल्स की ओर से वैभव ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 700 से अधिक रन बनाये। उन्होंने जसप्रीत बुमराह, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क जैसे अनुभवी गेंदबाजों की गेंदों पर भी जमकर चौके छक्के लगाये। पठान के अनुसार जिस प्रकार गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में वैभव को रोकने के लिए बॉडीलाइन बाउंसर फेंकी गयी वह गलत नीति थी।

वैभव के खिलाफ गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों की इस रणनीति को देखकर पठान भड़क गए। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए लिखा, '15 साल के वैभव को रोकने के लिए बॉडीलाइन गेंदबाजी मुझे ठीक नहीं लगती। मुझे पता है कि वह बड़े खिलाड़ियों के खिलाफ खेल रहा है पर मेरे अंदर का पिता इससे सहमत नहीं है।' पठान ने ऐसी बाउंसरों के संभावित घातक परिणामों के बारे में भी सभी को चेताया है।

पठान ने कहा, 'सूर्यवंशी के खिलाफ योजना के तहत ही ऐसा किया गया। एक पिता के तौर पर, जब मैंने उसे देखा, तो गेंद उसके कान पर लगी। बाउंसर की बौछार थी। हमने खिलाड़ियों को बाउंसर के खिलाफ जान गंवाते देखा है। बेशक, योजना अच्छी होगी पर मुझे डर लग रहा था। मैं इससे सहमत नहीं हूं।' उन्होंने अपनी बात को स्पष्ट करते हुए आगे कहा, 'मुझे पता है कि आप पेशेवर क्रिकेट खेल रहे हैं। मैं यह समझता हूं, लेकिन मैं एक बेटे का पिता भी हूं। मैं ये देखकर बहुत मुश्किल स्थिति में था।' पठान ने वैभव की सुरक्षा को लेकर अपनी चिंता जाहिर करते हुए उम्मीद जताई कि वह अपने हेलमेट में अतिरिक्त प्रोटेक्शन का उपयोग करेगा, क्योंकि लोग उसे रोकने के लिए बाउंसर फेंकते रहेंगे। उन्होंने 100 रन बनाने से चूकने पर निराशा भी व्यक्त की, लेकिन उनकी मुख्य चिंता वैभव की सुरक्षा थी। उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी यह राय पेशेवर क्रिकेट से थोड़ी अलग हो सकती है, लेकिन एक युवा खिलाड़ी के प्रति ऐसी बॉडीलाइन रणनीति उन्हें बिलकुल भी पसंद नहीं आई।

सुदर्शन लगातार दूसरी बार हिट विकेट हुए

न्यू चंडीगढ़ । आईपीएल के 19 वें सत्र में गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन लगातार दूसर बार हिट विकेट हुए जो एक अनोखा संयोग है। ये पहली बार है जब कोई क्रिकेटर इस प्रकार हिट विकेट हुआ है। सुदर्शन दोनो ही क्वालीफायर में हिट विकेट हुए। क्वालीफायर 2 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सुदर्शन से अर्धशतक लगाया पर हिट-विकेट होने के कारण वह आउट हुए। इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेले गए क्वालीफायर 1 में भी सुदर्शन हिट विकेट हुए थे। शुक्रवार को पीसीए स्टेडियम में हुए क्वालीफायर 2 का मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जहाँ गुजरात टाइटंस का सामना राजस्थान रॉयल्स से हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए, राजस्थान रॉयल्स ने तय समय 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 214 रन बनाये। इसके बाद 215 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस को कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले ओवर से ही राजस्थान के गेंदबाजों पर दबाव बनाना शुरू कर दिया, मैदान के हर कोने में बाउंड्री बटोरे और रन गति को 10 के पार बनाए रखा। गुजरात ने पावरप्ले का पूरा फायदा उठाया और दसवें ओवर से पहले ही 100 रनों का आंकड़ा पार कर लिया। दोनों बल्लेबाजों ने तेजी से अपने अर्धशतक भी पूरे कर लिए। गिल और सुदर्शन के बीच पहले विकेट के लिए 167 रनों की रिकॉर्डतोड़ साझेदारी हो चुकी थी और गुजरात जीत की तरफ मजबूती से बढ़ रहा था। तभी सुदर्शन एक बार फिर हिट-विकेट हो गए। सुदर्शन के 58 रन पर आउट होने के बाद भी कप्तान शुभमन गिल ने अपना आक्रामक रुख जारी रखा। गिल ने कप्तानी पारी खेलते हुए मात्र 53 गेंदों पर 104 रनों की शतकीय पारी खेली। शुभमन के शानदार शतक की बदौलत गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को सात विकेट से हराकर तीसरी बार फाइनल में जगह बना ली।

फ्रेंच ओपन 2026 : 19 साल के फोंसेका ने जोकोविच हो हराकर किया सबसे बड़ा उलटफेर

पेरिस । यहां रोला गैरा में खेले जा रहे फ्रेंच ओपन टेनिस में सबसे बड़ा उलटफेर हुआ है। सर्बिया के टेनिस स्टार और विश्वकप के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को ब्राजील के 19 साल के फोंसेका ने हराकर सनसनी फैला दी। तीन बार के विजेता और रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच को रोमांचक मुकाबले में फोंसेका ने दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 4-6, 4-6, 6-3, 7-5, 7-5 से हराया। इस मैच की शुरुआत में जोकोविच हावी रहे। उन्होंने पहले दो सेट में अपना दबदबा बनाए रखा और फोंसेका को कोई अवसर नहीं दिया। पर इस युवा खिलाड़ी ने तीसरे सेट से मुकाबले का रुख पलट दिया। उन्होंने अपनी रणनीति बदली, आक्रामक खेल दिखाया और अगले तीनों सेट जीतकर सभी को हैरान कर दिया। यह क्ले कोर्ट पर खेले जा रहे टूर्नामेंट में दूसरा सबसे बड़ा उलटफेर है, जोकोविच से पहले इटली के जेनिक सिनर भी टूर्नामेंट से बाहर हो गये थे। चौथे सेट में फोंसेका हार से सिर्फ पांच पॉइंट दूर थे। जोकोविच 3-4 पर सर्व करते हुए 15/40 की बढ़त पर थे पर फोंसेका ने उन दो ब्रेक अंक बचाकर वापसी करते हुए सेट जीत लिया और मैच को निर्णायक पांचवें सेट तक खींच ले गए। इसके बाद जोकोविच थके हुए दिखे। निर्णायक सेट में भी उन्होंने 3-1 की शुरुआती बढ़त बना ली पर ब्राजीली खिलाड़ी ने फिर से अपनी वापसी की आदत को जारी रखा और आखिरी आठ में से छह गेम अपने नाम करते हुए एक यादगार जीत दर्ज की।

आईआईएचएफ आइस हॉकी विश्व चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी भारतीय टीम

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष और महिला टीमें अगले साल होने वाले आईआईएचएफ आइस हॉकी विश्व चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी है। भारतीय टीमों को इसमें डिविजन 4 में रखा गया है। आइस हॉकी वर्ल्ड चैंपियनशिप अगले साल 14 से 30 मई के बीच जर्मनी के डसेलडोर्फ और मैनहेम में होगी। इसके लिए पुरुष, महिला टीमें राष्ट्रीय शिविरों, खिलाड़ियों के मूल्यांकन, कोचिंग कार्यक्रमों और प्रतिस्पर्धी अनुभव को सहारा लेगी। भारत साल 1989 से ही अंतरराष्ट्रीय आइस हॉकी फेडरेशन का पूर्ण सदस्य रहा है। भले ही भारतीय टीमों का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय टूर्नामेंटस में कुछ खास नहीं रहा हो पर वह लगातार बेहतर करती आई है। देहरादून स्थित हिमाद्री आइस रिंक (भारत का एकमात्र ओलंपिक-आकार का इनडोर आइस रिंक है) इसमें आयोजित 2025 नेशनल आइस हॉकी चैंपियनशिप ने पुरुष, महिला और युवा श्रेणियों की टीमों को बेहतर अनुभव हासिल करने का अवसर दिया है। यूएई में आयोजित आईआईएचएफ महिला एशिया कप 2025 में भारतीय टीम को कांस्य पदक मिला था। इससे भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा था। अब विश्व वर्ल्ड चैंपियनशिप 2027 में महिला और पुरुष दोनों ही वर्ग में अंडर-20 टीमों को भी शामिल करना एक और अहम सफलता है। इससे युवा खिलाड़ियों को बेहतर अनुभव मिलेगा। आईआईएचएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2027 सिर्फ एक और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट नहीं है। आईआईएचएफ प्रतियोगिता प्रणाली के तहत देश विश्व आइस हॉकी में अपनी स्थिति बनाने के लिए अलग-अलग डिवीजन में मुकाबला करते हैं।

रॉयल्स के बाहर होने से वैभव के लिए दुखी हुए अश्विन

-कप्तान और सीनियर खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन पर भड़के

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के क्वालिफायर-2 में गुजरात टाइटंस से हार के साथ ही राजस्थान रॉयल्स की टीम बाहर हो गयी। रॉयल्स के बाहर होने से पूर्व क्रिकेटर आर अश्विन निराश हैं। उनका कहना है कि इस सत्र में वैभव सूर्यवंशी ने असाधारण प्रदर्शन कर टीम को खिताब मुकाबले का दावेदार बना दिया था। पर रियान पराग की गलती से उसके हाथों से ये अवसर निकल गया। अश्विन ने कहा कि वह वैभव के लिए दुखी हैं क्योंकि उनकी मेहनत बेकार हो गयी। वहीं अश्विन ने टीम के सीनियर खिलाड़ियों और कप्तान रियान पराग की जमकर आलोचना करते हुए कहा कि इन लोगों की गलती से टीम बाहर हुई है।

वैभव ने अपने बल पर रॉयल्स को यहां तक पहुंचाया। नॉकआउट चरण में उनकी बल्लेबाजी बेहद प्रभावशाली रही। एलिमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने 97 रनों की धुआंधार पारी खेली, जबकि क्वालीफायर-2 में गुजरात टाइटन्स के सामने भी उन्होंने 96 रन बनाए। पूरे टूर्नामेंट में वैभव ने लगभग 800 रन बनाकर अपने को साबित किया पर अन्य बल्लेबाजों ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया।

अश्विन ने कहा, मैं मायूस हूं, क्योंकि उन्होंने आईपीएल 2026 में बहुत शानदार खेल दिखाया। लेकिन मेरे लिए सबसे खास बात वह पारी थी जो उन्होंने क्वालीफायर-2 में खेली। बेशक, किस्मत ने उनका थोड़ा साथ दिया, लेकिन पिच गेंदबाजों की मदद कर रही थी। उन्होंने मोहम्मद सिराज, कगिसो रबाडा और जेसन होल्डर जैसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों का सामना किया। उन्हें थोड़ी किस्मत का साथ मिला और एक कैच भी गिरा पर जिस प्रकार उन्होंने बल्लेबाजी की उसकी जितनी सराहना की जाये कम है।

अश्विन ने रॉयल्स के अन्य खिलाड़ियों के प्रदर्शन को निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा, मैं जानता हूं कि गुजरात के कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने अच्छी बल्लेबाजी की थी पर रॉयल्स के अन्य बल्लेबाजों ने वैभव का साथ नहीं दिया। क्वालीफायर-2 में हार के बाद वैभव काफी भावुक हो गए थे। अश्विन ने कहा कि एक 15 साल का लड़का हमेशा टीम को मैच जिताने के बारे में सोचता है। उन्होंने राजस्थान के सीनियर बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल और रियान पराग के रन नहीं बनाने पर नाराजगी जताई, जिससे टीम शुरुआत में ही मुकाबले से बाहर हो गई।

वैभव के अलावा, अश्विन ने रियान पराग की कप्तानी पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने मैच के दौरान लिए गए कुछ फैसलों पर पर सवाल उठाते हुए कहा, दासुन शनाका ने नौ गेंदों में तीन रन बनाए, जिनमें से दो गेंदें उन्होंने छोड़ दीं। जोफ्रा आर्चर बल्लेबाजी के लिए डोनोवन फरेरा से पहले आ गए! किसी ने भी वैभव का साथ नहीं दिया, फिर भी वैभव अकेले टीम को जीत दिलाने का प्रयास करते रहे। बीच दीवार बनकर खड़े रहे। ये रियान पराग की कप्तानी के स्तर को दर्शाता है। अश्विन के इन बयानों से स्पष्ट है कि उन्हें युवा वैभव के प्रदर्शन पर गर्व है, लेकिन टीम के वरिष्ठ खिलाड़ियों और नेतृत्व की कमी ने उन्हें बेहद निराश किया है।

संक्षिप्त समाचार

मरियम नवाज की लाहौर में सर्जरी: अस्पताल से ही सरकारी कामकाज देखने का दावा, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज की लाहौर के एक अस्पताल में बड़ी सर्जरी हुई है। प्रांतीय वरिष्ठ मंत्री मरियम औरंगजेब ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मरियम नवाज का ऑपरेशन लाहौर के शरीफ मेडिकल सिटी अस्पताल में हुआ। सर्जरी पूरी होने के बाद उन्हें उनके निवास स्थान 'जति उमरा' में शिफ्ट कर दिया गया है। मंत्री ने यह भी बताया कि अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान भी मुख्यमंत्री ने राज्य के महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्यों की निगरानी की। उन्होंने ईद-उल-अजहा के पहले दिन सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई और अन्य सरकारी मामलों पर नजर रखी। हालांकि, मंत्री ने आधिकारिक तौर पर यह खुलासा नहीं किया कि यह सर्जरी किस वजह से की गई थी। सत्तारूढ़ पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के एक सूत्र ने संकेत दिया है कि मुख्यमंत्री को थायराइड से संबंधित कुछ समस्याएं थीं। संभव है कि यह ऑपरेशन उसी समस्या के समाधान के लिए किया गया हो। इस खबर के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। कुछ यूजर्स इस बात को लेकर हैरान हैं कि सर्जरी के तुरंत बाद कोई व्यक्ति सरकारी कामकाज कैसे देख सकता है। अदील नाम के एक सोशल मीडिया एक्टिविस्ट ने 'एक्स' पर लिखा कि किसी भी बड़े ऑपरेशन के बाद मरीज को पूरी तरह होश में आने में कम से कम 24 से 48 घंटे का समय लगता है। एनेस्थीसिया और तेज दर्द निवारक दवाओं के असर के कारण मरीज को पूरे दिन नींद आती रहती है। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसी स्थिति में अचानक पूरे प्रांत की जिम्मेदारी संभालना मुमकिन नहीं लगता।

नफरत पर भारी पड़ी एकता: प्रिटोरिया के मंदिर में उत्पात के बाद एकजुट हुए 30 धार्मिक दल, दिया भाईचारे का संदेश

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका की राजधानी प्रिटोरिया में एक हिंदू संगठन के मंदिर और कम्युनिटी हॉल में उत्पात की घटना सामने आई है। इस हरकत से पूरा समाज दुखी है। लेकिन नफरत फैलाने वाली इस कोशिश के खिलाफ सभी धर्मों के लोग एक साथ खड़े हो गए हैं। एकजुटता दिखाते हुए करीब 30 धार्मिक संगठनों ने एक साझा बयान जारी किया है। सभी ने प्रिटोरिया हिंदू सेवा समाज (पीएचएसएस) का पूरा साथ देने का वादा किया है। दरअसल, बीते सप्ताहांत कुछ शरारती तत्वों ने मंदिर की बाहरी दीवारों और कांच के दरवाजों पर कुछ नारे लिख दिए थे। त्शवाने के हिंदू, मुस्लिम और ईसाई संगठनों ने इस घटना की जमकर निंदा की है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि लॉडियम के इस हिंदू मंदिर में उत्पात केवल एक समुदाय पर हमला नहीं है। यह हमारे आपसी सम्मान और शांति से रहने के तौर-तरीकों पर हमला है। पूजा करने की जगहें बहुत पवित्र होती हैं। ये जगहें प्रार्थना करने और समाज को जोड़ने के लिए होती हैं। इनका अपमान हम सबको चोट पहुंचाता है।

म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग 30 मई से भारत दौरे पर, पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात

नेप्यीडा, एजेंसी। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि म्यांमार के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग 30 मई से 3 जून 2026 तक भारत की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही यह यात्रा राष्ट्रपति मिन की मौजूदा पद पर भारत की पहली यात्रा होगी। उनके साथ कई कैबिनेट मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और कारोबारी नेताओं का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा। राष्ट्रपति मिन पहले 1 जून को होने वाले इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले थे, लेकिन अफ्रीकी महाद्वीप के कुछ देशों में इबोला वायरस के प्रकोप के कारण चौथे भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन को स्थगित कर दिया गया। चूंकि ब्रुक्ष सम्मेलन भी इसी आयोजन के साथ प्रस्तावित था, इसलिए उसे भी टाल दिया गया। इसके बावजूद म्यांमार के राष्ट्रपति अब भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, राष्ट्रपति मिन 1 जून को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। दोनों नेता भारत और म्यांमार के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा राष्ट्रपति एक बिजनेस फोरम में भी हिस्सा लेंगे। अपने दौरे के दौरान राष्ट्रपति मिन 30 मई को बिहार के बोधगया जाएंगे, जहां वे धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थलों का दौरा करेंगे। इसके बाद 2 जून को वह मुंबई पहुंचेंगे, जहां उद्योग और व्यापार जगत से जुड़े कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के साथ-साथ विभिन्न औद्योगिक स्थलों का दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत की नेबरहुड फर्स्ट, एक्ट ईस्ट और महासागर नीति में म्यांमार का विशेष महत्व है। ऐसे में यह यात्रा दोनों देशों के बहुआयामी संबंधों को और गहरा तथा मजबूत बनाने की दिशा में अहम मानी जा रही है। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में इस्राइल और रूस पर यौन हिंसा के आरोप, पहली बार ब्लैकलिस्ट में नाम

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी होने वाली वार्षिक रिपोर्ट में इस बार इस्राइल और रूस की सेनाओं को पहली बार संघर्ष क्षेत्रों में यौन हिंसा के आरोपों के चलते ब्लैकलिस्ट में शामिल किया गया है। यह रिपोर्ट शुक्रवार को औपचारिक रूप से जारी होने से पहले गुरुवार देर रात सामने आई। करीब 35 पन्नों की इस रिपोर्ट में दुनिया के 12 देशों के 77 सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों का उल्लेख किया गया है, जिन पर युद्ध और संघर्ष के दौरान यौन हिंसा में शामिल होने या जिम्मेदार होने का आरोप है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में ऐसे मामलों में पिछले साल की तुलना में तेज वृद्धि दर्ज की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र ने इस्राइल और कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्रों में हिरासत में रखे गए लोगों के खिलाफ यौन हिंसा के पैटर्न दर्ज किए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने गाजा और वेस्ट बैंक से जुड़े कई मामलों की पुष्टि भी की है। रिपोर्ट के मुताबिक, 14 पुरुषों, 7 महिलाओं, 9 लड़कों और 1 लड़की के साथ यौन हिंसा की घटनाएं दर्ज हुईं। इनमें बलात्कार, सामूहिक बलात्कार, जननांगों पर हमला, जबरन नग्न करना, बिना सुरक्षा कारणों के तलाशी और दुष्कर्म की धमकियां जैसे आरोप शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र ने दावा किया कि कुछ मामलों में इस्राइल डिफेंस फोर्स, जेल सेवा, विशेष बलों और पुलिस इकाइयों के सदस्यों पर सीधे आरोप लगे हैं।

इस पर भड़का इस्राइल; गुटेरेस से तोड़े संबंध : इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र पर गंभीर आरोप लगाते हुए उसे राजनीतिक और भ्रष्ट संगठन करार दिया। साथ ही कहा कि संयुक्त राष्ट्र लंबे समय से इस्राइल को निशाना बना रहा है। इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबा बयान जारी कर कहा कि संयुक्त राष्ट्र की यह कार्रवाई पूरी तरह पक्षपातपूर्ण है। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि यह फैसला हमास द्वारा किए गए वास्तविक यौन अपराधों और इस्राइल के खिलाफ लगाए गए आरोपों के बीच झूठी समानता पैदा करने की कोशिश है।

गुटेरेस पर लगाए गंभीर आरोप : इस्राइल ने इस मुद्दे पर सीधे संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को भी निशाने पर लिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि गुटेरेस अपने कार्यकाल के अंतिम महीनों में बेबुनियाद आरोप गढ़ने का काम कर रहे हैं। मंत्रालय के अनुसार, यही गुटेरेस हैं जिन्होंने 7 अक्तूबर 2023 को हुए हमास हमले को संदर्भित करने की कोशिश की थी और संयुक्त राष्ट्र कर्मचारियों की कथित संलिप्तता को छिपाया था। अब वे बिना किसी तथ्य के इस्राइल पर आरोप लगा रहे हैं। इस्राइल ने दावा किया कि उसने सभी आरोपों का पूरी तरह और स्पष्ट रूप से खंडन किया है। इस विवाद के बीच इस्राइल ने बड़ा कदम उठाते हुए घोषणा की कि नए महासचिव की नियुक्ति तक वह संयुक्त राष्ट्र महासचिव कार्यालय के साथ सभी आधिकारिक संबंध समाप्त कर रहा है। इसे संयुक्त राष्ट्र और इस्राइल के रिश्तों में बड़ा तनाव माना जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र में इस्राइल के राजदूत डैनी डैनन ने भी इस फैसले पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि इस्राइल को ब्लैकलिस्ट में डालना और हम पर युद्ध के हथियार के रूप में यौन हिंसा इस्तेमाल करने का आरोप लगाना बेहद शर्मनाक फैसला है। उन्होंने आगे कहा अब हमारा इस महासचिव से कोई संबंध नहीं बचा है। रूस की सेना और सुरक्षा बलों को भी पहली बार इस सूची में शामिल किया गया है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि यूक्रेन युद्ध के दौरान युद्धबंदियों और नागरिक बंदियों के साथ यौन हिंसा की गई। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, रूस और उसके कब्जे वाले यूक्रेनी क्षेत्रों में 310 मामलों की पुष्टि हुई है। इनमें ज्यादातर पीड़ित पुरुष बताए गए हैं। हालांकि रूस ने भी इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि यह राजनीतिक एजेंडा का हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजदूत वासिली नेबेंजिया ने कहा कि रूस भी यूक्रेन द्वारा रूसी युद्धबंदियों के साथ किए गए व्यवहार पर रिपोर्ट तैयार कर रहा है। रिपोर्ट में हमास का नाम भी शामिल है। 7 अक्तूबर 2023 को इस्राइल पर हुए हमले के बाद हमास पहले से ही संयुक्त राष्ट्र की ब्लैकलिस्ट में मौजूद है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि इस्राइल द्वारा जांच के लिए पर्याप्त पहुंच नहीं दिए जाने के कारण कई मामलों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी।

'ईरान-अमेरिका समझौते के करीब लेकिन अभी डील नहीं हुई है', उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का बड़ा बयान

मैरीलैंड (अमेरिका), एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध को समाप्त करने और दीर्घकालिक शांति स्थापित करने की दिशा में बातचीत अंतिम चरण में पहुंचती दिख रही है। हालांकि, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने स्पष्ट किया है कि दोनों देशों के बीच अभी भी कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति बनना बाकी है और यह कहना जल्दबाजी होगी कि अंतिम समझौता कब और क्या हो पाएगा। जेडी वेंस ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि दोनों पक्ष कुछ बिंदुओं और विशेष रूप से यूरेनियम संवर्धन के मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम अभी वहां नहीं पहुंचे हैं, लेकिन काफी करीब हैं और बातचीत जारी रहेगी। वेंस ने दावा किया कि अगर समझौता हो जाता है तो इससे होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से पूरी तरह खोला जा सकेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका पहले ही ईरान की पारंपरिक सैन्य क्षमताओं को काफी कमजोर कर चुका है और उसके परमाणु कार्यक्रम को लंबे समय तक पीछे धकेलने की स्थिति में है। उनके अनुसार यह अमेरिकी जनता के हित में होगा।

युद्धविराम बढ़ाने का प्रस्ताव : रिपोर्टों के अनुसार, प्रस्तावित समझौते में मौजूदा युद्धविराम को 60 दिनों के लिए बढ़ाने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम के भविष्य पर औपचारिक वार्ता शुरू करने की योजना शामिल है। अमेरिकी अधिकारियों ने दावा किया है कि दोनों देशों के बीच एक रूपरेखा तैयार हो चुकी है, लेकिन उसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी नेतृत्व की मंजूरी मिलना अभी बाकी है। हालांकि, ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम ने इन दावों का खंडन करते हुए कहा है कि किसी समझौते को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है और न ही इसकी पुष्टि हुई है।

परमाणु कार्यक्रम सबसे बड़ा मुद्दा : अमेरिका लंबे समय से ईरान से उच्च स्तर के संवर्धित यूरेनियम का उत्पादन बंद करने और मौजूदा भंडार को खत्म करने की मांग करता रहा है। वाशिंगटन का मानना है कि इस सामग्री का उपयोग परमाणु हथियार बनाने में किया जा सकता है। वेंस ने कहा कि अमेरिका को लगता है कि ईरान इस बार अच्छी नीयत के साथ बातचीत कर रहा है। हालांकि, अप्रैल में युद्धविराम लागू होने के बाद से राष्ट्रपति ट्रंप कई बार यह कह चुके हैं कि समझौता करीब है, लेकिन अब तक कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, संभावित समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने का प्रावधान हो सकता है।

पश्चिम एशिया संघर्ष: अमेरिकी वित्त मंत्री का दावा- आर्थिक नाकेबंदी से बेदम ईरान अब परमाणु डील के लिए मजबूर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच महीनों से जारी भारी तनाव के बाद आखिरकार एक बड़ी कूटनीतिक कामयाबी मिलती दिख रही है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने एलान किया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य कार्रवाई और आर्थिक प्रतिबंधों की रणनीति रंग लाई है। इसी भारी दबाव की वजह से ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत करने के लिए टेबल पर आने को मजबूर हुआ है। बेसेंट ने कहा कि यह सफलता आज तक कोई दूसरा अमेरिकी प्रशासन हासिल नहीं कर पाया था। अब ईरान को अपना परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से छोड़ना होगा।

स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ईरान के साथ कोई भी समझौता पूरी तरह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इच्छा पर निर्भर करता है। ट्रंप अमेरिकी जनता के हितों से कोई समझौता नहीं करेंगे। इस समझौते के लिए अमेरिका ने ईरान के सामने बेहद सख्त शर्तें रखी हैं:- ईरान को गारंटी देनी होगी कि वह कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। सामरिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्ग होर्मुज से जहाजों की आवाजाही को पूरी तरह मुक्त करना होगा। जब तक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पूरी तरह नहीं खुलता और ईरान यूरेनियम सौंपने पर राजी नहीं होता, तब तक कोई भी डील फाइनल नहीं होगी। ईरान की ओर से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद किए जाने से वैश्विक तेल सप्लाई ठप हो गई थी। फिलहाल करीब 2,000 व्यापारिक जहाज खाड़ी से बाहर निकलने का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, बातचीत शुरू होने से मई में कच्चे तेल की कीमतें 10 फीसदी तक गिर चुकी हैं और संकट टलते ही दाम और तेजी से नीचे आएंगे।

एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों देशों के वार्ताकारों ने 60 दिनों के अस्थायी समझौता ज्ञापन का मसौदा तैयार कर लिया है। इसका उद्देश्य मौजूदा नाजुक युद्धविराम को आगे बढ़ाना है। मंगलवार तक सभी शर्तें तय हो चुकी हैं, बस दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व की मंजूरी बाकी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अंतिम मसौदे की समीक्षा के लिए कुछ दिनों का समय मांगा है। यदि यह समझौता फाइनल होता है, तो यह 28 फरवरी को शुरू हुए संघर्ष के बाद से अब तक की सबसे बड़ी कूटनीतिक जीत होगी।

टेस्टिंग के दौरान फटा ब्लू ओरिजिन का रॉकेट; आसमान में दिखा खौफनाक मंजर; मस्क ने दी प्रतिक्रिया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अरबपति जेफ बेजोस की स्पेस कंपनी ब्लू ओरिजिन को उस समय बड़ा झटका लगा जब उसका विशाल न्यू ग्लेन रॉकेट लॉन्च पैड पर टेस्टिंग के दौरान अचानक विस्फोट का शिकार हो गया। यह घटना गुरुवार रात फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्थित लॉन्च कॉम्प्लेक्स-36 में हुई। रॉकेट में इंजन फायरिंग टेस्ट चल रहा था, तभी तेज धमाके के साथ आग का बड़ा गोला आसमान में दिखाई दिया। धमाका इतना जबरदस्त था कि आसपास के कई इलाकों में घर तक हिल गए। सोशल मीडिया पर लोगों ने धमाके की तस्वीरें और वीडियो साझा किए, जिनमें आसमान नारंगी रंग की आग से चमकता नजर आया।

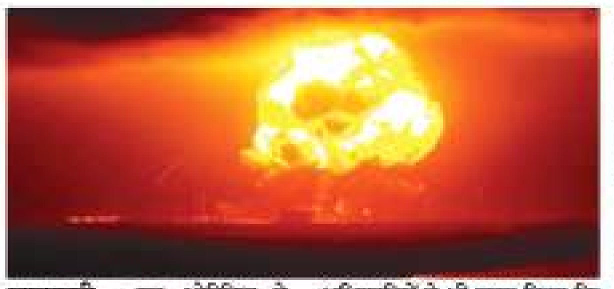

कंपनी ने सभी कर्मचारियों के सुरक्षित होने की दी जानकारी : ब्लू ओरिजिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी कर कहा कि टेस्ट के दौरान तकनीकी गड़बड़ी हुई थी। कंपनी के मुताबिक, सभी कर्मचारियों की गिनती कर ली गई है और कोई भी घायल नहीं हुआ है। कंपनी ने कहा कि आज के हॉटफायर टेस्ट के दौरान हमें एक असामान्य स्थिति का सामना करना पड़ा। मामले की जांच की जा रही है और जल्द अपडेट साझा किया जाएगा। स्थानीय आपातकालीन अधिकारियों ने भी साफ किया कि विस्फोट के बाद किसी जहरीले धुएं या अन्य खतरे की आशंका नहीं है।

एलन मस्क की आई प्रतिक्रिया : स्पेसएक्स के मालिक और अरबपति उद्यमी एलन मस्क ने इस घटना पर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बेहद संक्षिप्त टिप्पणी करते हुए लिखा 'बहुत दुर्भाग्यपूर्ण। रॉकेट कठिन होते हैं।' ब्लू ओरिजिन का न्यू ग्लेन रॉकेट पहले भी तकनीकी समस्याओं को लेकर चर्चा में रहा है। अप्रैल में इसकी उड़ान को रोक दिया गया था क्योंकि इंजन फेल होने के कारण यह एक सैटेलाइट को गलत कक्षा में छोड़ बैठा था। यह न्यू ग्लेन रॉकेट की केवल तीसरी उड़ान मानी जा रही थी। ब्लू ओरिजिन इस भारी-भरकम रॉकेट का इस्तेमाल नासा के चंद्र मिशनों के लिए लैंडर लॉन्च करने में करना चाहता है।

अंतरिक्ष दौड़ में बड़ा नाम बनना चाहती है ब्लू ओरिजिन : जेफ बेजोस की कंपनी ब्लू ओरिजिन लंबे समय से एलन मस्क की स्पेसएक्स को चुनौती देने की कोशिश कर रही है। न्यू ग्लेन रॉकेट को कंपनी के भविष्य के सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में गिना जाता है। इस रॉकेट का नाम अमेरिका के पहले अंतरिक्ष यात्री जॉन ग्लेन के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले पहले अमेरिकी के रूप में इतिहास रचा था।

स्पेलिंग बी के चैंपियन बने भारतीय मूल के छात्र श्रेय पारिख; 90 सेकंड में बताए 32 शब्द, इतना मिला इनाम

सैक्रामेंटो, एजेंसी। कैलिफोर्निया के 14 वर्षीय भारतीय मूल के छात्र श्रेय पारिख ने प्रतिष्ठित स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने न्यू जर्सी के ईशान गुप्ता को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। प्रतियोगिता के निर्णायक स्पेल-ऑफ राउंड में श्रेय और ईशान को 90 सेकंड के भीतर अधिक से अधिक शब्दों की सही स्पेलिंग बताने का मौका मिला। श्रेय ने 90 सेकंड में 32 शब्दों की सही स्पेलिंग बताई, जबकि ईशान 25 शब्द ही सही लिख सके। इसी प्रदर्शन के दम पर श्रेय को विजेता घोषित किया गया। श्रेय पारिख इससे पहले साल 2022 स्क्रिप्स स्पेलिंग बी में पारिख 89वें स्थान पर आए थे। साल 2024 में तीसरे स्थान पर रहे थे। 2024 में भी प्रतियोगिता के फाइनल तक पहुंचे थे। इस जीत के साथ उन्हें 50,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि यानी लगभग 41.5 लाख रुपये अपने नाम कर ली। साथ ही एक स्मारक पदक, प्रतिष्ठित स्क्रिप्स कप, मेरियम-वेबस्टर की ओर से 2,500 डॉलर, डेल्टा एयरलाइंस की ओर से 1,000 डॉलर के फ्लाइट क्रेडिट और एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका की ओर से 400 डॉलर मूल्य की संदर्भ पुस्तकें प्रदान की जाएंगी। तीन दिवसीय यह प्रतियोगिता सोमवार को वॉशिंगटन स्थित डीए आर कॉन्स्टिट्यूशन हॉल में शुरू हुई थी। इसमें अमेरिका के सभी 50 राज्यों, डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया, गुआम, प्यूर्टो रिको, यूएस वर्जिन आइलैंड्स, यूरोप स्थित रक्षा विभाग के स्कूलों और बहामास, कनाडा, घाना, नाइजीरिया व संयुक्त अरब अमीरात सहित पांच अन्य देशों के कुल 247 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के अंतिम दौर में नौ प्रतिभागियों ने जगह बनाई थी। वहीं, जॉर्जिया के 12 वर्षीय सर्व धारवाने तीसरे स्थान पर रहे। स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित स्पेलिंग प्रतियोगिताओं में से एक है, जिसका आयोजन हर साल अमेरिका में किया जाता है। इस प्रतियोगिता में हजारों छात्र हिस्सा लेते हैं और कई चरणों से गुजरने के बाद विजेता का चयन होता है। इस प्रतियोगिता में केवल आठवीं कक्षा तक के छात्र भाग ले सकते हैं और उनकी उम्र 15 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। प्रतियोगियों को सबसे पहले दो प्रारंभिक राउंड पास करने होते हैं। इनमें एक स्पेलिंग राउंड और एक मल्टीपल-चॉइस वोकैबुलरी राउंड शामिल होता है, जिसमें पहले से जारी शब्द सूची के आधार पर प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रारंभिक चरण में सफल रहने वाले प्रतिभागियों को लिखित स्पेलिंग और वोकैबुलरी टेस्ट देना पड़ता है। इसके बाद शीर्ष 100 या उसके आसपास के प्रतिभागी क्वार्टरफाइनल में पहुंचते हैं। क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल राउंड के दौरान प्रतिभागियों से मंच पर माइक्रोफोन के सामने स्पेलिंग और शब्दावली से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। गलत उत्तर देने वाले प्रतियोगी बाहर हो जाते हैं।

डील: 300 अरब डॉलर निवेश से लेकर लेबनान में हमले रोकने तक, आखिर समझौते में क्या-क्या शामिल?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव को खत्म करने के लिए तैयार हो रही संभावित डील अब अंतिम चरण में पहुंचती दिख रही है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि दोनों पक्ष समझौते के काफी करीब हैं, हालांकि कुछ मुद्दों पर अभी सहमति बनना बाकी है। अगर यह समझौता अंतिम रूप लेता है तो इसमें केवल युद्धविराम ही नहीं, बल्कि परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंधों में राहत, होर्मुज जलडमरूमध्य, लेबनान संकट और बड़े निवेश पैकेज जैसे कई अहम मुद्दे शामिल होंगे। प्रस्तावित समझौते के तहत अमेरिका और ईरान 60 दिनों तक संघर्षविराम बढ़ाएंगे। इसी अवधि में दोनों देश स्थायी शांति समझौते और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर विस्तृत बातचीत करेंगे। दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में शामिल होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही सामान्य करने का प्रस्ताव है। रिपोर्टों के मुताबिक ईरान समुद्री बारूदी सुरंगें हटाएगा, जबकि अमेरिका नौसैनिक प्रतिबंधों में राहत देने पर विचार करेगा।

परमाणु कार्यक्रम पर सबसे बड़ी बातचीत : डील का सबसे संवेदनशील हिस्सा ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ा है। अमेरिका चाहता है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित न करने की प्रतिबद्धता दे। साथ ही समृद्ध यूरेनियम के भंडार और भविष्य में यूरेनियम संवर्धन के नियमों पर भी बातचीत होगी। समझौते में अमेरिकी प्रतिबंधों में राहत और विदेशों में फंसी ईरान की अरबों डॉलर की संपत्तियों को लेकर भी चर्चा शामिल है। ईरान लंबे समय से अपने जमे हुए फंड तक पहुंच की मांग करता रहा है। डील में लेबनान में जारी संघर्ष को कम करने और हिजबुल्ला व इस्राइल के बीच तनाव घटाने से जुड़ा प्रावधान भी शामिल बताया जा रहा है। हालांकि लेबनान को लेकर दोनों पक्षों की व्याख्या अलग-अलग बताई जा रही है। डील का सबसे चौंकाने वाला हिस्सा करीब 300 अरब डॉलर के अंतरराष्ट्रीय निवेश और पुनर्निर्माण कार्यक्रम का प्रस्ताव है। रिपोर्टों के अनुसार अंतिम समझौता होने पर अमेरिका ईरान में बड़े निवेश को सुगम बनाने में मदद कर सकता है। तेल, ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में अमेरिकी कंपनियों की एंट्री की संभावना भी जताई गई है।

जेडी वेंस बोले-अमेरिका और ईरान समझौते के बेहद करीब, पर यूरेनियम संवर्धन पर अब भी फंसा पेच

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया इस वक्त बारूद के ढेर पर बैठा है। गाजा में बढ़ते सैन्य अभियान, इस्राइल-ईरान के बीच लगातार बढ़ रही तल्खी, लेबनान में फिर तेज होते हमले और अमेरिका की बढ़ती दखल ने पूरे इलाके का तनाव कई गुना बढ़ा दिया है। हालात ऐसे हैं कि हर कुछ घंटे में कोई नया हमला, बड़ा बयान या कूटनीतिक हलचल दुनिया की सुर्खियां बन रही है। तेल कारोबार से लेकर वैश्विक राजनीति तक, हर मोर्चे पर इसका असर दिखाई देने लगा है। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को रोकने के लिए समझौता लगभग तैयार है, लेकिन अंतिम सहमति से पहले दोनों पक्षों को कुछ बेहद पेचीदा मुद्दों को सुलझाना होगा, जिसकी पुष्टि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने की है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रस्तावित डील के तहत युद्धविराम को 60 दिनों के लिए बढ़ाया जाएगा और ईरान के परमाणु कार्यक्रम के भविष्य पर नए सिरे से बातचीत शुरू होगी। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों की ओर से समझौते का एक ढांचा तैयार होने की बात कहने के बावजूद, ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने इसके फाइनल होने से इनकार किया है। खुद वेंस ने साफ किया है कि यूरेनियम संवर्धन जैसे गंभीर मुद्दों पर अभी भी बातचीत का दौर जारी है और जब तक डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी नेतृत्व की अंतिम मंजूरी नहीं मिल जाती, तब तक समझौते की सटीक समयसीमा तय करना जल्दबाजी होगी।

ईरानी दावे को अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने किया खारिज : अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरानी

मीडिया के उन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि ईरान के बुशहर प्रांत में एक अमेरिकी विमान को मार गिराया गया है। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर स्पष्ट रूप से बयान जारी कर कहा कि यह रिपोर्ट पूरी तरह गलत है, अमेरिका का कोई भी विमान क्रैश नहीं हुआ है और उनके सभी हवाई एसेट्स सुरक्षित और संपर्क में हैं। दोनों देशों के बीच जारी तनाव के बीच इस घटना को एक भ्रामक प्रचार या इन्फॉर्मेशन वॉर के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है।

हलान उलमैन बोले- महंगाई और चुनाव के बीच फंसे ट्रंप, ईरान से समझौता करना आसान नहीं : पूर्व अमेरिकी नौसैनिक अधिकारी हलान उलमैन का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच अगले 60 दिनों में समझौता होना मुश्किल है। दोनों देशों के बीच यूरेनियम और होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने को लेकर विवाद चल रहा है। अमेरिका में बढ़ती महंगाई के कारण राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर समझौता करने का भारी घरेलू दबाव है। हालांकि, ट्रंप को भरोसा है कि आगामी मध्यावधि चुनावों में उनकी रिपब्लिकन पार्टी अच्छा प्रदर्शन करेगी। उलमन के अनुसार, ट्रंप पर किसी समझौते के लिए कोई जबरदस्ती नहीं है, लेकिन उन्हें इस तनाव को जल्द खत्म करना होगा। अमेरिका अपनी नौसेना को हमेशा के लिए वहां तैनात नहीं रख सकता है और इससे दुनिया की अर्थव्यवस्था पर भी बुरा असर पड़ रहा है।

ईरान का बड़ा दावा- आसमान में मार गिराया दुश्मन का विमान : ईरान की वायु सेना ने बुशहर प्रांत में एक दुश्मन के विमान को मार गिराने का दावा किया है। यह घटना जाम काउंटी इलाके में हुई है। ईरानी मीडिया के अनुसार, हवाई रक्षा प्रणाली ने इस विमान को बीच रास्ते में ही रोककर नष्ट कर दिया। वहां के स्थानीय गवर्नर मसूद तंगेस्तानी ने इस खबर की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई के बाद अब शहर में स्थिति पूरी तरह सामान्य है। सरकारी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी के मुताबिक यह घटना पिछले एक घंटे के भीतर ही हुई है।

ईरानी सेना ने चार जहाजों पर की चेतावनी भरी गोलीबारी, होर्मुज में फिर बढ़ा तनाव : पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर बढ़ता नजर आ रहा है। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी मेहर के मुताबिक, ईरानी सुरक्षा बलों ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास चार जहाजों पर वॉर्निंग शॉट्स फायर किए। दावा किया गया कि ये जहाज बिना समन्वय के स्ट्रेट पार करने की कोशिश कर रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार चेतावनी दिए जाने के बावजूद जहाज नहीं रुके, जिसके बाद ईरानी बलों ने फायरिंग की और जहाजों को पीछे हटना पड़ा। फिलहाल जहाजों की पहचान और किसी नुकसान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

मारवाड़ी युवा मंच कार्यकारिणी बैठक संपन्न, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय, होगा छात्र सम्मान

झुमरी तिलैया - मारवाड़ी युवा मंच, झुमरीतिलैया शाखा की कार्यकारिणी की एक बैठक कल शाम श्री अग्रसेन भवन में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मंच के अध्यक्ष मोहित संघई ने की।बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णय पिछले माह आयोजित 'मारवाड़ी प्रीमियर लीग' 'महाराणा प्रताप जयंती' एवं 'अमृत धारा' प्याऊ सेवा की सफलता पर चर्चा हुई। और अमृत धारा निरंतर जून माह में जारी रखने का लिया गया फैसला।स्थाई अमृत धारा के तहत सभी अमृत धारा वॉटर कुलर का निरीक्षण करने का भी निर्णय लिया गया सभी सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रयोजना निर्देशक का आभार जताया।

जून माह में आगामी कार्यक्रमों करने पर चर्चा इस प्रकार हुईः- वृक्षारोपण अभियानः 5 जुन आगामी पर्यावरण दिवस में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 500 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया जिसमें तीन-चार जगह का चुनाव किया। **प्रतिभा सम्मान समारोहः** आगामी 6 जून से 14 जून के बीच मारवाड़ी समाज के बच्चों12वीं और 10वीं कक्षा की परीक्षा में 90% अंक अर्जित किए हैं उनका सम्मान और उच्च शिक्षण संस्था में सफलता प्राप्त

बच्चों का भी सम्मान करने का निर्णय लिया गया। योग दिवस आकाश योग केंद्र में योग दिवस मनाने का निर्णय लिया गया जिसके अंतर्गत सभी सदस्यों के लिए एक निशुल्क योग सत्र रखने का निर्णय लिया गया। रक्तदान शिविर आगामी 14जून विश्व रक्तदा दिवस मनाने का निर्णय लिया गया जिसके अंतर्गत रक्तदान शिविर लगाने पर सहमति बनी। निर्जला एकादशी इस कार्यक्रम के अंतर्गत निशुल्क शरबत वितरण एवं सभी सदस्यों को एकादशी व्रत करने के लिए प्रेरित किया गया और एकादशी व्रत का महत्व शारीरिक,सामाजिक एवं मानसिक फायदे सभी सदस्यों के बीच रखें गया। नशा मुक्ति अभियान : इसके अंतर्गत जागरूकता रैली बैनर पोस्टर लगाकर जागरुक करने के लिए प्रचार प्रसार करने की व्यवस्था पर सहमति बनी। बैठक में प्रांतीय भवन संयोजक राज पच्चीसिया,सचिव अतुल खेतान, कोषाध्यक्ष महावीर खेतान,उपाध्यक्ष शिवेश पाच्चीसिया, प्रतीक संघई,कार्यकारिणी सदस्य विष्णु चौधरी अनुराग हिसारिया, प्रसम जैन, नमन जैन, गौरव चौधरी, और कई अन्य सदस्य उपस्थित थे।अंत में अध्यक्ष मोहित संघई ने कहा कि मारवाड़ी युवा मंच का उद्देश्य सेवा, संस्कार और संगठन के मूलमंत्र पर कार्य करते हुए समाजहित में निरंतर योगदान देना है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान से हुआ।

एग्यारकुंड के मेढ़ा पंचायत स्थित नया नगर में एक फैक्ट्री से फैल रहे कथित प्रदूषण को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा अब खुलकर सामने आने लगा

संवाददाता समामा औसाल, निरसा : एग्यारकुंड के मेढ़ा पंचायत स्थित नया नगर में एक फैक्ट्री से फैल रहे कथित प्रदूषण को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा अब खुलकर सामने आने लगा है।

ग्रामीणों की शिकायत पर जिला परिषद सदस्य गुलाम कुरैशी मौके पर पहुंचे, हालात का जायजा लिया और फैक्ट्री प्रबंधन को तीन दिन के भीतर समस्या का समाधान करने का अल्टीमेटम दे दिया।

नया नगर स्थित अरुण फ्यूल्स से निकल रहे धुएं और प्रदूषण को लेकर शनिवार को ग्रामीणों का आक्रोश देखने को मिला। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि फैक्ट्री से निकलने वाले धुएं के कारण पूरे इलाके का वातावरण प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रदूषण की वजह से लोगों को सांस लेने में परेशानी, त्वचा संबंधी समस्याएं और अन्य स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के आग्रह पर जिला परिषद सदस्य गुलाम कुरैशी नया नगर पहुंचे और लोगों की समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि इस मुद्दे को लेकर कई बार फैक्ट्री प्रबंधन और संचालक से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। लगातार बढ़ रही परेशानी के कारण लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिप सदस्य गुलाम कुरैशी ने अरुण फ्यूल्स के संचालक से सीधे बातचीत की। उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग करते हुए साफ कहा कि कंपनी को समस्या के समाधान के लिए तीन दिन का समय दिया जाता है।

गुलाम कुरैशी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि मंगलवार तक प्रदूषण पर नियंत्रण नहीं किया गया तो बुधवार को ग्रामीणों के साथ कंपनी के मुख्य गेट के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जा सकता और जनप्रतिनिधि होने के नाते जनता की आवाज उठाना उनकी जिम्मेदारी है।

मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने भी साफ कर दिया कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रदूषण की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। फिलहाल पूरे क्षेत्र की निगाहें कंपनी प्रबंधन पर टिकी हुई हैं कि वह आने वाले तीन दिनों में प्रदूषण नियंत्रण को लेकर क्या कदम उठाता है।

नया नगर के ग्रामीणों का आरोप है कि फैक्ट्री से निकल रहा प्रदूषण उनके स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए खतरा बन चुका है। अब जिला परिषद सदस्य द्वारा दिए गए तीन दिन के अल्टीमेटम के बाद यह देखना अहम होगा कि कंपनी प्रबंधन इस समस्या के समाधान के लिए क्या कार्रवाई करता है। यदि ऐसा नहीं हुआ तो बुधवार को बड़े आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

शिकारीपाड़ा में अनियंत्रित होकर खाई में पलटा ट्रैक्टर, हादसे में चालक की दर्दनाक मौत।

शिकारीपाड़ा/दुमका/ रफ्तार मीडिया।

दुमका जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत कुशबोना रोड पर एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जहां एक अनियंत्रित ट्रैक्टर के खाई में पलट जाने से उसके चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि चालक ट्रैक्टर से खेतों की जुताई करने के बाद वापस भुक्तानडीह लौट रहा था। इसी दौरान कुशबोना रोड पर शिकारीपाड़ा कॉलेज मोड़ के समीप ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे गहरी खाई में जा गिरा। हादसा इतना भीषण था कि ट्रैक्टर के नीचे दबने से चालक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतक और ट्रैक्टर मालिक दोनों ही भुक्तानडीह गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

आशंका जताई जा रही है कि यह दुर्घटना बीते दिन देर शाम की है। रात के अंधेरे और सुनसान जगह होने के कारण किसी को इस हादसे की भनक नहीं लग सकी। शनिवार सुबह जब स्थानीय ग्रामीण मॉर्निंग वॉक के लिए घर से बाहर निकले, तब उन्होंने खाई में पलटे ट्रैक्टर और चालक के शव को देखा। इसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई और तुरंत इसकी सूचना स्थानीय लोगों को मिली, घटना की सूचना मिलते शिकारीपाड़ा पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर जेसीबी मशीन के सहायता से ट्रैक्टर को हटा कर शव को बाहर निकाल कर पोस्टमार्ड के लिए दुमका भेजा। घटना के बाद से मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है और गांव में शोक का माहौल है।

भाजपा नेता सह पूर्व आईजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने कार्यकताओं के साथ बैठक की।

रफ्तार मीडिया संवाददाता

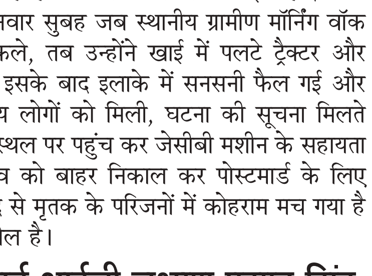

राजधनवारः भाजपा नेता सह पूर्व आईजी लक्ष्मण प्रसद सिंह ने शनिवार को धनवार के बरजो स्थित पार्टी कार्यालय में कार्यकताओं के साथ बैठक की।

बैठक में मुख्य रूप से संगठन सशक्तिकरण पर चर्चा हुई। इस दौरान श्री सिंह ने कहा कि कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है और बुथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना पार्टी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कार्यकताओं से केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं व संगठन की विचारधारा को जन- जन तक पहुंचाने की अपील की। कहा कि भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है जिसका आधार कार्यकताओं की निष्ठा,अनुशासन और सेवा भाव है। इस क्रम में कई कार्यकताओं ने उनके समक्ष अपनी समस्याएं भी रखी। श्री सिंह ने उसका समाधान किया। मौके पर भूपाल सिंह, पवन सिंह, श्याम सिंह, सोहन यादव, रामचन्द्र यादव, साजन साव, मुन्ना साव, रामचन्द्र पासवान आदि कई मौजूद थे।

30 जून तक गुरुजी वाटिका के विकास कार्य होगा पूर्ण, डीसी ने निरीक्षण के दौरान दिया निर्देश

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

उपायुक्त अजय नाथ झा एवं उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने चास के सोलागीडीह स्थित बाबा बैद्यनाथ जन सेवा समिति वृद्ध आश्रम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आश्रम में रह रहे बुजुर्गों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा उनकी आवश्यकताओं और समस्याओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान चास नगर निगम के मेयर भोलू पासवान, उप मेयर पूजा कुमारी एवं संबंधित वार्ड पार्षद भी उपस्थित रहे।मौके पर डीसी ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके सम्मान, सुरक्षा और बेहतर जीवन के लिए जिला प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहा है।निरीक्षण के दौरान आश्रम परिसर स्थित गुरुजी वाटिका को बुजुर्गों के लिए अधिक सुविधाजनक एवं आकर्षक बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा

हुई। डीसी ने संबंधित अधिकारियों को आगामी 30 जून 2026 तक विकास कार्य पूर्ण करने का दिया निर्देश।

उन्होंने भ्रमण के दौरान वाटिका में पाथवे निर्माण, पेवर्स ब्लॉक बिछाने, बैठने की समुचित व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित करने को कहा, ताकि बुजुर्ग सुरक्षित, सहज एवं आनंददायक वातावरण में समय व्यतीत कर सकें।

मौके पर उपस्थित अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार ने बताया कि गुरुजी वाटिका के विकास के लिए डीपीआर तैयार कर लिया गया है। संबंधित एजेंसी आगामी एक-दो दिनों में डीपीआर कार्यालय को समर्पित कर देगी, जिसके बाद कार्य प्रारंभ करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।बुजुर्गों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए डीसी ने निर्देश दिया कि अटल क्लीनिक के चिकित्सक प्रत्येक सप्ताह आश्रम पहुंचकर बुजुर्गों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण करें।

साथ ही, सिविल सर्जन को जिले के सभी वृद्धाश्रमों एवं ऐसे संस्थानों में साप्ताहिक स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करने हेतु रोस्टर तैयार करने का निर्देश दिया।डीसी ने कहा कि स्वास्थ्य जांच सहित अन्य सुविधाओं की नियमित निगरानी आवश्यक है। इसके लिए डीडीसी एवं डीएसडब्ल्यूओ को समन्वय स्थापित कर नियमित मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया गया, ताकि बुजुर्गों को समय पर सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

निरीक्षण के दौरान डीसी, डीडीसी, मेयर, उप मेयर एवं अन्य ने बुजुर्गों के बीच फल एवं फूड पैकेट का वितरण किया। अधिकारियों एवं जन प्रतिनिधियों ने बुजुर्गों के साथ आत्मीय संवाद भी किया। प्रशासनिक अधिकारियों को अपने बीच पाकर वृद्धजनों के चेहरे पर खुशी और संतोष साफ झलक रहा था।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त, उप विकास आयुक्त, मेयर, उप मेयर एवं अन्य ने गुरुजी वाटिका में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

सीटू के स्थापना दिवस पर मजदूरों के अधिकारों की रक्षा का संकल्प लिया गया.

झुमरीतिलैया - सेन्टर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन (सीटू) का 57 वां स्थापना दिवस के अवसर पर श्रम और पूंजी के संघर्ष में मजदूरों की एकता को और मजबूत किए जाने व शासक वर्ग के तमाम षड्यंत्रों को ढ़ाहते हुए आगे बढ़कर केन्द्र सरकार की जनविरोधी नीतियों और लेबर कोड के खिलाफ संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया गया.

इंदरवाटांड़ में "दुनिया के मजदूरों एक हो" के गगन चुम्बी नारों के बीच सीटू के जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश ने लाल झंडा फहराकर सीटू नेता ने मजदूर आंदोलन की एकता और संघर्ष के 55 साल के गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए कहा कि देश के सबसे जुझारू और संघषीर्शील मजदूर संगठन

सीटू की इन सफलताओं में सैकड़ों कार्यकताओं व नेताओं की कुबार्नी है. अपनी जान तक गंवाकर भी लाल झण्डा उठाए रखने का योगदान है. 1970 मे अगर सीटू नहीं बनता तो बहुत मुमकिन था कि देश का श्रमिक आंदोलन अपनी धार ही नहीं बल्कि अस्तित्व भी खो बैठता। अपने श्रम से देश के लिए अकूत धन पैदा करने वाले मजदूरों को शासक वर्ग हाशिये पर धकेलने की साजिश कर रहा है. मजदूरों को गुलाम बनाने के लिए 29 श्रम कानूनों को समाप्त कर चार लेबर कोड मे बदल दिया है. कॉरपोरेट परस्त नीतियों के चलते पिछले 12 वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था गहरे संकट में फंस गई है. देश में महंगाई व बेरोजगारी प्रचंड रूप ले चूका है. स्थायी नौकरी की जगह अनुबंध, ठेका और आउटसोर्सिंग लाया जा रहा है, जहां मजदूरों का लगातार शोषण हो रहा है.

मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए सीटू का संघर्ष जारी रहेगा. कार्यक्रम में धनेश्वरी देवी, शिवनंदन भुइयां, जागेश्वर भुईयाँ, छोटू भुइयां, पप्पू भुइयां, विनोद भुइयां, जमना भुइयां, पुतुल भुइयां, रामचंद्र भुइयां, गंगा देवी, मंजू देवी, सोफारी भुइयां, चंदवा देवी, टुकलाल भुइयां, सोनू भुइयां, समता देवी, मुंदरी देवी, गायत्री देवी, अन्नू देवी, सुरेश भुइयां, राजू भैया समेत दर्जनों लोग मौजूद थे.

जामुगड़िया पंचायत सचिवालय में स्वास्थ्य सुरक्षा और स्वच्छता शिविर का आयोजन।

शिकारीपाड़ा/दुमका/
रफ्तार मीडिया।
ललित कुमार पाल।

दुमका जिला अंतर्गत शिकारीपाड़ा प्रखंड की जामुगडिया ग्राम पंचायत सचिवालय में शनिवार 30 मई 2026 को एनआरएल के सीएसआर योजना के तहत एक विशेष जागरूकता और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। दीपज्योति झारखंड विकास केंद्र के तत्वावधान में आयोजित इस 'सुरक्षित जीवन कार्यक्रम' का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं और किशोरियों को स्वास्थ्य सुरक्षा एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करना था। इस महत्वपूर्ण शिविर में जामुगड़िया पंचायत के विभिन्न गाँवों से बड़ी संख्या में महिलाओं और किशोरियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारियों का लाभ उठाया।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों और स्वास्थ्य कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी

इस गरिमामयी कार्यक्रम को सफल बनाने में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और स्वास्थ्य कार्यकताओं ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। शिविर में मुख्य रूप से जामुगड़िया पंचायत के मुखिया गेब्रियल मरांडी और शिकारीपाड़ा प्रखंड के पश्चिमी भाग के जिला परिषद सदस्य प्रकाश हांसदा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही पंचायत की सहिया साथी रूट किस्कू सहित क्षेत्र की सभी सहिया दीदियों ने बढ़-चढ़कर इस कार्यक्रम में भाग लिया और ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने की इस मुहिम को आगे बढ़ाया।

मासिक धर्म स्वच्छता पर विशेष चर्चा और स्थानीय भाषा में संवाद

कार्यक्रम के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए दीपज्योति झारखंड विकास केंद्र की सचिव श्रीमती चंचल सोनी ने मासिक धर्म के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों पर विशेष चर्चा की। उन्होंने महिलाओं और किशोरियों को इस अवधि में खुद को स्वच्छ और सुरक्षित रखने के तरीके विस्तार से समझाए। इस गंभीर विषय को और अधिक सुलभ बनाने के लिए जिला परिषद सदस्य प्रकाश हांसदा, स्थानीय मुखिया गेब्रियल मरांडी और सहिया साथी रूट किस्कू ने स्थानीय भाषा का उपयोग किया, जिससे वहाँ उपस्थित ग्रामीण महिलाओं और किशोरियों को अपनी ही भाषा में विषय की संवेदनशीलता और महत्ता को समझने में काफी आसानी हुई।

साढ़े सात सौ महिलाओं और किशोरियों के बीच मुफ्त सेनेटरी पैड का वितरण

इस स्वास्थ्य शिविर के समापन चरण में दीपज्योति झारखंड विकास केंद्र की ओर से एक सराहनीय और जनहितैषी कदम उठाया गया। संस्था द्वारा जामुगड़िया पंचायत की लगभग 750 महिलाओं और किशोरियों के बीच निशुल्क सेनेटरी नैपकिन पैड का वितरण किया गया, जिसमें प्रत्येक लाभार्थी को सात-सात पीस पैड दिए गए। इस पहल की स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने काफी सराहना की और उम्मीद जताई कि ऐसे शिविरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य और स्वच्छता के स्तर में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा।

सीबीएसई का त्रिभाषा सूत्र छात्रों के चहुंमुखी विकास में मील का पत्थर: आनंद मोहन

झुमरी तिलैया कैलाश राय सरस्वती विद्या मंदिर प्लस टू उच्च विद्यालय झुमरी तिलैया कोडरमा के प्राचार्य आनंद मोहन ने सीबीएसई द्वारा दिए गए त्रिभाषा सूत्र का स्वागत करते हुए कहा कि छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए यह एक क्रांतिकारी कदम है जिससे छात्रों में सांवादिक कुशलता बढ़ेगी। दो भारतीय भाषाओं के साथ एक विदेशी भाषा के अध्ययन से छात्रों में न केवल अपने साहित्य व संस्कृति के बारे में अपितु विदेशी साहित्य संस्कृति का ज्ञान भी प्राप्त हो सकेगा। वैश्वीकरण और उदारीकरण के इस युग में पूरे विश्व के साथ हम कदमताल कर सके इस हेतु विदेशी भाषा का अध्ययन सीबीएसई के दुरगामी में सोच को दशार्ता है। दो भारतीय भाषाओं के अध्ययन से हमारे छात्र अपने अतीत के गौरव को जानकर गौरवान्वित होंगे। प्राचार्य ने आगे कहा कि अपने जड़ों से जुड़ने के लिए त्रिभाषा सूत्र सीबीएसई का सकारात्मक पहल है। इस निर्णय का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में बहुत सारी विशेषताएं हैं लेकिन यह विशेषता मेरी दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमारे छात्रों को आधिकाधिक अवसर प्राप्त होंगे और वे जिम्मेदार नागरिक बन सकेंगे जिससे हमारा देश और सबल होगा।

इलाज में लापरवाही से गई फिर एक मरीज की जान,चिकित्सक पर लगे लापरवाही का आरोप

रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

बोकारो से एक दुखद खबर सामने आई है। चास के जोधाडीह मोड़ निवासी 62 वर्षीय गामा यादव की एपेक्स हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने दवा के ओवरडोज और इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। जोधाडीह मोड़, चास के रहने वाले गामा यादव उम्र 62 साल को 29 मई 2026 को दोपहर 2 बजे एपेक्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। परिजनों का कहना है कि उनका इलाज डॉ. मदन प्रसाद और डॉ. रविशेखर की देखरेख में चल रहा था।आरोप है कि रात में मरीज को दवा का ओवरडोज दे दिया गया। सुबह जब मृतक गामा यादव के पुत्र अस्पताल पहुंचे तो उन्होंने अपने पिता को मृत पाया।वहीं मृतक के पुत्र ने कहा कि कल दोपहर में भर्ती कराए थे। रात तक ठीक थे। सुबह आए तो पापा नहीं रहे। डॉक्टरों ने गलत दवा दे दी। हमें इंसाफ चाहिए। घटना के बाद अस्पताल परिसर में परिजनों की भीड़ जुट गई। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि मरीज की हालत गंभीर थी। इलाज में कोई लापरवाही नहीं बरती गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत की असली वजह सामने आएगी।

डकरा में धूमधाम से मनाया गया सीटू का 56वाँ स्थापना दिवस, चार लेबर कोड के खिलाफ संघर्ष तेज करने का लिया संकल्प।

रफ्तार मीडिया संवाददाता

खलारी : शनिवार को एन,सी,ओ, ई, ए (सीटू) के क्षेत्रीय कार्यालय, डकरा में सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीटू) का 56वाँ स्थापना दिवस बेहद धूमधाम और क्रांतिकारी उत्साह के साथ मनाया गया।

शहीद वेदी पर दी गई श्रद्धांजलि

कार्यक्रम की शुरूआत एन.सी.ओ.ई.ए. (सीटू) के वरिष्ठ कार्यकर्ता कॉमरेड किशुन राम द्वारा संगठन का झंडोत्तोलन कर की गई। इसके पश्चात उपस्थित सभी कार्यकताओं और संघ प्रतिनिधियों ने शहीद वेदी पर माल्यार्पण किया। इस दौरान सीटू के आंदोलनों में अपनी शहादत देने वाले पूर्वज साथियों के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए और उनके बताए हुए संघर्ष के रास्ते पर चलकर समाजवादी व्यवस्था कायम करने का सामूहिक संकल्प लिया गया।

ट्रेड यूनियन के इतिहास और भूमिका पर चर्चा

इस अवसर पर रोहिणी ब्रांच के शाखा सचिव व यूनियन के वरिष्ठ नेता कॉमरेड सुरेश साव ने 'भारत में ट्रेड यूनियन की शुरूआत और सीटू की भूमिका' विषय पर अपने ओजस्वी विचार रखे। उन्होंने मजदूरों के अधिकारों की रक्षा में सीटू के ऐतिहासिक योगदान को रेखांकित किया।

नीतियों और लेबर कोड के खिलाफ हुंकार

कार्यक्रम का संचालन करते हुए सीटू के राज्य सचिव मंडल सदस्य सह यूनियन के क्षेत्रीय सचिव शैलेश कुमार ने वर्तमान परिदृश्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंनेसाम्राज्यवाद आक्रामकता, कॉरपोरेट परस्त नीतियों और विभाजनकारी व दमनकारी नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद की।सीटू राज्य कमेटी द्वारा जारी आधिकारिक लिफ्लेट (पर्चा) को पढ़कर सभी साथियों को सुनाया।केंद्र सरकार के चार लेबर कोड से मजदूर वर्ग को होने वाले नुकसान और इसके दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से समझाया।इस विशेष कार्यक्रम की अध्यक्षता शैलेन्द्र कुमार सिंह ने की। स्थापना दिवस के इस मौके पर रामप्रवेश राम, मोहन कुमार पांडेय, उदय कुमार सिंह, केदार यादव, कल्लू गंझु, लालजीत गंझु, जी. के. साहू, किशुन महतो, राकेश कुमार, सुभाष प्रजापति, स्वाई, ललकु महतो, राजकुमार चौहान और महावीर गंझु सहित दर्जनों कार्यकर्ता एवं यूनियन प्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

स्वास्थ्य विभाग के आउटसोर्सिंग कर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल सोमवार से

झुमरीतिलैया - आउटसोर्सिंग कम्पनी कमांडो इंडस्ट्रियल सिक्युरिटी फोर्स हजारीबाग के अंतर्गत जिला के सदर अस्पताल एवं सभी प्रखण्डों के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मियों को चार माह से मानदेय भुगतान नहीं होने, ईपीएफ और ईएसआई कटौती में घपलेबाजी व झारखंड सरकार द्वारा निर्धारित मानदेय भुगतान की मांग पर झारखंड स्वास्थ्य आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ (सीटू) के बैनर तले आउटसोर्सिंग कर्मी 01 जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जा रहे हैं. सिविल सर्जन, उपायुक्त, एसडीओ सहित सभी पदाधिकारियों को सूचित कर दिया गया है. इस संबंध में सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान ने कहा कि हड़ताल की सारी तैयारी पूरी कर ली गई है. आउटसोर्सिंग कर्मी एक महीने से आंदोलन कर रहे हैं. लेकिन इनकी मांगों को अनदेखा किया जा रहा है. कोडरमा जिला ही नहीं बल्कि पूरे झारखंड में स्वास्थ व्यवस्था की रीढ़ है आउटसोर्सिंग कर्मी. आज इन्हें बेबस होकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाना पड़ रहा है. जिससे सदर अस्पताल से लेकर प्रखंडों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ व्यवस्था चरमरा सकती है. हड़ताल के दिन सोमवार को समाहरणालय परिसर से सदर अस्पताल तक एक जुलूस भी निकाला जाएगा. हड़ताल की तैयारी को लेकर सदर अस्पताल परिसर में रणजीत राम की अध्यक्षता में बैठक हुई और हड़ताल को सफल बनाने का संकल्प लिया गया. बैठक में धीरज तिवारी, अभिजीत कुमार, सुमा कुमारी, शालिनी कुमारी, नरेंद्र कुमार, सुमा देवी, रेखा देवी, शुलतानी, गुड़िया, प्रिंस पाण्डेय, विशाल राणा, सुधा, महिमा भारद्वाज, मुकेश कुमार, सोनी कुमारी, स्वीटी कुमारी, प्रियंका, सुमित कुमार, रोशन कुमार, दीपक कुमार, रम्भा देवी, अमन सिंह, शालिनी देवी, आयुष कृष्णा, विशाल गौरव, सनी राणा आदि मौजूद थे.

जनता दल यूनाइटेड की प्रमंडलीय बैठक संपन्नः संगठन को मजबूत करने और चुनावी रणनीति पर बनी सहमति

आशीष कुमार मुखर्जी/ रफ्तार मीडिया

रामगढ़ः जनता दल यूनाइटेड (जदयू) उत्तरी छोटनागपुर प्रमंडलीय एक दिवसीय बैठक स्थानीय सनशाइन रिसोर्ट में सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद सह जदयू प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो उपस्थित थे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जदयू के जिला अध्यक्ष ज्योतेंद्र प्रसाद साहू ने की।

बैठक में प्रमंडल के सभी छह जिलों हजारीबाग, रामगढ़, धनबाद, बोकारो, चतरा और कोडरमा के कार्यकताओं सहित प्रदेश स्तर के कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक का मुख्य एजेंडा आगामी चुनावों के मद्देनजर संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना रहा।

पंचायत से जिला स्तर तक पहुंचेगा संगठनः खीरू महतो

सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो ने कहा कि पार्टी के संगठन को पंचायत, प्रखंड, विधानसभा और जिला स्तर तक सक्रिय और मजबूत किया जाएगा। उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ पुरजोर आवाज उठाने का आह्वान करते हुए कहा कि इसके विरोध में मांग पत्र सौंपा जाएगा। श्री महतो ने घोषणा की कि भ्रष्टाचार के खिलाफ रांची में एक विशाल कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार, निशांत कुमार सहित कई केंद्रीय मंत्रियों के शामिल होने की संभावना है। चुनाव के संदर्भ में उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन क्षेत्रों में पार्टी को चुनाव लड़ना है, वहां के चुनावी तालमेल को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा ताकि कार्यकर्ता पूरे उत्साह के साथ काम कर सकें।

पार्टी की नींव है संगठनः सुधा चौधरी

झारखंड सरकार की पूर्व मंत्री और छतरपुर की पूर्व विधायक सुधा चौधरी ने कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा कि संगठन ही किसी भी राजनीतिक दल की असली नींव होता है।

इस बार संगठन को इतना मजबूत किया जाएगा कि पार्टी आगामी चुनावों में पूरी ताकत के साथ उतरेगी। वहीं, रामगढ़ जिला अध्यक्ष ज्योतेंद्र प्रसाद साहू ने कहा कि रामगढ़ जिले के कोने-कोने में जदयू की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा और पार्टी एक मजबूत शक्ति के रूप में उभरेगी।

बाराबनी में तस्करी नेटवर्क ध्वस्तः 10 गिरफ्तार, 5 पुलिस रिमांड पर

रफ्तार मीडिया संवाददाता
बाराबनी

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद प्रशासनिक सख्ती के बीच बाराबनी थाना पुलिस ने अवैध लोहे की तस्करी के बड़े नेटवर्क का पदार्फाश किया है। देर रात चले हाई-वोल्टेज ऑपरेशन में पुलिस ने दो पिकअप वैन और एक सफेद विस्टा कार जब्त कर कुल 10 लोगों को गिरफ्तार किया। अदालत ने पांच मुख्य आरोपियों को सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा, जबकि अन्य पांच को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

संदिग्ध वाहनों को देख पुलिस ने बिछाया जाल

27 मई की रात करीब 9 बजे नियमित गश्त के दौरान पुलिस की नजर चुरुलिया की ओर से तेज रफ्तार में आ रही दो पिकअप वैन और पीछे चल रही संदिग्ध विस्टा कार पर पड़ी। दोतारमा मोड़ के पास घेराबंदी कर तीनों वाहनों को रोका गया। अचानक हुई कार्रवाई से वाहन सवारों में हड़कंप मच गया।

कागजात मांगने पर खुली पोल

पुलिस ने जब लदे लोहे के वैध दस्तावेज मांगे तो चालक कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। न माल के स्वामित्व का प्रमाण मिला, न परिवहन के कागजात। तलाशी में भारी मात्रा में लोहा बरामद हुआ, जिसके बाद सभी 10 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया।

रिमांड पर पांच आरोपी, बड़े खुलासों की उम्मीद

शुक्रवार को आसनसोल अदालत में पेशी के दौरान पुलिस ने संगठित गिरोह की आशंका जताई। अदालत ने कन्हैया कुमार महतो, गंगा राम, प्रमोद महतो, अमल मंडल और दिनेश पाल को सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि लोहा कहां से लाया गया, इसके पीछे कौन सक्रिय है और क्या संबंध किसी बड़े चोरी या अवैध कारोबार से है।

सफेदपोशों पर भी नजर

सूत्रों के अनुसार पूछताछ में कई अहम नाम सामने आ सकते हैं। पुलिस यह भी जांच रही है कि तस्करी नेटवर्क को संरक्षण कौन दे रहा था और खेप कहां खपाई जानी थी। इस कार्रवाई के बाद अवैध कारोबार से जुड़े तत्वों में हड़कंप है। अधिकारियों ने कहा कि अवैध खनन, कोयला और लोहे की तस्करी के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। फिलहाल औद्योगिक क्षेत्र में हलचल है और सबकी नजर जांच से होने वाले अगले खुलासों पर टिकी है।

बैंक ऑफ इंडिया ने सौ ग्राहकों को बांटे 15 करोड़

रफ्तार मीडिया
बोकारो

बैंक ऑफ इंडिया इन दिनों ग्राहकों के बीच एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम के दौरान इसीएलजीएस 5.0 कार्यक्रम चला रही है, इस कार्यक्रम के तहत ग्राहक जनसंपर्क अभियान भी जोरों पर है।बैंक ऑफ इंडिया ने आपातकाल में अपने ग्राहकों के लिए वित्तीय ऑक्सीजन के रूप में दिए गए राशि के 20% अतिरिक्त कर्ज भी दे रही है इसी कड़ी में आज बैंक ने एक पहल करते हुए आरसेटी के सभागार में विशेष कार्यक्रम के दौरान अपने ग्राहकों को लिमिट के अतिरिक्त 15 करोड़ रूपया बतौर कर्ज दिया। यह अमाउंट 100 लाभुकों के बीच वितरित की गई।यह कार्यक्रम बैंक 1 जनवरी 2025 से 31 मार्च 2026 तक चला रही हैं। इस बाबत जानकारी देते हुए क्षेत्रीय प्रबंधक डॉ पल्लवी कुमारी ने बताया कि बैंक अभी के परेशानियों को लेकर अपने ग्राहकों को स्वीकृत लोन अमाउंट के 20 प्रतिशत अतिरिक्त राशि प्रदान कर रही हैं ताकि वैश्विक संकट की घड़ी में उनका व्यवसाय प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि ग्राहकों के साथ बैंक मजबूती के साथ खड़ा है।

गर्मी की छुट्टियों में स्कूलों के बंद गेट और गायब बीएलओ से मतदाता बेहाल, कांग्रेस कराएगी गहन जांचः शशि भूषण तिवारी

कई बूथों पर बीएलओ के नाम-नंबर तक गायब, मतदाताओं के हक के लिए एग्यारकुंड प्रखंड कांग्रेस कमेटी ने संभाला मोर्चा

संवाददाता गौतम कुमार, कुमारधुबी : एग्यारकुंड प्रखंड के दर्जनों से अधिक मतदान केंद्रों (बूथों) पर जारी मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में भारी प्रशासनिक लापरवाही सामने आ रही है। विद्यालयों में गर्मी की छुट्टियां होने के कारण अधिकांश स्कूलों के मुख्य गेट पूरी तरह बंद हैं, जिससे मतदाता केंद्रों तक पहुँच ही नहीं पा रहे हैं। इस गंभीर स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए एग्यारकुंड प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष शशि भूषण तिवारी ने कहा कि बुनियादी तालमेल की कमी के कारण आम जनता को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

?प्रखंड अध्यक्ष ने बताया कि एक तरफ स्कूलों के गेट बंद हैं, तो दूसरी तरफ बूथों पर तैनात बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) के नाम और मोबाइल नंबर तक प्रदर्शित नहीं किए गए हैं। ऐसी

स्थिति में जनता अपनी समस्याओं और 'अनमैप्ड लिस्ट' (वल्लेंस्त्रस्त्री छ्र२३) में सुधार के लिए किससे संपर्क करे, यह एक बड़ा प्रशासनिक सवाल है। बीएलओ की अनुपस्थिति और जानकारी के अभाव में मतदाता लगातार भटक रहे हैं।

?इन बूथों पर व्यवस्थाएं ठपः
जारी विवरण के अनुसार, प्रखंड के बूथ संख्या 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 316, 317, 318, 319, 320, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 280, 281, 282 से 288 तक, 288 से 293 तक, 327 से 332 तक, तथा 398, 399, 400 और 401 सहित कई अन्य केंद्रों पर बीएलओ उपलब्ध नहीं हैं।

?वोटरों के हक के लिए कांग्रेस का संकल्पः
शशि भूषण तिवारी ने स्पष्ट किया कि एग्यारकुंड प्रखंड कांग्रेस कमेटी मतदाताओं के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह मुस्तैद है। उन्होंने कहा, "प्रशासनिक शिथिलता के कारण किसी भी वैध वोटर का नाम छूटने नहीं दिया जाएगा। हमारी कमेटी इस पूरे पुनरीक्षण कार्य की गहन जांच करेगी और अपनी देखरेख में ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं के विवरणों को सुरक्षित व सही तरीके से सुधरवाने का काम करेगी।"

?कांग्रेस कमेटी ने स्थानीय निर्वाचन अधिकारियों और संबंधित विभाग से मांग की है कि वे इस प्रशासनिक चूक को गंभीरता से लें, बंद पड़े केंद्रों के गेट खुलवाना सुनिश्चित करें और सभी बूथों पर बीएलओ की उपस्थिति के साथ-साथ उनके संपर्क सूत्र सार्वजनिक करें ताकि मतदाता सूची का यह विशेष अभियान पारदर्शी और सफल हो सके।

मौके पर मो अमिरूला, नुकुल मोदी,शंकर कोइरी, दिलदार हुसैन,मनोज रजक,प्रकाश पासवान,रेखा साव,सिद्धार्थ बाउरी,देव दास बाउरी,मलय दास,शिव बालक यादव,रूस्तम पासवान,गैरूल हसन,लव यादव,रेखा देवी,परितोष राय, कुणाल भूइयां, नितेश दुबे,संजय कुमार सहित कांग्रेस के बीएलए सक्रिय रहे।

बोकारो जिला कबड्डी संघ का समर कैंप शुरू

रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

बोकारो जिला कबड्डी संघ की ओर से सेक्टर 9 बी क्लब मैदान में शुक्रवार को बालक व बालिका खिलाड़ियों के लिए ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण से शुरू हो गया यह जानकारी देते हुए बोकारो जिला कबड्डी एसोसिएशन के सचिव मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन प्रत्येक दिन जारी रहेगा इस ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण सेवा में नगर के विभिन्न स्कूलों के 52 बालक व बालिका खिलाड़ी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं जिन्हें प्रशिक्षक पलक वर्ग में शैंपू कुमार और बालिका वर्ग में ईशा कुमारी खिलाड़ियों को कबड्डी खेल के सभी प्रकार के नियम की जानकारी दे रहे हैं इसके अतिरिक्त कबड्डी खेल में कैचिंग करने की विधि रेड करने की विधि खेल के दौरान बोनस प्वाइंट लेने की विधि बताई जा रही है इसके पूर्व सभी खिलाड़ियों को प्रशिक्षक की ओर से वार्म अप कराया जाता है इसके बाद खिलाड़ियों के बीच कबड्डी का मैच भी कराया जा रहा है ताकि वह सभी नियम के अनुसार प्रशिक्षण पा सकें इस ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण सिविल का विद्युत उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि संगीता कुमारी की ओर से नारियल फोड़ कर व खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया

एसपी ने किया थाना समेत सीआरपीएफ कैंप का निरीक्षण, दिया कई निर्देश

रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने ललपनिया ओपी,महुआटांड थाना ,जगेश्वर विहार थाना ,दनिया पिकेट,रहावन ओपी व झुमरा सीआरपीएफ कैम्प का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना /ओपी/पिकेट/कैम्प क्षेत्र की

भौगोलिक स्थिति ,सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई एवं सीरिस्ता के कार्यों की समीक्षा की गई। उपस्थित पदाधिकारियों से पूछताछ कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। आम जनता की समस्याओं का त्वरित व विधिवत समाधान करने का निर्देश दिया गया।सभी लंबित कांडों, वारंट, इस्तेहार व कुर्की का ससमय निष्पादन हेतु निर्देशित किए जाने की भी निर्देश दिए।पासपोर्ट , चरित्र सत्यापन संबंधित मामलों को समयबद्ध तरीके से निष्पादन हेतु निर्देशित किया गया । प्रत्येक थाना में सप्ताह में एक दिन थाना दिवस का आयोजन अनिवार्य रूप से करने के संबंध में भी निर्देशित किया गया ।

रेलनगरी में सुरक्षा ध्वस्तः 22 लाख की चोरी, टूटे ताले पर पुलिस घिरी, पुलिस पर साक्ष्य मिटाने के आरोप से मचा हड़कंप

रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन

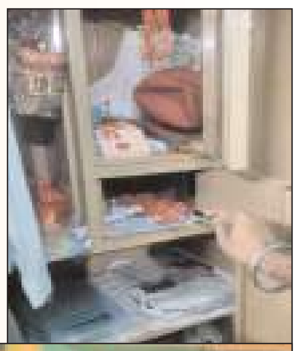

प्रतिबंधित रेलनगरी चित्तरंजन में चोरों ने एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था को खुली चुनौती दी है। एरिया-5 स्थित 35 नंबर रोड के क्वार्टर नंबर 10/डी में हुई बड़ी चोरी में सोने-चांदी के गहने और नकदी समेत करीब 22 लाख रुपये की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया गया। वारदात के बाद पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश है।

चौकीदार की गैरमौजूदगी में वारदात

क्वार्टर मालिक रेलकर्मी राम प्रवेश मंडल काम से बाहर गए थे। घर की देखरेख की जिम्मेदारी चौकीदार छोटू को सौंपी गई थी और चाबी भी उसी के पास थी। देर रात करीब 2:30 बजे चौकीदार ने फोन कर चोरी की सूचना दी। उसका कहना है कि वह गश्त पर गया था। लौटने पर क्वार्टर की लाइट बंद मिली, जबकि वह जलाकर गया था। संदेह होने पर उसने आसपास के लोगों और पुलिस को खबर दी।

टूटा ताला, बिखरा सामान

सूचना पर चित्तरंजन पुलिस और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची। मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला। अंदर अलमारी टूटी पड़ी थी और सारा सामान बिखरा था। चोरों ने पीछे का दरवाजा भी तोड़ा। गहनों का खाली डिब्बा पीछे के दरवाजे के पास फेंका मिला, जिससे अनुमान है कि बदमाश उसी रास्ते से भागे।

22 लाख के नुकसान का दावा

राम प्रवेश मंडल ने बताया कि चोर सोने-चांदी के आभूषण, नकदी और कीमती सामान ले गए। कुल नुकसान करीब 22 लाख रुपये का है। यह उनके परिवार की वर्षों की जमा-पूंजी थी।

पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल

घटना के बाद नया विवाद खड़ा हो गया। घर मालिक का आरोप है कि पुलिस टूटा हुआ ताला अपने साथ ले गई, लेकिन कोई जानकारी नहीं दी। राम प्रवेश का कहना है कि ताले पर चोरों के फिंगरप्रिंट या अन्य साक्ष्य हो सकते थे, जिनकी फॉरेंसिक जांच जरूरी थी। बिना प्रक्रिया बताए ताला ले जाना सवाल खड़े करता है। वे चित्तरंजन थाना के विरुद्ध ऑनलाइन शिकायत और एफआईआर दर्ज कराने की तैयारी में हैं।

फिर कठघरे में सुरक्षा व्यवस्था

स्थानीय लोगों का कहना है कि सीसीटीवी कैमरे, चारों ओर बाउंड्री, आरपीएफ की निगरानी और पुलिस की मौजूदगी के बावजूद अपराधी आसानी से वारदात कर फरार हो जाते हैं। शहर में पहले भी चोरी और हत्या की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन प्रभावी अंकुश नहीं लग पाया। लोगों ने पुलिस से शीघ्र खुलासा, चोरी गई संपत्ति की बरामदगी और वैज्ञानिक जांच की मांग की है। अब सबकी नजर चित्तरंजन पुलिस की जांच पर है। यह देखना होगा कि पुलिस इस हाई-प्रोफाइल कांड का खुलासा कितनी जल्दी करती है और घर मालिक के सवालों का जवाब दे पाती है या नहीं।

विश्व तंबाकू दिवस के अवसर पर चिरकुंडा नगर परिषद ने नशामुक्त भारत अभियान को लेकर एक सराहनीय पहल की

संवाददाता गौतम कुमार, कुमारधुबी : विश्व तंबाकू दिवस के अवसर पर चिरकुंडा नगर परिषद ने नशामुक्त भारत अभियान को लेकर एक सराहनीय पहल की है। नगर परिषद कार्यालय परिसर में जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष वॉल पेंटिंग बनाई गई, जिसमें लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया। इस दौरान नगर परिषद के जनप्रतिनिधियों और कर्मियों ने तंबाकू एवं अन्य नशे के खिलाफ शपथ भी ली।

विश्व तंबाकू दिवस से एक दिन पूर्व चिरकुंडा नगर परिषद कार्यालय में नशामुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कार्यालय परिसर की दीवारों पर आकर्षक वॉल पेंटिंग बनाई गई जिसमें "नशे को भगा दो, खुद को जगा दो" जैसे प्रेरणादायक संदेश लिखे गए। इन नारों के माध्यम से समाज, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराने का प्रयास किया गया।

इस अवसर पर नगर परिषद के अध्यक्ष सुनीता देवी , उपाध्यक्ष विजय यादव सहित सभी अधिकारियों और कर्मियों ने विश्व तंबाकू दिवस की शपथ ली। सभी ने संकल्प लिया कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे और समाज में भी इसके खिलाफ जागरूकता फैलाने का काम करेंगे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने तंबाकू, गुटखा, सिगरेट और शराब जैसी नशीली वस्तुओं से होने वाले नुकसान पर भी चर्चा की।

नगर परिषद के जनप्रतिनिधियों ने खासकर युवाओं से अपील करते हुए कहा कि युवा देश का भविष्य हैं और उन्हें किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहना चाहिए। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि विश्व तंबाकू दिवस के अवसर पर सभी यह प्रण लें कि वे अपने जीवन में तंबाकू और शराब का सेवन नहीं करेंगे तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे।

नशे के खिलाफ यह पहल न केवल जागरूकता का संदेश दे रही है, बल्कि एक स्वस्थ और नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। अब देखना होगा कि इस अभियान का संदेश समाज के कितने लोगों तक पहुंचता है और कितने लोग इसे अपने जीवन में अपनाते हैं।

त्वरित न्याय के लिए विख्यात एडीजे संजय कुमार दुबे आज होंगे सेवानिवृत्त

रफ्तार मीडिया लातेहार

लातेहार लातेहार। व्यवहार न्यायालय लातेहार में पदस्थापित अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय (एडीजे-2) संजय कुमार दुबे शनिवार को अपनी लंबी और उल्लेखनीय न्यायिक सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो रहे हैं। सेवा निवृत्ति से पूर्व उनके अंतिम कार्य दिवस पर न्यायिक पदाधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं न्यायालय कर्मियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी तथा उनके योगदान की सराहना की।संजय कुमार दुबे ने 11 सितंबर 2002 को झारखंड न्यायिक सेवा में सिविल जज के रूप में योगदान दिया था। न्यायिक सेवा में आने से पहले वे वर्ष 1990 से 2002 तक सर्वोच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में प्रैक्टिस कर चुके थे। अपने पूरे कार्यकाल में वे त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण न्याय देने के लिए जाने गए।

न्यायिक जगत में उनकी पहचान ऐसे अधिकारी के रूप में रही जिन्होंने मामलों के शीघ्र निष्पादन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने अपने कार्यकाल में किसी भी मामले को अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखा। कई रिवीजन मामलों में उन्होंने फाइल प्राप्त होने के दिन ही दोनों पक्षों की दलीलें सुनकर निर्णय सुनाया। इतना ही नहीं, कई मामलों में स्टेनोग्राफर की प्रतीक्षा किए बिना स्वयं निर्णय लिखकर न्यायिक प्रक्रिया को गति प्रदान की।

श्री दुबे ने अपने न्यायिक जीवन में सिमडेगा, जमशेदपुर, हजारीबाग, धनबाद, बोकारो, दुमका और साहिबगंज सहित कई जिलों में महत्वपूर्ण सेवाएं दीं। इसके बाद 26 अप्रैल 2024 को उन्होंने लातेहार जजशिप में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में योगदान दिया। यहां उन्हें पॉक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश की जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी।उनकी कार्यनिष्ठा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सेवा के अंतिम महीने में निर्धारित 37 मामलों के लक्ष्य के विरुद्ध उन्होंने 51 मामलों का निष्पादन कर एक मिसाल कायम की।

छात्र हित पर सदन में नहीं उठी आवाज, अब भ्रम फैलाकर राजनीति की जा रही : शालिनी

झुमरी तिलैया जे जे कॉलेज को जे सी बोस विश्वविद्यालय, गिरिडीह से संबद्ध किए जाने के मुद्दे पर पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष सह झामुमो नेत्री शालिनी गुप्ता ने स्थानीय सांसद व विधायक पर आरोप लगाया कि जब छात्र और अभिभावक अपने भविष्य को लेकर चिंतित थे, तब दोनों जनप्रतिनिधि पूरी तरह मौन बने रहे। अब छात्रों के बीच भ्रम फैलाकर राजनीतिक माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है।

सदन में आवाज नहीं उठाने का लगाया आरोप

शालिनी गुप्ता ने कहा कि संसद और विधानसभा नीति निर्धारण तथा कानून बनाने की सर्वोच्च जगह है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत गिरिडीह में राज्य सरकार द्वारा नया विश्वविद्यालय बनाया गया, ऐसे में सांसद और विधायक की जिम्मेदारी थी कि वे छात्र हित में सदन में आवाज उठाते। लेकिन कोडरमा की जनता ने जिन प्रतिनिधियों को भरोसे के साथ चुना, वे इतने महत्वपूर्ण मुद्दे पर पूरी तरह खामोश रहे।उन्होंने कहा कि यदि केंद्रीय मंत्री और स्थानीय विधायक वास्तव में गंभीर होते, तो केवल सोशल मीडिया पर पत्राचार दिखाकर अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश नहीं करते, बल्कि सदन में मजबूती से अपनी बात रखते।उन्होंने कहा कि अंतिम निर्णय पर राज्यपाल की मुहर लगती है और यदि वे चाहते, तो इस फैसले को रोका जा सकता था। लेकिन पूरे मामले में न सांसद की आवाज सुनाई दी और न ही विधायक की। और अब जब छात्रों ने विरोध किया तो एक परिसदन से बयान दे रही है और दूसरी सोशल मीडिया पर ड्राफ्टिंग कर रही है।

छात्रों और अभिभावकों की उम्मीदों पर फेरा पानी

झामुमो नेत्री ने कहा कि जे जे कॉलेज के छात्र और अभिभावक लगातार सांसद और विधायक की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहे थे कि वे उनके भविष्य की रक्षा करेंगे। लेकिन दोनों जनप्रतिनिधियों ने जनता की आशाओं पर पानी फेर दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब जनप्रतिनिधि ही समय पर मौन हो जाएं, तो जनता की समस्याओं को सरकार तक कौन पहुंचाएगा।

पॉलिटेक्निक कॉलेज स्थानांतरण पर भी साधी थी चुप्पी

शालिनी गुप्ता ने कहा कि आज छात्र हित की बात करने वाले नेता उस समय पूरी तरह चुप थे, जब कोडरमा के पॉलिटेक्निक कॉलेज का स्थानांतरण किया गया था। उस वक्त किसी ने छात्रों के भविष्य की चिंता

नहीं की। अब छात्रों के नाम पर बयानबाजी करना केवल राजनीतिक नौटंकी है।

नीट परीक्षा रद्द होने पर भी उठाए सवाल

उन्होंने नीट परीक्षा का मुद्दा उठाते हुए कहा कि परीक्षा रद्द होने से देशभर के लाखों छात्रों का भविष्य संकट में पड़ गया था, लेकिन केंद्र सरकार और स्थानीय सांसद-विधायक ने उस गंभीर मामले में कोई ठोस पहल नहीं की। उन्होंने सवाल किया कि छात्र हित की बात करने वाले नेता उस समय आखिर कहां थे।

ई-कल्याण छात्रवृत्ति राशि रोकने का आरोप

शालिनी गुप्ता ने ई-कल्याण छात्रवृत्ति योजना का मुद्दा उठाते हुए कहा कि गरीब और जरूरतमंद छात्रों के लिए केंद्र सरकार का हिस्सा लंबे समय से रोका गया है। इसके बावजूद झारखंड सरकार अपने कोष से छात्रों को राशि उपलब्ध करा रही है ताकि गरीब बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि छात्र हित की राजनीति करने वालों को पहले यह बताना चाहिए कि आखिर ई-कल्याण की राशि क्यों रोकी गई।

अधूरे पड़े शिक्षा संस्थानों पर मांगा जवाब

उन्होंने कहा कि भाजपा शासनकाल में इंजीनियरिंग कॉलेज और मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास बड़े-बड़े दावों के साथ किया गया था, लेकिन आज तक इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ाई शुरू नहीं हो सकी। वहीं केंद्र सरकार द्वारा करमा मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य भी अधूरा पड़ा हुआ है। ऐसे में शिक्षा और छात्र हित पर बयान देने से पहले अधूरे पड़े संस्थानों पर जवाब देना चाहिए।

शालिनी गुप्ता ने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा राज्य को एक और नया विश्वविद्यालय मिला है, जिसका स्वागत किया जाना चाहिए। राज्य सरकार लगातार शिक्षा व्यवस्था मजबूत करने और छात्रों के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में काम कर रही है, जबकि विपक्ष केवल भ्रम और राजनीतिक माहौल बनाने में जुटा हुआ है।

बोकारो इस्पात संयंत्र के दौरे पर सेल सीएमडी डॉ. ए.के. पंडा, उत्पादकता, लाभप्रदत्ता, सुरक्षा सहित अन्य पहलुओं की समीक्षा

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

महारत्न स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार पंडा ने 30 मई, 2026 को अपने बोकारो प्रवास के दौरान बोकारो इस्पात संयंत्र के परिचालन, उत्पादकता, वित्तीय प्रदर्शन तथा परियोजनाओं की समीक्षा की। बोकारो निवास पहुंचने पर बीएसएल के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन ने उनका स्वागत किया तथा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया।

अपने दौरे के दौरान डॉ. पंडा ने सर्वप्रथम बोकारो निवास में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में उत्पादन, वित्तीय प्रदर्शन, सुरक्षा एवं अन्य पहलुओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में बीएसएल के निदेशक प्रभारी श्री प्रिय रंजन, अधिशासी निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

समीक्षा बैठक के दौरान डॉ. पंडा ने कहा कि बोकारो इस्पात संयंत्र में और भी बेहतर प्रदर्शन करने की अपार संभावनाएं हैं तथा सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उपकरणों की समुचित देख-रेख, गुणवत्ता में सतत सुधार एवं प्रोडक्ट बास्केट में मूल्य संवर्धित उत्पादों के अधिकाधिक समावेश से नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया जा सकता है।उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बोकारो इस्पात संयंत्र सामूहिक प्रयास, नवाचार, उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति तथा निरंतर प्रगति की भावना के बल पर भविष्य में नई उपलब्धियां हासिल करेगा और सेल की विकास यात्रा को और मजबूती प्रदान करता रहेगा।

एलएच के एक घर में भीषण आग, दो लोग झुलसे; अवैध डीजल-पेट्रोल रखने की चर्चा

बोकारो
रफ्तार ब्यूरो

सिटी थाना क्षेत्र स्थित बीएसएल के एलएच स्ट्रीट-14 के एक आवास में शनिवार को अचानक भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हादसे में घर के अंदर मौजूद महबूब आलम और भाना झा गंभीर रूप से झुलस गए। सूचना मिलने पर सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को तत्काल बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) में भर्ती कराया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग इतनी तेज थी कि कुछ ही देर में पूरे कमरे को अपनी चपेट में ले लिया। आसपास के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक दोनों व्यक्ति झुलस चुके थे।

घटना के कारणों को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। प्रारंभिक स्तर पर शॉर्ट सर्किट या खाना बनाते समय आग लगने की संभावना जताई जा रही है। वहीं स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी है कि कमरे में बड़ी मात्रा में डीजल और पेट्रोल रखा गया था, जिससे आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। हालांकि पुलिस या प्रशासन की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

स्थानीय लोग भी इस मामले में खुलकर कुछ बोलने से बच रहे हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

विकास कुमार पासवान जी का सिल्ली प्रखंड कांग्रेस जनों स्वागत किया

रफ्तार मीडिया सिल्ली संवाददाता

सिल्ली - 3 0 मई 2026 को सिल्ली प्रखंड कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष कार्तिक चन्द्र महतो के नेतृत्व में कांग्रेस जनों ने नवनियुक्त मुरी ओपी थाना प्रभारी विकास कुमार पासवान जी का स्वागत कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस मौके पर रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस सचिव नागेश्वर महतो, सिल्ली प्रखंड कांग्रेस महासचिव मंजूर मोमिन सैय्यद कमर आलम भगीरथ महतो इत्यादि कांग्रेस जन उपस्थित हुए।

रूपनारायणपुर में पुलिस का वार: अवैध बालू से लदा ट्रैक्टर जब्त, चालक फरार, माफियाओं में हड़कंप

रफ्तार मीडिया संवाददाता
सालानपुर

अवैध बालू तस्करी पर नकेल कसते हुए रूपनारायणपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। शनिवार दोपहर पुलिस ने गश्त के दौरान अवैध बालू से लदे एक ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। चालक पुलिस को देख ट्रैक्टर सड़क पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, रूपनारायणपुर पुलिस फाड़ी की मोबाइल वैन बादराडी मोड़ के पास रूटीन गश्त पर थी। तभी बालू से लदा ट्रैक्टर गुजरता दिखा। पुलिस को देखते ही चालक घबरा गया और वाहन बीच सड़क पर छोड़कर रफूचक्कर हो गया। संदेह होने पर पुलिस ने ट्रैक्टर की जांच की, लेकिन बालू से संबंधित कोई वैध चालान नहीं मिला। पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर रूपनारायणपुर फाड़ी लाकर संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया। अब पुलिस यह पता लगा रही है कि इस रैकेट के पीछे कौन-कौन शामिल है और बालू कहां से लाकर कहां ले जाई जा रही थी। फरार चालक और ट्रैक्टर मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश जारी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस के इस अचानक अभियान से बालू माफियाओं को बड़ा झटका लगा है। इलाके में अवैध खनन के खिलाफ पुलिस की सख्ती से तस्करों में हड़कंप मच गया है।

संथाल समाज दिशोम मांझी परगना' का 30वां स्थापना दिवस पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ संपन्न

देश के गृह मंत्री ने आदिवासी कहकर अपमानित किया : फागू बेसरा

आशीष कुमार मुखर्जी/रफ्तार मीडिया

कुज्जू (रामगढ़): कुज्जू मुरपा स्थित अक्षत बैंक्विट हॉल में शनिवार को 'संथाल समाज दिशोम मांझी परगना' का 30वां स्थापना दिवस पारंपरिक हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। इस गौरवशाली अवसर पर पूरे क्षेत्र से आदिवासी महिला-पुरुष अपनी पारंपरिक वेशभूषा में ढोल, नगाड़े और झांझर की थाप पर थिरकते नजर आए। पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ समाज के लोगों ने मुख्य अतिथि व अन्य आगत अतिथियों का भव्य स्वागत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि दर्जा प्राप्त मंत्री फागू बेसरा व अन्य प्रबुद्ध जनों द्वारा सखुआ के डाल स्थापित कर और वीर शहीद भगवान बिरसा मुंडा, तिलका मांझी, सिद्धू-कानू और चांद-भैरव के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम का संचालन एतो बास्के ने किया, जिन्होंने उपस्थित जनसमूह के समक्ष संकल्प पत्र का पाठ भी किया।

संथाली भाषा को मिले राजभाषा का दर्जा: फागू बेसरा

स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि दर्जा प्राप्त मंत्री फागू बेसरा ने कहा कि 'संथाल समाज दिशोम मांझी परगना' संथालों का एक अत्यंत प्रतिष्ठित सामाजिक संगठन है। हमारी मौखिक और अलिखित रूढ़िवादी रीति-रिवाज, स्वशासन व्यवस्था, ग्राम सभा, संस्कृति और प्रकृति पूजा हमारी वह विरासत है, जिसे हर हाल में बचाकर रखना है।

उन्होंने संवैधानिक अधिकारों का उल्लेख करते हुए कहा:

"संथाल जनजातियों के लिए अपनी रूढ़िवादी परंपराओं से मार्गदर्शित होना उनका संवैधानिक अधिकार है। यह व्यवस्था भारतीय संविधान के अनुच्छेद 13/3, 244, 244ए तथा पाँचवीं व छठी अनुसूची में स्पष्ट रूप से परिलक्षित है।"

श्री बेसरा ने संथाली एकता को मजबूत करने और भाषा-संस्कृति को अक्षुण्ण रखने का संकल्प दोहराया। साथ ही उन्होंने देश के राष्ट्रपति व राज्यपाल से आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की जोरदार वकालत की।

सरकार के समक्ष रखे गए 27 प्रस्ताव, 'बनवासी' शब्द पर कड़ा ऐतराज

महाधिवेशन के दौरान समाज की ओर से केंद्र व राज्य सरकार के समक्ष 27 सूत्री प्रस्ताव रखे गए, जिन्हें अविलंब विचार कर पारित करने की मांग की गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि आज पूरे देश में आदिवासियों के अस्तित्व को समाप्त करने का अभियान चलाया जा रहा है।

देश के गृह मंत्री द्वारा आदिवासियों को 'बनवासी' कहना उनका घोर अपमान है। आज आदिवासियों के सामने अपने वजूद को बचाने की बड़ी चुनौती है।

समारोह में मुख्य रूप से निम्नलिखित मांगें बुलंद की गईं: संथाली भाषा को अविलंब झारखंड राज्य की राजभाषा घोषित किया जाए। प्राथमिक शिक्षा से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक संथाली 'ओलचिकी' लिपि में पढ़ाई अनिवार्य की जाए। राष्ट्रपति से मांग की गई कि आदिवासियों का पारंपरिक 'जल, जंगल, जमीन' का हक उन्हें वापस मिले।

समारोह में ये रहे उपस्थित

इस ऐतिहासिक स्थापना दिवस को सफल बनाने में समाज के कई दिग्गजों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मौके पर मुख्य रूप से परगना के सोनाराम मांझी, अलख कुमार मांझी, आरडी हंसदा, सोहराय किस्कू, महेश मुर्मू, रमेश कुमार हेम्ब्रोम, रूपन मुर्मू, बिसराम सोरेन, कान्दो मराण्डी, गहन बेसरा, रामचन्द्र हंसदा, जयबीर हंसदा, सूरजमुनि सोरेन, बालकृष्ण टुडू, पन्नालाल मुर्मू, सानू मदन सोरेन, संजय टूडू, मनोहर मुर्मू, रतिलाल मरांडी, राजेश मुर्मू, प्रदीप सोरेन, सोनाराम हेम्ब्रोम और मोहन सोरेन सहित विभिन्न राज्यों के भी भारी संख्या में आदिवासी समाज के लोग उपस्थित थे।

तोपचांची में सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा परिसर में चलाया गया स्वच्छता अभियान

जितेंद्र कुमार दास/रफ्तार मीडिया

तोपचांची: में सामाजिक संगठन तोपचांची नागरिक प्रयास के तत्वावधान में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान संगठन के कार्यकताओं ने प्रतिमा के आसपास फैले कचरे एवं गंदगी की साफ-सफाई कर पूरे परिसर को स्वच्छ और सुंदर बनाया।

अभियान के दौरान सामाजिक कार्यकताओं ने कहा कि महापुरुषों की प्रतिमाएं समाज को प्रेरणा देने का कार्य करती हैं, इसलिए उनके आसपास स्वच्छता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपने घर, मोहल्ले एवं सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

कार्यकताओं ने कहा कि स्वच्छ वातावरण ही स्वस्थ समाज की पहचान है। साफ-सफाई से न केवल बीमारियों की रोकथाम होती है, बल्कि समाज में सकारात्मक संदेश भी जाता है। अभियान के तहत प्रतिमा स्थल से कचरा हटाकर पूरे परिसर की सफाई की गई, जिससे स्थल की सुंदरता में भी वृद्धि हुई।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने और भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का संकल्प लिया।

मौके पर उपस्थित:सरवर खान, गुड्डू खान, प्रकाश यादव, प्रीतम दास, महावीर झारखंडी, कुणाल दास, प्रकाश कुमार, गोपाल भारती, प्रवीण कुमार सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विषैले सांप के काटने से 9 वर्षीय बालक की हालत गंभीर, रिम्स रेफर

चान्हो। चान्हो थाना क्षेत्र के कूदकी गढ़ा गांव से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। गांव निवासी 9 वर्षीय सचिन उरांव को विषैले सांप ने काट लिया, जिससे उसकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी।

परिजनों के अनुसार, सांप के काटने के बाद बच्चे की स्थिति धीरे-धीरे गंभीर होती चली गई। आनन-फानन में परिजन उसे इलाज के लिए मांडर स्थित कॉन्स्टेंट लिवेन्स हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स रेफर कर दिया।

उपायुक्त के निर्देश पर एसडीओ ने पशुपालन विभाग के साथ श्रीकृष्ण गौशाला का किया निरीक्षण, देखभाल को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

रफ्तार मीडिया / संवाददाता
जामताड़ा :

जामताड़ा उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आलोक कुमार के निर्देश पर शनिवार को अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार ने श्रीकृष्ण गौशाला, जामताड़ा का निरीक्षण किया।इस दौरान जिला पशुपालन विभाग के अधिकारियों एवं गौशाला प्रबंधन समिति के प्रतिनिधियों के साथ संयुक्त रूप से गौशाला में रखे गए गोवंशीय पशुओं की स्थिति का जायजा लिया गया।निरीक्षण के दौरान जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. संजीव कुमार तथा पशु चिकित्सकों की टीम ने गौशाला में मौजूद गोवंशीय पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया। स्वास्थ्य जांच के बाद सभी

पशु स्वस्थ पाए गए। अधिकारियों ने पशुओं के रख-रखाव, भोजन, पेयजल तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का भी अवलोकन किया।अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार ने गौशाला प्रबंधन से पशुओं की नियमित देखभाल सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने निर्देश दिया कि सभी गोवंशीय पशुओं को समय पर पौष्टिक चारा, स्वच्छ पेयजल एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उनके स्वास्थ्य पर किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि गौशाला में पशुओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए निर्धारित मानकों का पालन किया जाए तथा साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए।

पीआरजीआई/आरएनआई पंजीयन संख्या RNI NO. JHHIN/26/3481 स्वतत्वाधिकारी,संपादक एवं प्रकाशक गौरव कुमार, कार्यकारी संपादक अरविंद कुमार, उत्तम निवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, अरगोड़ा थाना के पास, हरमू, रांची, झारखंड 834002 से प्रकाशित, एसएच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, रातू काठीटांड़ नियर टेंडर बगीचा एचपी पेट्रोल पंप, पीओ रातू, रांची 835222 से मुद्रित, फोन नंबर 6203592707,ईमेल -raftaarhr@gmail.com(पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेवार) समस्त विवादों का क्षेत्राधिकार रांची न्यायलय रहेगा।